हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार 24 जून 2026

सोना 3000 रुपए टूटा चांदी 10500 गिरी

मुंबई। विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतें 3,000 रुपए टूटकर 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं, जबकि चांदी 10,500 रुपए लुढ़ककर दो महीने से ज्यादा के निचले स्तर पर आ गई। दो महीने से ज्यादा समय में इसका सबसे निचला स्तर है। चांदी तीन अप्रैल को 2,37,000 रुपए प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी।

शराब में सुहागा मिलाकर पिलाता था और उसे लेकर अस्पताल भी जाता था आरोपी

थोड़ी रंजिश, थोड़ा विवाद...और कांड बड़ा, साइको किलर ने एक-एक कर आठ को मार डाला

बलौदाबाजार जिले से बीते दिनों एक बेहद अजीबो-गरीब और खौफनाक मामला सामने आया था, जिसमें कसडोल थाना क्षेत्र के खर्वे गांव में पिछले चार महीनों से हो रही रहस्यमयी मौतों के पीछे छिपे 'साइको किलर' का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कसडोल

पुरानी रंजिश, शक, अंधविश्वास, कर्ज और मामूली विवादों के चलते एक ही शख्स ने गांव के 8 लोगों को अपनी सनक का शिकार बना डाला। इस घटना के मुख्य आरोपी राम सहाय जायसवाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बेहद शातिराना अंदाज में लोगों को शराब में सुहागा (जहर) मिलाकर पिलाता था और उनकी मौत के बाद खुद उनके कफन-दफन में भी शामिल होता था। इस पूरे मामले का खुलासा ▸▸| शेष पेज 6 पर

आरोपी

कुत्ते पर किया था जहर का परीक्षण

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने पहले एक कुत्ते पर जहर का परीक्षण किया। जब उसे सफलता मिली तो उसने अपने परिचित ग्रामीणों को एक-एक कर निशाना बनाना शुरू कर दिया। वह शराब में सुहागा (जहरीला पदार्थ) मिलाकर लोगों को पिलाता था, जिससे उनकी मौत हो जाती थी।

एक-एक कर बनाए इन 8 लोगों को शिकार

- 6 फरवरी: बद्री पटेल – गाली-गलौज और शराब को लेकर विवाद।
- 20 फरवरी: बुठालु साहू – समाज को गाली देने और चुनावी विवाद का बदला।
- 12 मार्च: छत्तु साहू – पत्नी पर बुरी नजर रखने के संदेह में हत्या।
- 20 मार्च: बुधराम जायसवाल – जमीन और सामाजिक रंजिश।
- 31 मार्च: विनोद कुमार साहू – लगातार अपमान और गाली-गलौज का बदला।
- 28 अप्रैल: गजानंद मांझी – आरोपी को संदेह था कि वह उस पर बैगा-गुनिया और टोना करता है। ▸▸| शेष पेज 6 पर

कैबिनेट में वीबी-जी राम जी योजना के प्रारूप का अनुमोदन

ग्रामीण परिवारों को अब 125 दिन रोजगार की गारंटी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

खास खबर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिये गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी योजना छत्तीसगढ़ के प्रारूप का अनुमोदन किया गया है। भारत सरकार के अधिनियम, 2025 के अनुरूप लागू की जा रही इस योजना के तहत पात्र ग्रामीण परिवारों के वयस्क सदस्यों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिवस अकुशल श्रम आधारित रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान की जाएगी। सरकार का यह कदम ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, सशक्तीकरण, विभागीय योजनाओं के अभिसरण और डिजिटल सुशासन को बढ़ावा देने के लिए है। कैबिनेट ने कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति को भी मंजूरी दे दी। इस योजना ▸▸| शेष पेज 6 पर

अटल आजीविका समृद्धि हाट से बढ़ेंगे रोजगार

रोजगार-स्वरोजगार बढ़ेगा

इस योजना का उद्देश्य उपलब्ध अधोसंरचना और मशीनरी का बेहतर उपयोग करते हुए स्थानीय उत्पादन, प्रसंस्करण, सेवा और विपणन गतिविधियों को बढ़ावा देना है। इससे ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे तथा स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा। योजना के क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को नोडल एजेंसी तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। अटल आजीविका समृद्धि हाट के माध्यम से कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, सेवा व्यवसाय, डिजिटल तकनीक, हरित ऊर्जा तथा ग्रामीण बाजारों को नई गति मिलेगी और प्रदेश की ग्रामीण आजीविका को मजबूत आधार प्राप्त होगा।

अब अटल आजीविका समृद्धि हाट

मंत्रिपरिषद की बैठक में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से अटल आजीविका समृद्धि हाट योजना प्रारंभ करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सृजन केंद्र (हथकरघा, बुनाई-सिलाई, हस्तशिल्प आदि), प्रसंस्करण इकाइयां (दलहन, तिलहन, राइस मिल, डेयरी आदि), सेवा केंद्र (कोल्ड स्टोरेज, सोलर ड्रायर, कृषि उपकरण मरम्मत, अटल डिजिटल केंद्र आदि), विपणन केंद्र तथा आपूर्ति केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

अलका ने छुए पीएम मोदी के पैर, माधवन ने मिलाया हाथ

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी विजय अमृतराज, अभिनेता ममूटी और पार्श्व गायिका अलका याग्निक समेत 65 हस्तियों को प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया।

भारतीय संगीत में उनके बेहतरीन योगदान के लिए अलका याग्निक को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उन्होंने आते ही पीएम मोदी के पैर भी छू लिए। अभिनेता आर माधवन को भी पद्म सम्मान मिला। उन्होंने उठकर पीएम मोदी से हाथ मिलाया। ओम बिड़ला से बात की और राष्ट्रपति के पास अवॉर्ड लेने पहुंचे। माधवन ▸▸| शेष पेज 6 पर

टेलीग्राम की वापसी हटा अस्थायी प्रतिबंध

नई दिल्ली। संदेश ऐप टेलीग्राम की सेवाएं मंगलवार को भारत में बहाल हो गईं। एक सप्ताह का सरकारी प्रतिबंध समाप्त होने के बाद सेवाएं बहाल हुईं। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर पर दोबारा उपलब्ध हो गया, हालांकि कुछ घंटों तक यह एप्पल के ऐप स्टोर पर उपलब्ध नहीं था। कुछ मौजूदा उपयोगकर्ताओं के लिए ऐप मंगलवार सुबह चालू हो गया था, जबकि दोपहर करीब 12 बजे तक यह ऐप एप्पल के ऐप स्टोर से हटा हुआ था।

सीयूईटी स्नातक 2026 का परिणाम जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने मंगलवार को संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी स्नातक) 2026 के नतीजे घोषित किए। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में एजेंसी ने कहा, इंतजार खत्म हुआ। सीयूईटी (स्नातक) 2026 के नतीजे अब उपलब्ध हैं। अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट पर अपने आवेदन संख्या और पासवर्ड का इस्तेमाल करके अपने नतीजे देख और डाउनलोड कर सकते हैं।

60 करोड़ की हेराफेरी आईएएस अफसर गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी को हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद और हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के खातों से कथित रूप से 60.54 करोड़ रुपए की हेराफेरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। ये खाते आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में थे। हरियाणा सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग और कृषि विभाग में प्रधान सचिव रहे पंकज अग्रवाल को सोमवार को गिरफ्तार किया गया।

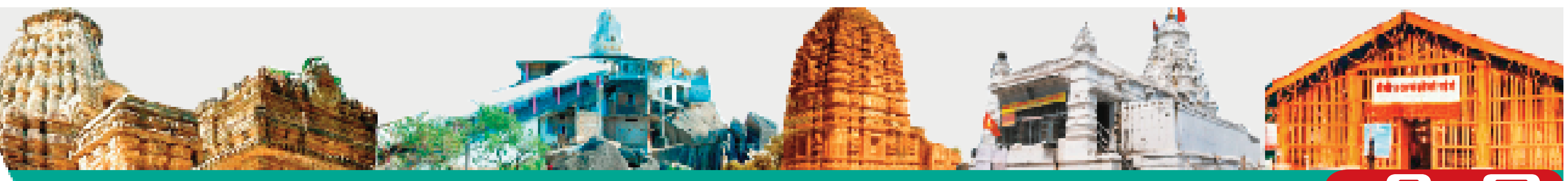

सरकारी विभागों को भी करना होगा समय-सीमा का पालन, 86 दिन के विलंब से दायर रिट अपील खारिज

राज्य शासन, जेल और सुधारात्मक सेवा आश्रम रायपुर और केंद्रीय जेल अधीक्षक जगदलपुर ने दायर की थी याचिका

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने जेल विभाग से जुड़े एक सेवा विवाद में राज्य सरकार द्वारा 86 दिन के विलंब से दायर रिट अपील को खारिज कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट कहा है, सरकारी विभागों को भी अन्य पक्षकारों की तरह समय-सीमा का पालन करना होगा। केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं या फाइलों के आवागमन को देरी माफ करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। राज्य शासन, जेल और सुधारात्मक सेवा आश्रम रायपुर और केंद्रीय जेल अधीक्षक जगदलपुर की रीट अपील पर हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने यह निर्णय लिया।

मुंगेली जिला जेल में पदस्थ जेल वार्डन संजय कुमार साहू (35 वर्ष), पिता पूरन लाल साहू के पक्ष में 21 नवंबर 2025 को सिंगल बेंच ने आदेश पारित किया था। सिंगल बेंच के आदेश को चुनौती देते हुए गृह विभाग ने रिट अपील दायर की, लेकिन यह निर्धारित 45 दिन की तय समय सीमा से अधिक, 86 दिन विलंब से प्रस्तुत की गई। राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता ने बताया, आदेश प्राप्त होने

के बाद फाइल जेल मुख्यालय, गृह विभाग, महाधिवक्ता कार्यालय और विधि विभाग के बीच विचाराधीन रही। कानूनी राय लेने, अनुमति प्राप्त करने तथा अधिकारी-प्रभारी नियुक्त करने जैसी प्रक्रियाओं में समय लगने के कारण अपील विलंब से दायर हुई।

अपने-आप में पर्याप्त कारण नहीं

हाईकोर्ट ने इस पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट, कई फैसलों में स्पष्ट कर चुका है कि सरकारी विभागों को देरी माफी का विशेषाधिकार प्राप्त नहीं है। प्रशासनिक या नौकरशाही प्रक्रियाएं अपने-आप में पर्याप्त कारण नहीं मानी जा सकती। डिवीजन बेंच ने पाया कि राज्य ने ऐसा कोई असाधारण या अपरिहार्य कारण नहीं बताया, जिससे समय-सीमा के भीतर अपील दायर करना संभव न हो। कोर्ट ने कहा, आवेदन में केवल विभागीय पत्राचार और फाइलों की आवाजाही का उल्लेख है, जबकि यह नहीं दिखाया गया कि निर्धारित अवधि के भीतर त्वरित और गंभीर प्रयास किए गए थे। इसलिए 86 दिन की देरी को माफ करने का कोई आधार नहीं बनता। डिवीजन बेंच ने विलंब से दायर की गई अपील को खारिज कर दिया है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन अर्जी, जरूरी है सक्रिय बैंक खाता

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

■ नवीनीकरण प्रारंभ, नए आवेदन लिए जाएंगे एक अगस्त से

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के ऑनलाइन पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। छात्रवृत्ति के लिए आवेदन विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन किए जा सकते हैं।

छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदन नवीनीकरण के लिए 20 जून से आवेदन शुरू किए जा चुके हैं, जबकि नवीन आवेदन के लिए 1 अगस्त से पंजीयन प्रारंभ होगा। छात्रवृत्ति राशि आधार सीडेड बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से जमा की जाएगी। साथ ही नवीन आवेदकों के लिए एनएसपी पोर्टल से ओटीआर (वन टाइम रजिस्ट्रेशन) प्राप्त करना आवश्यक होगा एवं विद्यार्थी द्वारा आवेदन करते समय सक्रिय एवं आधार से लिंक बैंक खाते की जानकारी सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

यह है पात्रता

पात्रता के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के पालकों की वार्षिक आय सीमा 2.50 लाख रुपये तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के पालकों की वार्षिक आय सीमा 1 लाख रुपए निर्धारित की गई है। विभाग ने सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग, आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक संस्थानों के प्राचार्यों तथा छात्रवृत्ति प्रभारियों से समय-सीमा के भीतर आवेदन परीक्षण एवं स्वीकृति की कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है, ताकि विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ समय पर मिल सके। आदिवासी विकास विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार यह व्यवस्था राज्य के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग महाविद्यालयों, पॉलिटेक्निक तथा आईटीआई संस्थानों में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों पर लागू होगी।

खेतों के अवशेष, नगरीय ठोस कचरे और पशु अपशिष्ट से बायोगैस तैयार होगी

कैबिनेट ने दी कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति को मंजूरी, सात नगर निगमों में लगेंगे संयंत्र

हरिभूमि न्यूज» रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में स्वच्छ ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए 'छत्तीसगढ़ कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति' लागू की है। इसके तहत खेतों के अवशेष, नगरीय ठोस कचरे और पशु अपशिष्ट से बायोगैस तैयार की जा रही है। नीति के तहत 'छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047' के तहत राज्य में सालाना लगभग 5 लाख टन कम्प्रेस्ड बायोगैस उत्पादन का लक्ष्य है।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने कैबिनेट के निर्णयों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नीति के प्रभावी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण को सौंपी गई है। छत्तीसगढ़ राज्य में बायो गैस संयंत्र स्थापित करने के लिए गेल और बीपीसीएल जैसी कंपनियों के साथ त्रिपक्षीय एमओयू किए गए हैं। बायो गैस संयंत्र में रायपुर, भिलाई, बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, राजनांदगांव और धमतरी जैसे प्रमुख

नगर निगमों के कचरे का उपयोग कर संयंत्र लगाए जा रहे हैं। नीति के अंतर्गत प्लांट लगाने वाली नई इकाइयों को बिजली शुल्क और स्टाम्प ड्यूटी में छूट, भूमि उपयोग परिवर्तन (डाइवर्जन) शुल्क में राहत जैसे लाभ दिए जा रहे हैं। बायोगैस के अलावा निकलने वाली जैविक खाद से राज्य में प्राकृतिक/जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। इन परियोजनाओं से स्थानीय स्तर पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों रोजगार सृजित हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में स्वच्छ ऊर्जा और कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण, गेल इंडिया लिमिटेड के साथ भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ एमओयू किया है। एमओयू के तहत राज्य के सात नगर निगमों में कम्प्रेस्ड बायो गैस संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। गेल द्वारा अंबिकापुर, रायगढ़ और कोरबा में संयंत्र लगेगा। वहीं बीपीसीएल द्वारा बिलासपुर, धमतरी और राजनांदगांव नगर निगम में स्थापित किए जाएंगे। सात नगर निगमों के लगभग 350 मीट्रिक टन प्रतिदिन नगरीय ठोस अपशिष्ट और 500 मीट्रिक टन अधिशेष बायोमास का उपयोग किया जाएगा। प्रतिदिन करीब 70 मीट्रिक टन कम्प्रेस्ड बायोगैस का उत्पादन होगा।

परियोजना में लगभग 600 करोड़ रुपये निवेश

गेल और बीपीसीएल द्वारा परियोजना में लगभग 600 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हर वर्ष लगभग 2 लाख मानव-दिवस रोजगार सृजित होने का अनुमान है। संयंत्रों से बनने वाली जैविक खाद जैविक खेती को बढ़ावा देगी तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी। साथ ही शहरों में कचरा प्रबंधन बेहतर होगा, स्वच्छता बढ़ेगी और जैव ईंधन उत्पादन के माध्यम से ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बल मिलेगा।

कमजोर मानसून और सूखे से निपटने बनी रणनीति, धान की अर्ली वेरायटी पर फोकस

प्रदेश में जून में 58 मिमी कम बारिश, अब तक दो प्रतिशत बोनी

हरिभूमि न्यूज» रायपुर

अल-नीनो के प्रभाव से इस बार मानसून कमजोर रहने की आशंका के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों के हितों की रक्षा के लिए तेजी से कदम उठाए हैं। सूखे की स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार ने धान की कम अवधि वाली फसलों, दलहन-तिलहन पर जोर, बीज सुरक्षा और फसल बीमा को प्राथमिकता देते हुए व्यापक रणनीति तैयार की है। कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह जानकारी दी।

बैठक में कृषि मंत्री ने बताया कि प्रदेश में 22 जून तक औसत वर्षा महज 30.8 मिलीमीटर दर्ज की गई है, जो पिछले 10 वर्षों के औसत से 58.3 मिलीमीटर कम है। खरीफ बोनी का लक्ष्य 48.69 लाख हेक्टेयर है, लेकिन अभी तक केवल 2 प्रतिशत क्षेत्र में ही बोनी हो पाई है। चुनौतीपूर्ण स्थिति में सरकार ने किसानों को संभावित घाटे से बचाने के लिए कई ठोस उपाय शुरू कर दिए हैं। कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने बताया कि कृषि विभाग ने कम अवधि वाली धान के किस्मों को बढ़ावा देने के साथ मक्का, कोदो, कुटकी, रागी, दलहनी और तिलहनी फसलों के गुणवत्तापूर्ण बीजों को सुरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं। उच्चहन भूमि में अनाज के साथ दलहन-तिलहन फसलों को अंतरवर्तीय फसल के रूप में लगाने की सलाह दी जा रही है। धान की जगह दलहन-तिलहन फसलों की ओर किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

15 सूखा प्रभावित जिलों के लिए बीज उपलब्ध

उन्होंने बताया कि बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए करते हुए राज्य बीज निगम ने 4.95 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य रखा है। सूखा प्रभावित 15 जिलों के लिए 1,22,095 क्विंटल बीज उपलब्ध कराया गया है, जिसमें से 48,449 क्विंटल किसानों तक पहुंच चुका है। अल-नीनो का प्रभाव कम होने वाली दलहन-तिलहन और कम अवधि की फसलों पर फोकस किया जा रहा है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, केअनुसंधान विभाग द्वारा अल-नीनो को ध्यान में रखते हुए आकस्मिक कार्ययोजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि रासायनिक उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने के साथ नैनो उर्वरक और लाभकारी फसलों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सरकार ने बीमा कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित कर फसल नुकसान की भरपाई के लिए बीमा प्लान को प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि किसानों को आर्थिक क्षति से बचाया जा सके।

भाजपा 6 जुलाई तक मनाएगी 'संस्मरण पक्ष'

रायपुर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक और प्रखर राष्ट्रभक्त डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस 23 जून से लेकर उनकी जयंती 6 जुलाई तक भारतीय जनता पार्टी पूरे प्रदेश में 'स्मरण पखवाड़ा' का आयोजन करने जा रही है। इस परिप्रेक्ष्य में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व कार्यक्रम के प्रदेश प्रभारी नन्दन जैन ने बताया कि 'स्मरण पखवाड़ा' के अंतर्गत भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक विभिन्न रचनात्मक और सेवा कार्यों का आयोजन किया जाएगा।

क्षेत्रीय कार्यालयों के जरिए मिलेगी नई अंकसूची, जमा करनी होगी पुरानी मार्कशीट

हरिभूमि न्यूज » रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 12वीं के उन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है, जिनके बोर्ड परीक्षा के अंक सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन के बाद बदले हैं। बोर्ड के सूत्रों के मुताबिक, ऐसे छात्रों की संशोधित भौतिक मार्कशीट जल्द ही सीबीएसई के क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। सूत्रों ने बताया कि संशोधित मार्कशीट प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को अपनी पुरानी मूल मार्कशीट जमा करनी होगी। इसके बाद ही उन्हें नई मार्कशीट जारी की जाएगी। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि डिजिलॉकर में उपलब्ध अपडेटेड मार्कशीट पूरी तरह वैध है और सभी आधिकारिक कार्यों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। जिन छात्रों को तुरंत मार्कशीट की आवश्यकता है, वे फिलहाल डिजिलॉकर वाली कॉपी का उपयोग कर सकते हैं।

सीबीएसई ने रविवार को उन छात्रों के परिणाम जारी करने शुरू किए थे, जिन्होंने उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किया था। बोर्ड के अनुसार, पहले चरण में कुल आवेदनों में से 87 प्रतिशत से अधिक उम्मीदवारों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। बाकी उम्मीदवारों के परिणाम भी चरणबद्ध तरीके से जारी किए जाएंगे। बोर्ड का कहना है कि सभी आवेदनों की जांच एक मजबूत, पारदर्शी और सावधानीपूर्वक निगरानी वाली प्रणाली के तहत की गई है। प्रत्येक आवेदन को निष्पक्षता और सटीकता के साथ प्रोसेस किया गया है ताकि किसी भी छात्र के साथ अन्याय न हो। सीबीएसई ने भरोसा दिलाया है कि शेष आवेदनों की प्रक्रिया भी जल्द पूरी कर ली जाएगी।

7 जून तक मांगे गए थे आवेदन

गौरतलब है कि सीबीएसई ने 13 मई को कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया था। इस परीक्षा में करीब 17.69 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे। इसके बाद छात्रों को 19 मई से 25 मई तक अपनी मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी प्राप्त करने का अवसर दिया गया था। उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन प्रक्रिया 2 जून से 7 जून तक संचालित की गई थी। अब जिन छात्रों के अंक इस प्रक्रिया के बाद बदले हैं, उन्हें संशोधित मार्कशीट जारी की जाएगी। छात्रों को सलाह दी गई है कि वे डिजिलॉकर और सीबीएसई की आधिकारिक सूचनाओं पर नजर बनाए रखें ताकि नई मार्कशीट से जुड़ी जानकारी समय पर प्राप्त हो सके।

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना के आंकड़े पूरी तरह गोपनीय होते हैं, इन्हें जारी नहीं किया जात।

गुमशुदा

मुकेश देवांगन पिता चिंता प्रसाद देवांगन उम्र 45 वर्ष, ऊंचाई 5 फीट 6 इंच, रंग सांवला, शारीरिक बनावट सामान्य, सफेद रंग का चेक शर्ट, ग्रे कलर का लोवर, दाहिने हाथ में गोदना (टैटू) सीता लिखा है। जो महर्षि विद्या मंदिर स्कूल रोड, गीतांजलि पार्क के सामने, बिलासपुर बीट क्रमांक 4 से दिनांक 20.06.2026 को शाम 6.00 बजे बिना बताये कहीं चले गए है। जिस किसी सज्जन को दिखे, कृपया सूचित करने की कृपा करें। उचित ईनाम दिया जावेगा। **मो. 9691076120, 9691572074, 9301080636**

DELHI PUBLIC SCHOOL DURG

Junwani Road, P.O. Nehru Nagar, Bhilai, District- Durg, Chhattisgarh, Pin–490020
(Under the aegis of the Delhi Public School Society, New Delhi)

INVITES APPLICATIONS FOR THE POST OF PRINCIPAL

Candidates with a consistently strong academic record up to the postgraduate level, including a B.Ed., and possessing a minimum of 15 year's teaching experience at the senior secondary level, including at least 5 year's experience in an administrative capacity in English-medium schools, are invited to apply.

The candidate's age should not exceed 55 years as on 30.06.2026.

Salary, perquisites and other benefits shall be as per the rules of the DPS Society. Higher emoluments shall not be a constraint for a deserving candidate.

Applications, along with a comprehensive résumé and a recent passport-size photograph, should be sent to The Secretary, The Delhi Public School Society, F-Block, East of Kailash, New Delhi – 110065, with a copy by email to the Pro-Vice Chairman, Delhi Public School Durg, at PVC@dpsdurg.edu.in, within 15 days of the publication of this advertisement.

The envelope should be superscribed: "APPLICATION FOR THE POST OF PRINCIPAL - DELHI PUBLIC SCHOOL DURG".

Only shortlisted candidates shall be called for interview.

The Management reserves the right to reject any or all applications without assigning any reason and to relax eligibility criteria in deserving cases.

राशिफल

मेष रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। स्नेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता

शब्द पहेली - 6266

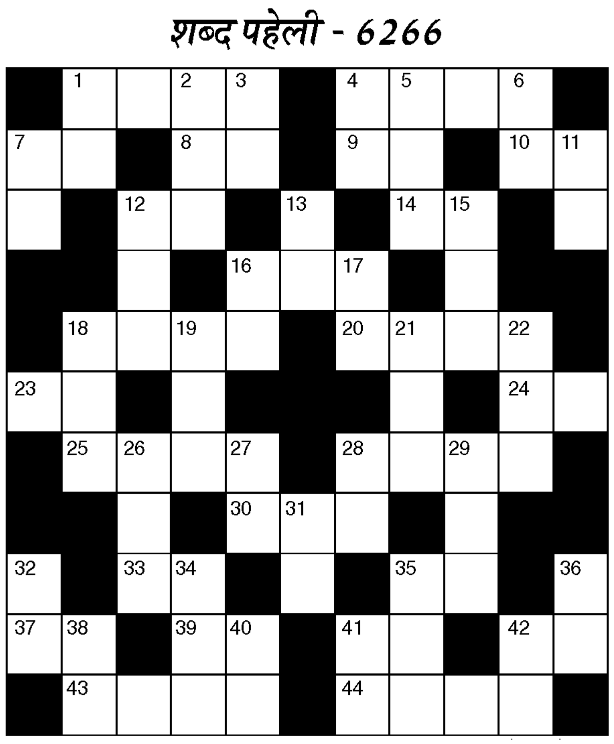

बाएँ से दाए-
1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -6265 का हल

सूडोकु नवताल- 6276

★★★✩✩ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6275 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

पोर्टल एंट्री में 'शॉर्टकट' का खेल

इस पूरे मामले में ये साफ हुआ है कि काम में जल्दबाजी और मेहनत से बचने के लिए निकाय स्तर पर मनमाना डेटा दर्ज किया जा रहा है। आयोग ने 8 प्रमुख बिंदुओं पर इन गड़बड़ियों को चिन्हित किया है। आयु में विरोधाभास- पोर्टल में दर्ज की गई परिवार के मुखिया की वर्तमान आयु और उनके विवाह के समय की आयु के बीच गहरा विरोधाभास पाया गया है, जो डेटा की सत्यता पर सवाल खड़ा करता है।

एक केस स्टडी (कोरबा का परिवार)

मुखिया एक महिला- आयु 55 साल, विवाह के समय आयु 18 साल, पति की आयु 21 साल, विवाह के समय आयु लगभग 21 साल। इस परिवार में तीन बच्चों सहित पांच लोग हैं। सभी को अशिक्षित बता दिया गया। यही नहीं, पांचों सदस्यों में किसी को भी कामकाजी नहीं बताया गया। परिवार की वार्षिक आय शून्य, परिवार के पास कोई अचल संपत्ति नहीं, लेकिन स्वयं का मकान होना बता दिया। परिवार के पास कोई चल संपत्ति भी नहीं होना बताया है।

ओबीसी सर्वे : पोर्टल एंट्री में लापरवाही, पढ़े लिखों को बनाया अनपढ़, कामकाजी को बना दिया 'निठल्ला'

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में अन्य पिछड़ा वर्ग की सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति का सटीक आकलन करने के लिए चलाया जा रहा सर्वेक्षण कार्य भारी प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ता दिख रहा है। गड़बड़ी का आलम ये है कि पढ़े-लिखे लोगों को अनपढ़ बता दिया गया है। कई परिवारों में कामकाजी लोगों के बारे में बता दिया कि ये कोई काम नहीं करते यानी निठल्ले हैं। लोग कई तरह की सरकारी ▸▸ शेष पेज 6 पर

सरकारी योजनाओं का लाभ छिपा दिया

पोर्टल एंट्री में सरकारी योजनाओं (जैसे आवास योजना, ऋण अनुदान, पेंशन) के लाभ को छिपाकर केवल 'राशन कार्ड' का लाभ ही दर्ज किया जा रहा है। जबकि जमीनी हकीकत यह है कि बड़ी संख्या में लोग आवास और पेंशन जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। इसी तरह आर्थिक आंकड़ों में मनमानी की गई है। ▸▸ शेष पेज 6 पर

भूमि और संपत्ति का विवरण गायब

कई परिवारों के मामले में 'स्वयं का मकान' होने की जानकारी तो दर्ज है, लेकिन चल-अचल संपत्ति के कॉलम में 'शून्य' भरा गया है। इसी तरह, भूमि स्वामित्व के कॉलम में भी जानकारियां गायब हैं। कई मामलों में 'क्या आपके पास जाति प्रमाण पत्र है?' और 'आरक्षण नीति से प्राप्त लाभ' वाले कॉलम्स में 'कोई लाभ नहीं' या जानकारी खाली छोड़ दी गई है।

पढ़े-लिखों को 'अशिक्षित' बनाया

सर्वे प्रपत्रों में सदस्यों को जानबूझकर 'अशिक्षित' दिखाया जा रहा है। इसके पीछे का कारण यह है कि यदि किसी सदस्य को 'शिक्षित' दर्ज किया जाता है, तो पोर्टल पर स्कूल में प्रवेश की आयु, विद्यालय का प्रकार, शैक्षणिक योग्यता और शिक्षा छोड़ने का कारण जैसी विस्तृत जानकारियां अनिवार्य रूप से भरनी पड़ती हैं।

कामकाजी आबादी का गलत आकलन

अधिकांश परिवारों में या तो किसी भी सदस्य को 'कामकाजी' नहीं दिखाया गया है या फिर पूरे परिवार में मात्र एक सदस्य को ही कामकाजी बताया गया है। यदि किसी सदस्य को कामकाजी दर्शाया जाता है, तो उसके व्यवसाय, दैनिक मजदूरी और वार्षिक आय का विवरण देना होता है। इन जानकारियों से बचने के लिए कर्मचारियों द्वारा उन्हें 'कामकाजी नहीं' की श्रेणी में डाल दिया जा रहा है।

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का सामान्य कूपन
कल के अंक में देखें।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

एसआईटी ने सौंपी प्रारंभिक रिपोर्ट, टीम ने की कई तरह की सिफारिशें

राम मंदिर चंदा केस में दर्ज होगा जुर्म, बदलेगा ट्रस्ट, पांच साल के चढ़ावे का होगा ऑडिट

एजेंसी ▸▸ लखनऊ

अयोध्या में राम मंदिर दान के वित्तीय प्रबंधन में कथित हेराफेरी की जांच कर रहे एसआईटी ने उत्र सरकार के अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद को अपनी प्रारंभिक प्रतिवेदन रिपोर्ट सौंप दी। एसआईटी के अध्यक्ष और लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने पत्रकारों को बताया, आज हमने शासन द्वारा गठित तीन सदस्यीय एसआईटी की जांच रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव (गृह) को सौंपी है। यह एक प्रारंभिक प्रतिवेदन है और उसी क्रम में आज इसे अपर मुख्य सचिव को सौंप दिया गया है। गबन से जुड़े सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि यह एक गोपनीय जांच है और उसे बताने के लिए हम इस समय अधिकृत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जो हमारी जांच थी, वह हमने उपलब्ध करा दिया है। विजय विश्वास पंत ने बताया कि अयोध्या विवाद पर अपनी शुरुआती रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है।

अयोध्या राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रहे एसआईटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट गृह विभाग को सौंप दी है। जांच में मंदिर ट्रस्ट के कई अधिकारी और कर्मचारी प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए हैं। रिपोर्ट में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में कुछ वरिष्ठ पदाधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। यह रिपोर्ट सीएम योगी के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय भेजी जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शुरुआती रिपोर्ट में 150 लोगों से पूछताछ की दी गई डिटेल

गृह विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी को सौंपी गई रिपोर्ट

20 पेज की रिपोर्ट

- वरिष्ठ अधिकारी को मंदिर का मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त करने का सुझाव
- राम मंदिर में आए पिछले पांच वर्षों के चढ़ावे का ऑडिट कराने की सिफारिश
- मंदिर में चढ़ावे में अनियमितता रोकने के लिए दिए गए सुझाव

जांच के लिए बनाई गई थी एसआईटी

अयोध्या स्थित तीर्थ क्षेत्र में दानपात्रों को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को गंभीरता से लेते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मामले की निष्पक्ष जांच के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विशेष जांच दल गठित किए जाने का अनुरोध किया था। ट्रस्ट के अनुसार, अफवाहों पर रोक लगाने और मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए इसकी गहन जांच आवश्यक है।

इन पर हुई कार्रवाई

राम मंदिर चोरी मामले में 5 आरोपियों लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करूणे और रामशंकर उर्फ टिल्लू की निशानदेही पर 2 करोड़ रुपए की रिकवरी हो चुकी है। इसके अलावा, चंपत राय के करीबी टिल्लू के घर से सोना मिला था। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, चोरी 200 करोड़ रुपए से ज्यादा की हो सकती है।

अब आगे क्या

रिपोर्ट गृह विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी संजय प्रसाद को रिपोर्ट सौंपी गई है। टीम ने बताया कि 20 पन्नों की यह शुरुआती रिपोर्ट है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ की डिटेल है।

रिपोर्ट में यह भी है खास

जांच रिपोर्ट में चढ़ावा चोरी से लेकर कमीशनखोरी तक के साक्ष्य जुट गए हैं। साथ ही मंदिर में कर्मचारियों की नियुक्ति व गणना प्रक्रिया में भी हेरफेर की आशंका जताई गई है। सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, अनिल मिश्रा व निर्माण सहायक गोपाल राव को भी सवालों के घेरे में खड़ा किया गया है। वहीं, चढ़ावा चोरी में 25 से 30 लोगों की सीधी भूमिका सामने आ रही है। बिना तलाशी के मंदिर कर्मियों की आवाजाही पर भी सवाल उठाया गया है।

हाईकोर्ट का आदेश

दरगाह-उर्स में डीजे, नाच-गाना बैन करने पर रोक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बिलासपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने वक्फ बोर्ड की तरफ से 11 जून 2026 को जारी उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है जिसमें प्रदेश की दरगाहों, उर्स और बाकी मजहबी आयोजनों में डीजे, धूमाल, नाच-गाना समेत कई गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए गए थे। इस मामले की सुनवाई छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जस्टिस ए.के. प्रसाद की एकलपीठ में हुई। यह ▸▸ शेष पेज 6 पर

- वक्फ-बोर्ड ने 50,000 जुर्माना लेने जारी किया था आदेश
- राज्य वक्फ बोर्ड को हाईकोर्ट से बड़ा झटका

आदेश के प्रभाव और क्रियान्वयन पर रोक

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने वक्फ बोर्ड के आदेश के प्रभाव और क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी। कोर्ट के इस आदेश के बाद फिलहाल 11 जून को जारी निर्देश प्रभावी नहीं रहेंगे। इस मामले में अब आगामी सुनवाई के दौरान वक्फ बोर्ड के अधिकार क्षेत्र, धार्मिक आयोजनों में जारी किए गए प्रतिबंधों की वैधता और याचिकाकर्ता की आपत्तियों पर विस्तृत विचार किया जाएगा।

खबर संक्षेप

बस स्टॉप में घुसी लॉरी तीन लोगों की मौत

कोल्लम। कोल्लम के कोट्टाराकारा के नीलेश्वरम में मंगलवार सुबह मिट्टी से लदी एक लॉरी अचानक अनियंत्रित होकर एक बस स्टॉप में जा घुसी, जिससे कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और अन्य चार लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि लॉरी में लदी सारी मिट्टी बस स्टॉप पर मौजूद लोगों के ऊपर गिर गई जिससे कई लोग मिट्टी के भारी ढेर के नीचे दब गए।

2.9 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, एक गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम पुलिस ने कछार जिले में करीब 2.9 करोड़ रुपए मूल्य की 'याबा टैबलेट' जब्त की है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शर्मा ने कहा कि 29,000 याबा टैबलेट जब्त की गई और मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

एक परिवार के चार लोग मृत मिले

बंगारुरेड्डीपल्ली। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में एक परिवार के चार लोग मृत पाए गए और उनके कथित तौर पर आत्महत्या करने का संदेह है। मृतकों की पहचान दामोदर (30), उसकी पत्नी निर्मला, उनके 13 वर्षीय पुत्र और 10 वर्षीय पुत्री के रूप में हुई है। चित्तूर जिले में एक ही परिवार के चार लोग जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं, मृत पाए गए। यह घटना तब सामने आई जब सोमवार सुबह करीब 6:15 बजे दामोदर की बहन परिवार से मिलने आई।

एक और सोनम कांड

शादी से पहले प्रेमी के साथ मिलकर की मंगेतर की हत्या

मंगेतर केतन

आरोपी सिया

एजेंसी ▸▸ पुणे

महाराष्ट्र के पुणे के लोनावला स्थित लोहागढ़ में ट्रेकिंग के दौरान कारोबारी परिवार के 24 वर्षीय युवक रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की मौत ने एक नया मोड़ ले लिया है। पहले इस घटना को हादसा माना गया था, लेकिन पुलिस जांच में हत्या के पुख्ता प्रमाण मिले, जिसके आधार पर पुलिस ने केतन अग्रवाल की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। इस केस ने एक बार फिर इंदौर के सोनम-राजा रघुवंशी वाले मामले को ताजा कर दिया है। पुलिस अधीक्षक (पुणे ग्रामीण) संदीप सिंह गिल ने कहा कि 18 जून को एक कपल, जिनकी ईंगेजमेंट ▸▸ शेष पेज 6 पर

कथित प्रेम संबंधों का खुलासा

केतन परिवार के रियल एस्टेट बिजनेस में निदेशक थे। उनकी नवंबर 2026 में सिया गोयल से शादी होने वाली थी। सिया गोयल का कथित तौर पर चेतन चौधरी नाम के व्यक्ति के साथ संबंध था। सिया शादी के खिलाफ थी। पुलिस का मानना है कि जबरन शादी के कारण सिया और चेतन ने केतन को रास्ते से हटाने की योजना बनाई।

लखनऊ अग्निकांड

जांच में जुटी फॉरेंसिक टीम और एसआईटी

एजेंसी ▸▸ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में तीन मंजिला एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग में 15 लोगों की मौत के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस और आगरा के प्रस्तावित दौरे समेत मंगलवार के अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए। भाजपा ने भी शोक व्यक्त करते हुए मंगलवार के अपने संगठनात्मक कार्यक्रम स्थगित कर दिए। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, अलीगंज अग्निकांड ▸▸ शेष पेज 6 पर

4 गिरफ्तार चार सस्पेंड

पुलिस के अनुसार, सोमवार को गिरफ्तार किए गए लोगों में रामकृष्ण उपाध्याय, वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला, तुषार कृष्ण जायसवाल और सुरेश कुमार साहू शामिल हैं। इसके अलावा बिजली विभाग, अग्निशमन विभाग और लखनऊ विकास प्राधिकरण के चार अधिकारियों को भी निलंबित कर दिया गया है।

जांच के बाद होगी कड़ी कार्रवाई

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इस मामले पर कहा, इस घटना की उच्च-स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं और एक एसआईटी बनाई गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में उभरा नया संभावित डायमंड बेल्ट

महासमुंद के बलौदा-बेलमुंडी क्षेत्र से मिले 5 हीरे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले का नाम महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गया है। जिले के सरायपाली क्षेत्र स्थित बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में पांच हीरे मिले हैं। एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड द्वारा 200 टन बल्क सैंपल के परीक्षण एवं प्रसंस्करण के बाद कुल 5 हीरे मिले हैं। जिनका कुल वजन 1.22 कैरेट है। यह उपलब्धि क्षेत्र में हीरा खनिजीकरण की संभावनाओं की पुष्टि करती है। यह खोज राज्य में हीरा संभावनाओं ▸▸ शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ में हीरा खोज की बड़ी सफलता, जमीन के अंदर दबा मिला बेशकीमती खजाना

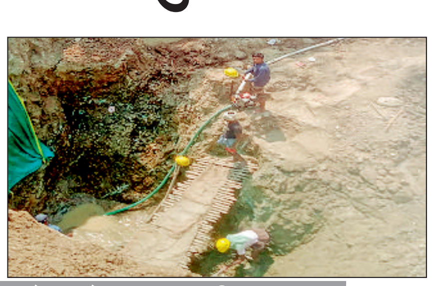

हीरा अन्वेषण के नए युग की शुरुआत

सीएमडीसी लिमिटेड के अध्यक्ष ने कहा कि बलौदा-बेलमुंडी ब्लॉक में प्राप्त परिणाम प्रारंभिक चरण के बावजूद अत्यंत सकारात्मक हैं। हीरों की प्राप्ति ने क्षेत्र की संभावनाओं की पुष्टि की है। कंपनी द्वारा आगे भी विस्तृत अन्वेषण, ड्रिलिंग एवं संसाधन मूल्यांकन कार्य जारी रखे जाएंगे, ताकि क्षेत्र की वास्तविक हीरा क्षमता का वैज्ञानिक आकलन किया जा सके। खनिज विशेषज्ञों के अनुसार बलौदा-बेलमुंडी क्षेत्र से प्राप्त यह सफलता छत्तीसगढ़ में हीरा अन्वेषण के नए युग की शुरुआत का संकेत है। आगे के विस्तृत अध्ययन और अन्वेषण कार्यक्रम इस क्षेत्र की वास्तविक क्षमता को उजागर करेंगे तथा राज्य की खनिज अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान कर सकते हैं।

सीएम साय ने कहा- छत्तीसगढ़ का गौरव

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, बलौदा-बेलमुंडी क्षेत्र में प्राकृतिक हीरों की प्राप्ति छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। राज्य सरकार खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक एवं सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी खनिज राज्यों में और अधिक सशक्त पहचान दिलाएगी। खनिज साधन विभाग के सचिव के अनुसार, हीरों की यह खोज राज्य के खनिज क्षेत्र के लिए अत्यंत उत्साहवर्धक है।

चीन के साथ संबंध बढ़ाएं लेकिन सावधानी जरूरी

आखिरकार कई साल के तनाव के बाद भारत और चीन के बीच व्यापारिक रिश्ते बहाल हो गए हैं। आज के बदलते वैश्विक माहौल में दोनों के बीच यह जरूरी भी है। चूंकि खाड़ी युद्ध के बाद दुनिया में चीन की स्वीकार्यता बढ़ी है। भारत और चीन ही ऐसे देश हैं जहां खाड़ी संकट से पैदा हुए हालातों का बेहद कम असर रहा है। अब दोनों देशों के रिश्तों में एक बार फिर गर्मजोशी दिखाई देने लगी है। वर्ष 2020 के गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच जो अविश्वास की दीवार खड़ी हो गई थी, वह अब धीरे-धीरे कम होती नजर आ रही है। हालांकि भारतीय उद्योग परिसंघ ने चेतावनी दी है कि चीन के साथ कारोबार और करार करने से पहले काफी सतर्क रहने की जरूरत है। चीन के साथ भारत संबंध बढ़ाए, लेकिन सावधानी रखना भी उतना ही जरूरी है। नई दिल्ली में ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के सम्मेलन में भी दोनों देशों के बीच काफी गर्मजोशी देखने को मिली। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि भारत और चीन के लिए एक-दूसरे के 'मूल हितों' का सम्मान करना और दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति पर क्रियान्वयन के लिए ठोस कदम उठाना अनिवार्य है। वहीं, भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भी कहा कि भविष्य के लिए दोनों देशों को साथ आना होगा। आज का वैश्विक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव और अमेरिका की आक्रामक आर्थिक नीतियों के बीच चीन की भूमिका पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली हुई है। ऐसे समय में भारत और चीन, जो दुनिया की दो सबसे बड़ी आबादी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं, उनके बीच संवाद और सहयोग की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, आर्थिक आंकड़े एक अलग कहानी भी बयां करते हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में चीन अमेरिका को पीछे छोड़कर भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया। द्विपक्षीय व्यापार 151.1 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। भारत का चीन को निर्यात बढ़ा जरूर है, लेकिन आयात कहीं अधिक तेजी से बढ़ा है। परिणामस्वरूप व्यापार घाटा बढ़कर 112 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। इसका अर्थ है कि भारत की बाजार व्यवस्था और विनिर्माण क्षेत्र अभी भी चीनी उत्पादों पर अत्यधिक निर्भर हैं। दूसरी ओर, भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की चीन के साथ बढ़ती नजदीकियां भी भारत के लिए रणनीतिक चुनौती हैं। ऐसे में बीजिंग के साथ संवाद बनाए रखना और तनाव कम करना भारत के हित में है, लेकिन मित्रता और निर्भरता में अंतर होता है। भारत को ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए, जिससे उसकी रणनीतिक स्वायत्तता प्रभावित हो या राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों पर आंच आए। भारत और चीन के बीच संबंधों का भविष्य केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। सीमा विवाद, क्षेत्रीय सुरक्षा, तकनीकी सहयोग और वैश्विक मंचों पर समन्वय जैसे अनेक मुद्दे दोनों देशों के एजेंडे में शामिल हैं। इसलिए संबंधों का आधार केवल आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि पारस्परिक सम्मान और विश्वास होना चाहिए। चीन यदि वास्तव में संबंधों को नई दिशा देना चाहता है, तो उसे सीमा पर स्थायी शांति और विश्वास निर्माण के लिए भी ठोस कदम उठाने होंगे। भारत के लिए सबसे उपयुक्त नीति यही होगी कि वह चीन के साथ संवाद बढ़ाए, व्यापार करे, निवेश आकर्षित करे और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत बनाए, लेकिन राष्ट्रीय हितों की कीमत पर नहीं।

व्यवस्था
दिनेश शर्मा 'दिनेश'

शैक्षणिक व्यावसायिकता का अक्षम्य अपराध

पंद्रह बच्चे जो कल तक अपने उज्ज्वल भविष्य के सपने बुन रहे थे, जो अपने माता-पिता की आंखों के तारे थे, आज वे केवल राख का एक ढेर बनकर रह गए हैं। यह सीधे तौर पर उस व्यावसायिक आपराधिकता का अत्यंत वीभत्स चेहरा है, जिसने शिक्षा-व्यवस्था को मौत का कुआं बना दिया है। इतिहास गवाह है कि लखनऊ की यह त्रासदी कोई पहली घटना नहीं है। यह देश के विभिन्न कोनों में कोचिंग संचालकों द्वारा लगातार की जा रही आपराधिक लापरवाहियों की एक अंतहीन और खूनी कड़ी है। यदि हम समाज के तौर पर आज भी नहीं जागे और हमने इन मुनाफाखोर कोचिंग मालिकों को उनके कर्मों की सजा नहीं दिलाई तो यह खूनी सिलसिला देश के किसी न किसी कोने में निरंतर चलता रहेगा।

लखनऊ की हवा में अभी भी धुएं और जले हुए सपनों की गंध घुली हुई है; पूरा शहर और पूरा देश इस वीभत्स मंजर को देखकर स्तब्ध है। पंद्रह बच्चे जो कल तक अपने उज्ज्वल भविष्य के सपने बुन रहे थे, जो अपने माता-पिता की आंखों के तारे थे, आज वे केवल राख का एक ढेर बनकर रह गए हैं। यह सीधे तौर पर उस व्यावसायिक आपराधिकता का अत्यंत वीभत्स चेहरा है, जिसने शिक्षा-व्यवस्था को मौत का कुआं बना दिया है। इतिहास गवाह है कि लखनऊ की यह त्रासदी कोई पहली घटना नहीं है।

यह देश के विभिन्न कोनों में कोचिंग संचालकों द्वारा लगातार की जा रही आपराधिक लापरवाहियों की एक अंतहीन और खूनी कड़ी है। हमें दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर की वह भयावह घटना नहीं भूलनी चाहिए, जहां एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में चल रही लाइब्रेरी में अचानक पानी भर जाने से तीन होनहार छात्रों की डूबने से मौत हो गई थी। वह पानी कोई प्राकृतिक बाढ़ नहीं था, बल्कि संस्थान के मालिक द्वारा नियमों को ताक पर रखकर, बिना किसी ड्रेनेज या आपातकालीन निकास के बेसमेंट में व्यावसायिक गतिविधि चलाने का प्रत्यक्ष परिणाम था। इसी तरह, सूरत के तक्षशिला आर्केड की वह रूह कंपा देने वाली आग आज भी देश के जेहन में ताजा है, जहाँ सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाकर बनाई गई चौथी मंजिल पर चल रहे कोचिंग सेंटर में आग लगने के कारण बच्चों को जान बचाने के लिए ऊपर से कूदना पड़ा था। दिल्ली के मुखर्जी नगर में भी कोचिंग सेंटर की आग से बचने के लिए छात्रों का तारों के सहारे लटककर खिड़कियों से कूदना इस बात का जीता-जागता सबूत है कि इन संस्थानों के संचालकों के लिए बच्चों की जान की कीमत कौड़ियों के बराबर भी नहीं है। केवल हादसे की जगह बदलती रही, मरने वाले मासूम बदलते रहे, लेकिन गुनाहगार का चरित्र वही रहा।

जब कोई व्यक्ति एक कोचिंग संस्थान खोलता है तो वह केवल एक भवन किराए पर नहीं लेता, बल्कि वह समाज के सामने एक जिम्मेदार संस्थान होने का दावा प्रस्तुत करता है। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब भी ऐसी कोई भयानक त्रासदी होती है तो सारा दोष प्रशासनिक तंत्र, दमकल विभाग या स्थानीय नगर निगम के मत्थे मढ़कर असली अपराधी बच निकलते हैं। हमें यह स्पष्ट रूप से समझना होगा कि जब एक कोचिंग सेंटर का मालिक छात्रों से लाखों रुपये की मोटी फीस वसूलता है तो उस प्रत्येक पैसे के बदले छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी पहली, अंतिम और एकमात्र व्यक्तिगत जिम्मेदारी बन जाती है। सरकार से एनओसी प्राप्त करना या सुरक्षा मानकों का पालन करना कोई प्रशासनिक औपचारिकता या जबरन थोपा गया नियम नहीं है, बल्कि यह उस व्यवसाय को चलाने की एक ऐसी बुनियादी शर्त है जिसे पूरा किए बिना संस्थान की एक ईंट भी नहीं रखी जानी चाहिए थी। यदि किसी संचालक ने बिना इन व्यवस्थाओं के संस्थान खोला तो उसने केवल नियम नहीं तोड़े, बल्कि उसने जानबूझकर पंद्रह बच्चों की हत्या की साजिश रची।

तंग और संकरी गलियों में बनी ये ऊंची-ऊंची इमारतें और भूमिगत बेसमेंट में संचालित होते कोचिंग सेंटर, किसी मौत के कुएं से कम नहीं हैं और इनका

निर्माण किसी सरकारी अधिकारी ने नहीं, बल्कि कोचिंग सेंटर के मालिकों ने अपने निजी स्वार्थ और जगह के अधिकतम व्यावसायिक दोहन के लिए किया है। सूरत की आग से लेकर दिल्ली के बेसमेंट में भरे पानी से गोते हुए लखनऊ की इन लपटों तक, हर बार यह साबित हुआ है कि संचालकों को केवल इस बात से सरोकार होता है कि एक छोटे से कमरे में कितने ज्यादा से ज्यादा छात्रों को ठूंसा जा सकता है। अभिभावक अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आस में अपनी जीवन भर की जमा-पूंजी, अपनी गाढ़ी कमाई इन संस्थानों के काउंटरों पर लाकर झोंक देते हैं। वे यह सोचकर निश्चिंत हो जाते हैं कि उनका बच्चा कल का डॉक्टर, इंजीनियर या बड़ा प्रशासनिक अधिकारी बनेगा और देश का नाम रोशन करेगा। लेकिन विडंबना देखिए, शिक्षा के इस अंधाधुंध बाजारीकरण ने इंसानियत को इतना बौना और लाचार कर दिया है कि आज इन व्यापारिक आकाओं के लिए मुनाफा, बच्चों के अनमोल जीवन से बहुत बड़ा हो चुका है।

अब समय आ गया है कि ऐसी स्थिति में कोचिंग सेंटर के मालिकों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। हमें सामूहिक रूप से यह मांग करनी होगी कि देश के प्रत्येक कोचिंग सेंटर का सुरक्षा ऑडिट केवल कागजों पर न हो, बल्कि धरातल पर उसकी कड़ाई से जांच की जाए। यदि कोई भी संस्थान सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करता तो उसे हमेशा के लिए सील कर दिया जाना चाहिए और उसके संचालक को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इतना ही नहीं, कोचिंग सेंटर के मालिक पर केवल लापरवाही का हल्का मुकदमा चलाने के बजाय सीधे तौर पर हत्या या गैर-इरादतन हत्या की संगीन धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

सूरत, दिल्ली और अब लखनऊ के हादसों के बाद भी अगर संचालकों के भीतर कानून का खौफ पैदा नहीं हुआ तो वे देश की न्याय व्यवस्था को अपने मुनाफे के आगे बौना समझते रहेंगे। इन व्यावसायिक संस्थानों को रिहायशी और तंग इलाकों से पूरी तरह बाहर निकालकर केवल उन्हीं स्थानों पर संचालित करने की अनुमति दी जानी चाहिए जो पूरी तरह से सुरक्षित और खुले हों। यदि शिक्षा प्राप्त करने का अर्थ अपनी जान को जोखिम में डालना है तो समाज को ऐसी खूनी शिक्षा व्यवस्था को तुरंत नकार देना चाहिए। संचालकों की यह व्यावहारिक और नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वे स्वयं अपने संस्थानों को तब तक बंद रखें जब तक कि वे छात्रों को एक पूर्ण सुरक्षित वातावरण देने में सक्षम न हो जाएं। लखनऊ की यह भीषण त्रासदी, दिल्ली के बेसमेंट का वह खौफनाक मंजर और सूरत में बिखरी हुई मासूमों की राख आज हमें चीख-चीख कर एक गंभीर चेतावनी दे रही है। क्या हम केवल अगली किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं ताकि फिर से शोक व्यक्त कर सकें? अब वक्त आ गया है कि इस अंधी और बहरी व्यवस्था की नींद को हमेशा के लिए तोड़ा जाए और इसके असली दोषियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जाए, क्योंकि अगर आज हम चुप रहे और हमने अपनी आवाज बुलंद नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां हमारी इस कायरता और मौन के लिए हमें कभी माफ नहीं करेंगी। यह समय चुप रहकर तमाशा देखने का नहीं है, बल्कि इस पूरे खूनी व्यापार के संचालकों को समाज का असली आईना दिखाने और उन्हें उनके इस अक्षम्य अपराध की पूरी सजा दिलाने का है। यदि हम समाज के तौर पर आज भी नहीं जागे और हमने इन मुनाफाखोर कोचिंग मालिकों को उनके कर्मों की सजा नहीं दिलाई तो यह खूनी सिलसिला देश के किसी न किसी कोने में निरंतर चलता रहेगा।

(लेखक शिक्षण क्षेत्र से जुड़े हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

रक्षा क्षेत्र
प्रमोद भार्गव

भारत की समुद्र में बढ़ती सैन्य ताकत

रक्षा क्षेत्र में जबसे निजी उद्योगपतियों को रक्षा सामग्री के निर्माण की अनुमति दी है, तब से समुद्र में भारत की ताकत निरंतर बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर तीन नौसेनिक जहाजों आइएनएस दूनागिरी, आइएनएस संशोधक और आइएनएस अग्रय को नौसेना के बेड़े को सुपुर्द करते हुए कहा है कि 'कोई भी राष्ट्र समुद्र में अपनी क्षमता बढ़ाए बिना बड़ी शक्ति नहीं बन सकता है। समुद्र से ही विकास, सुरक्षा और समृद्धि जुड़ी है। जब समुद्र में किसी भी स्थिति से निपटने में कोई सक्षम होता है, तो इससे आर्थिक व रणनीतिक प्रभाव बढ़ता है। स्वदेशी तकनीक से निर्मित तीनों युद्धपोत सेना में शामिल किए जा रहे हैं।' वाकई भारत की समुद्र में ताकत बढ़ी है, क्योंकि बीते कुछ वर्षों में 40 से अधिक स्वदेश में ही निर्मित युद्धपोत और पनडुब्बियां समुद्र में तैनात कर दिए हैं। निजी क्षेत्र द्वारा रक्षा सामग्री उत्पादन से पहले एक समय ऐसा भी था, जब भारत हर छोटे-बड़े रक्षा उपकरणों को आजाद करने के लिए दूसरे देशों का मुंह ताकता रहता था। इस स्थिति के चलते रणनीतिज्ञ और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाने वाले ये जहाज और पनडुब्बियां भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ देश की औद्योगिक क्षमता बढ़ाने वाली है। आने वाले दिनों में इनके निर्यात के द्वार भी खुल जाएंगे। अतएव आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल देश की ब्लू इकोनोमी का बड़ा केंद्र बन जाएगा। भारत में नौसैनिकों की सुविधाओं के लिए 45 बड़े प्लेटफॉर्म भी तैयार किए जा रहे हैं। आइएनएस दूनागिरी अत्याधुनिक हथियारों और संवेदनशील प्रणालियों के साथ ब्रह्मोस मिसाइल से संपन्न है। ब्रह्मोस सतह से सतह और सतह से आकाश तक शत्रु पर सटीक हमला करने में युद्धपोत पर लगे नवीनतम उपकरण एवं स्टेल्थ तकनीक के कारण यह मिसाइल रडार की पकड़ में नहीं आती है। इसकी इस विलक्षणता के चलते ब्रह्मोस मिसाइल को दूसरे देश भी खरीद रहे हैं। आइएनएस संशोधक देश का सबसे बड़ा सर्वेक्षण पोत है। इसे तटीय क्षेत्रों व गहरे समुद्री इलाकों में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने तथा रक्षा एवं नगरिक क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण आंकड़े जुटाने के उद्देश्य से निर्मित किया गया है। आइएनएस अग्रय पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है। उथले समुद्री क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों और अन्य खतरों का मुकाबला करने में इसे अत्यंत प्रभावी माना जा रहा है।

यह टारपीडो, स्वदेशी रॉकेट लांचर और उथले जल के लिए विकसित सोनार प्रणाली से लैस है। इसके चलते समुद्र के भीतर गुप्त खतरे का इसे पता चल जाता है। स्वदेशी युद्धपोत निर्माण की इस क्षमता ने भारत को पोत निर्माण में आत्मनिर्भर बना दिया है। इस उपलब्धि से समुद्र में भारतीय हितों की रक्षा का अभियान और प्रभावी ढंग से चलाया जा सकेगा। इससे हमारी सैन्य क्षमताओं में आश्चर्यजनक बढ़ोतरी हुई है। इस उपलब्धि के हासिल हो जाने के बाद हम समुद्र के भीतर से दुश्मन देशों पर हमला करने में सक्षम हुए हैं। परमाणु पनडुब्बी निर्माण के क्षेत्र में अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन के बाद भारत छठे देश की कड़ी में शामिल हो गया है। भारत अब पनडुब्बी निर्माण के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर है। पहले से ही नौसेना के पास 15 पारंपरिक और दो परमाणु हथियार संपन्न पनडुब्बियां हैं। पनडुब्बियों की संख्या बढ़ाने के लिए 55000 करोड़ रुपये से छह पनडुब्बियों का निर्माण भारत में किया जा रहा है। मझगांव डॉक्स, निजी पोत निर्माण कंपनी एलएंडटी और नौसेना के बीच प्रोजेक्ट-75 इंडिया के तहत ये पनडुब्बियां स्वदेषी तकनीक से निर्मित की जा रही हैं। मेक इन इंडिया परियोजना के तहत यह अब तक की सबसे बड़ी परियोजना है। रक्षा सामग्री उत्पादन संस्थान अब भारतीय सेना की जरूरतों की पूर्ति के साथ विदेशी पूंजी निर्माण में भी अहम भूमिका निभा रही है। नौसेना की ताकत बढ़ाना इसलिए जरूरी है, क्योंकि चीन दक्षिण सागर में नौसेना की ताकत न केवल बढ़ा रहा है, बल्कि दूसरे देशों के सागर क्षेत्र में भी घुसपैठ करने में लगा है। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारतीय नौसेना ने दक्षिण चीन सागर में अपना युद्धपोत तैनात कर दिया है। नौसेना ने चीन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में आने वाले अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के नजदीक मलक्का स्ट्रेट में चीनी नौसेना के प्रवेश द्वार के निकट भी जहाज तैनात किए हैं, जिससे चीन की षड्यंत्रकारी गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। यहीं से चीन के कई माल-वाहक जहाज अन्य महाद्वीपों में आते-जाते हैं। जहाजों की इन तैनातियों से भारतीय नौसेना ने पूर्वी और पश्चिमी दोनों ही मोर्चों पर किसी भी चुनौती से निपटने के लिए कमर कसी हुई है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शिव दुष्ट में भी मौजूद हैं और धर्मात्मा में भी

संकलित
दर्शन

केवल ज्ञान हमारी चेतना का उत्थान नहीं कर सकता है। अनुभव के बिना ज्ञान बिल्कुल वैसा ही है, जैसे कि बिना लक्ष्य की प्राप्ति हुए गधे पर बैठकर दौड़ना। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हम सीमित व्यक्ति नहीं, बल्कि ईश्वर का अभिन्न अंग हैं। शिव एक खाली स्थान की भांति, दिन और रात, सुख और दुख से अप्रभावित रहते हैं। शिव हमारे भीतर ही रहते हैं और भीतर से ही हमें आशीर्वाद देते हैं। यह वैसा ही है कि जिस प्रकार से बुरे स्वप्न से जागकर हमें यह पता चलता है कि हम सुरक्षित हैं। श्री रुद्रम को सुनने के बाद हमें हमारे वास्तविक स्वभाव के बारे में जागृति होती है, जो ईश्वर ही है। केवल धर्म संस्कार हमारा उत्थान नहीं कर सकते हैं। वास्तविक उत्थान भीतरी रूपांतरण, सरलता और ईश्वर के साथ अपने संबंध को पहचानने से होता है। शिव का सौंदर्य विविधता में मौजूद है। जिस प्रकार से सूर्य का प्रकाश सब जगह एक समान पड़ता है, वैसे ही शिव हर एक चीज में मौजूद है। जैसे - मिट्टी के गड्ढों में, घने जंगलों में, रेगिस्तान और पहाड़ों में, सब जगह पर शिव व्याप्त हैं। शिव दुष्ट में भी मौजूद हैं और धर्मात्मा में भी। उनका प्रेम सबके लिए है, इसमें कोई शर्त नहीं है और जो जैसा है, उसे शिव वैसे ही स्वीकार करते हैं। हमारी प्रवृत्तियों में मौजूद शत्रु हमारे विकास में बाधा डालते हैं। शिव से जुड़ जाने से, उनकी भक्ति करने से ये सारे भीतरी शत्रु यानी बुराइयां समाप्त हो जाती हैं और हमें बाहरी जगत की चुनौतियों से लड़ने की शक्ति मिलती है।

महिमा राम नाम की

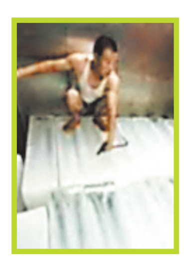

संकलित
प्रेरणा

एक आदमी बर्फ बनाने वाली कंपनी में काम करता था। एक दिन कारखाना बन्द होने से पहले अकेला फ्रिज करने वाले कमरे का चक्कर लगाने गया तो गलती से दरवाजा बंद हो गया। और वह अंदर बर्फ वाले हिस्से में फंस गया छुट्टी का वक्त था और सब काम करने वाले लोग घर जा रहे थे। किसी ने भी अधिक ध्यान नहीं दिया की कोई अंदर फंस गया है। वह समझ गया की दो-तीन घंटे बाद उसका शरीर बर्फ बन जाएगा अब जब मौत सामने नजर आने लगी तो, भगवान को सच्चे मन से याद करने लगा। एक घंटे ही गुजरे थे कि अचानक फ़्रीजर रूम में खट खट की आवाज हुई। दरवाजा खुला चौकीदार भागता हुआ आया। उस आदमी को उठाकर बाहर निकाला और गर्म हीटर के पास ले गया। उसकी हालत कुछ देर बाद ठीक हुई तो उसने चौकीदार से पूछा, आप अंदर कैसे आए? चौकीदार बोला कि साहब मैं 20 साल से यहां काम कर रहा हूं। इस कारखाने में काम करते हुए हर रोज सैकड़ों मजदूर और ऑफिसर कारखाने में आते जाते हैं। मैं देखता हूं लेकिन आप उन कुछ लोगों में से हो, जो जब भी कारखाने में आते हो तो मुझसे हंस कर राम राम करते हो और हालचाल पूछते हो और निकलते हुए आपका राम राम काका कहना मेरी सारे दिन की थकावट दूर कर देता है। जबकि अक्सर लोग मेरे पास से यूं गुजर जाते हैं कि जैसे मैं हूं ही नहीं। आज हर दिनों की तरह मैंने आपका आते हुए अभिवादन तो सुना लेकिन राम राम काका सुनने के लिए इंतज़ार करता रहा।

अंतर्मन

आज की पाती

भुखमरी के खिलाफ जंग कब जीतेगी दुनिया?

आधुनिक विज्ञान के इस युग में मानव ने अपने जीवन को सुखमय बनाने के लिए विलासिता की हर छोटी-बड़ी वस्तु का आविष्कार कर लिया है और जीवन को लगातार अधिक सुविधाजनक बनाता जा रहा है। लेकिन शरीर को तंदुरुस्त रखने के लिए पेट की भूख मिटाने वाली कोई चमत्कारी गोली आज तक नहीं खोजी जा सकी है। यही कारण है कि भोजन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म करना पड़ता है। आधुनिक विज्ञान के इस युग में जब हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है, तब कृषि क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा। आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने से दुनिया के अनेक देशों में फसलों की बंपर पैदावार हो रही है। इसके बावजूद सवाल यह है कि भुखमरी के खिलाफ जंग कब जीतेगी दुनिया? *- महेश साहू, धमतरी*

ट्रेंड

'राष्ट्र प्रथम' की भावना

नक्सल प्रभावित उन इलाकों में, जहा लोग दिन में भी बाहर निकलने से डरते थे, हमने 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ विकास का संकल्प लेकर कदम आगे बढ़ाए हैं।नतीजा यह है कि आज देश में माओवादी आतंकवाद अपने अंतिम दिन गिन रहा है।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

गहरी संवेदना

लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना में कई लोगों की मौत और कई अन्य के घायल होने की खबर बेहद दुखद है। मैं सभी पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

हार्दिक शुभकामनाएं

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर सभी खिलाड़ियों और देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। खेल अनुशासन, समर्पण, आत्मविश्वास और उत्कृष्टता की भावना को बढ़ावा देते हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने हमेशा वैश्विक मंच पर देश का मान बढ़ाया है।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

राम मंदिर

राम मंदिर का पूरा कंट्रोल चंपत राय के हाथों में है। सबसे ज़्यादा आरोप खुद चंपत राय पर ही लग रहे हैं। उन्हें अब तक हटाया क्यों नहीं गया है? क्या इस बात का डर है कि अगर चंपत राय ने मुंह खोला, तो कई बड़े चेहरे बेनकाब हो जाएंगे ?
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

एआई कंपनियां पर्यावरण प्रभाव पर रिपोर्ट जारी करें

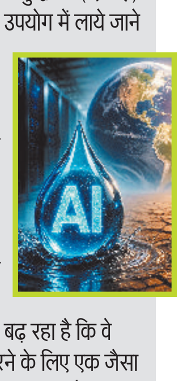

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने मंगलवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कंपनियों से अपने कार्बन उत्सर्जन तथा संस्थान के संचालन में उपयोग में लाये जाने वाले जल और जमीन के बारे में रिपोर्ट जारी करने की अपील की। गुतारेस ने 'लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक' में अपने संबोधन के दौरान कार्रवाई का आग्रह करते हुए एआई पर्यावरण पारदर्शिता पहल का प्रस्ताव किया। उन्होंने तर्क दिया कि एआई कंपनियों को अपनी तेजी से लोकप्रिय हो रही प्रौद्योगिकी के असर को मापना और उसे सार्वजनिक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यही वह प्रभाव है जिसे डेटा सेंटर के तेजी से बढ़ते विस्तार पर रोक लगाने की वजह बताया जा रहा है। इन कंपनियों पर सरकारों और उन इलाकों के स्थानीय लोगों, जहां एआई के डेटा सेंटर हैं, की ओर से लगातार दबाव बढ़ रहा है कि वे अधिक पारदर्शिता बरतें और पूरे उद्योग में जानकारी साझा करने के लिए एक जैसा मानक अपनाएं। गुतारेस ने कहा कि एआई कंपनियों को 2030 तक अपने संस्थानों को पवन और सौर ऊर्जा जैसी नवीकरणीय प्रौद्योगिकी से बनी बिजली से संचालित करने का संकल्प लेना चाहिए। गुतारेस ने यूरोप के सबसे बड़े स्वतंत्र जलवायु सम्मेलन में कहा, 'अब कोई छिपी हुई लागत नहीं...अब उन लोगों पर बोझ नहीं डाला जाएगा जो इसे वहन करने में सबसे कम सक्षम हैं।

ऑफ बीट

प्रौद्योगिकी आपका समय चुरा रही

प्रौद्योगिकी अमूमन हमारे जीवन को आसान बनाने के लिए होती है। स्मार्ट फोन दुनिया को हथेली के आकार की खिड़की प्रदान करते हैं, जिससे हम एक बटन के स्पर्श से लगभग कुछ भी करने में सक्षम हो जाते हैं। स्मार्ट घर अपनी देखभाल खुद करते हैं, और आभासी बैठकों का मतलब है कि कई लोगों के लिए, आने-जाने में बिताया गया समय अतीत की बात हो गई है। तो इसका मतलब यह है कि हमारे पास अधिक खाली समय होना चाहिए। जो समय अब सोने, आराम करने या कुछ भी न करने में व्यतीत हो रहा है - ठीक है? यदि यह विचार कि आपके पास पहले से कहीं अधिक समय है, आपको कुछ सोचने पर मजबूर कर रहा है, तो आप अकेले नहीं हैं। इस बात के बढ़ते सबूत हैं कि डिजिटल तकनीक हमें कुछ समय बचाने में मदद कर सकती है, लेकिन हम उस समय का उपयोग ज्यादा से ज्यादा काम करने में करते हैं। हमने हाल ही में पूरे यूरोप में 300 लोगों का साक्षात्कार लिया, यह समझने के लिए कि वे दैनिक जीवन में डिजिटल उपकरणों का उपयोग कैसे करते हैं। इस शोध से पता चला कि लोग अपने जीवन में खाली समय से बचना चाहते हैं, इसलिए इस दौरान वह उन कार्यों को पूरा करते हैं, जिनमें से कुछ प्रौद्योगिकी के बिना संभव नहीं होंगे।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

ममता के भवानीपुर मतगणना मामले में कोलकाता हाईकोर्ट का अहम आदेश

'सीसी टीवी फुटेज और ईवीएम हर हाल में रखा जाए सुरक्षित'

बनर्जी ने हार के बाद चुनाव परिणामों को चुनौती देते हुए दायर किया है मुकदमा

एजेंसी ▸▸| कोलकाता

भवानीपुर मतगणना मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को सख्त हिदायत दी है कि किसी भी प्रकार का फुटेज डिलीट नहीं किया जाये. मंगलवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान ममता बनर्जी के वकील कल्याण बनर्जी ने अदालत से आग्रह किया कि इस मामले में शीघ्र आदेश जारी करें, वर्ना सबूत मिटने का खतरा है। कल्याण बनर्जी के इस आग्रह पर न्यायमूर्ति गौरांग कांत की अदालत ने भवानीपुर मतगणना केंद्र से सभी सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने का आदेश दिया।

कोई आरोप दायर नहीं

2026 में, ममता बनर्जी भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र से शुभेंदु अधिकारी से हार गईं। शुभेंदु अधिकारी ने उस निर्वाचन क्षेत्र से 15,105 वोटों के अंतर से जीत हासिल की और मुख्यमंत्री बने। ममता ने चुनाव परिणामों को चुनौती देते हुए मुकदमा दायर किया। उन्होंने चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। मामले की सुनवाई मंगलवार को हुई।

'12 राउंड के बाद सब कुछ बदल गया'

ममता बनर्जी के वकील कल्याण बनर्जी ने मतगणना के दिन का जिक्र करते हुए कहा- 12वें दौर तक मतगणना ठीक चल रही थी। ममता आगे थीं, फिर सब कुछ बदल गया। तृणमूल के एजेंटों की पिटाई की गई और उन्हें बाहर निकाल दिया गया। इस काम में केंद्रीय बलों ने भाजपा एजेंटों की मदद ली. 13वें दौर से सब कुछ असामान्य रूप से बदल गया। सभी रिकॉर्ड सीसीटीवी कैमरों में हैं।'

रिटर्निंग ऑफिसर के खिलाफ शिकायत

वकील कल्याण ने यह भी दावा किया कि भवानीपुर के रिटर्निंग ऑफिसर, जो नंदीग्राम के चुनाव अधिकारी थे, को आपत्तियों के बावजूद रिटर्निंग ऑफिसर के पद पर बनाए रखा गया। बाद में उन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय में संयुक्त सचिव का पद दिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य के तत्कालीन मुख्य निर्वाचन अधिकारी को मुख्य सचिव का पद दिया गया था।

कल्याण ने जज से कहा- लोगों की सोच बदलिए

ममता बनर्जी के वकील ने अंतरिम आदेश के लिए अर्जी दी. उन्होंने सीसीटीवी फुटेज और ईवीएम को सुरक्षित रखने का भी अनुरोध किया। कल्याण बनर्जी ने जज से कहा- लोगों की सोच बदलिए। बहुत से लोग मानते हैं कि ऐसे मामले सुलझते नहीं हैं। इस सोच को बदलिए। जल्दी आदेश दीजिए। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भवानीपुर चुनाव के मतगणना केंद्र की सभी सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। न्यायालय के आदेश के बिना फुटेज को हटाया नहीं जा सकता. उच्च न्यायालय ने भवानीपुर की सभी ईवीएम और वीवीपीएटी मशीनों को भी सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। मामले की सुनवाई दो महीने बाद फिर होगी।

शुभेंदु ने कहा था- ममता ड्रामेबाजी कर रहीं

ममता के खिलाफ चुनाव लड़ रहे शुभेंदु अधिकारी ने ममता के आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि ममता ड्रामेबाजी कर रही हैं और इससे चुनाव परिणाम नहीं बदलने वाला। शुभेंदु ने कहा था कि ममता हार की आशंका से परेशान हैं और ईवीएम से जुड़े आरोप निराधार हैं।

बंगाल में भाजपा पहली बार जीती

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित हुए थे। भाजपा ने 208 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया था, जबकि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को 80 सीटें मिली थीं। इसके बाद शुभेंदु अधिकारी राज्य के मुख्यमंत्री बने थे।

खबर संक्षेप

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को कुरियन के इस्तीफे की जानकारी दी। प्रेस रिलीज में बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम नरेंद्र मोदी की सलाह पर उनका इस्तीफा स्वीकार किया है। हालांकि, इस्तीफे की वजह नहीं बताई गई है। 65 साल के कुरियन मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री के पद पर थे।

अब आरटीआई नियमों को लेकर अनशन करेंगे अन्ना

मुंबई। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी दी है कि आरटीआई नियमों में 12 जून को किए गए बदलाव तुरंत वापस नहीं लिए गए तो वे 5 जुलाई से अहिल्यानगर जिले के रालेगण सिद्धि में अनिश्चितकालीन अनशन शुरू करेंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे पत्र में हजारे ने कहा कि महाराष्ट्र आरटीआई नियम, 2026 आरटीआई कानून की धार कमजोर करेंगे और नागरिकों को सूचना से दूर करेंगे। हजारे ने कहा कि सरकार को नई पाबंदियां लगाने के बजाय सरकारी विभागों में स्वैच्छिक सूचना प्रकटीकरण मजबूत करना चाहिए।

अमेरिका : लाइब्रेरी में गोलीबारी, 2 की मौत

कैलिफोर्निया। अमेरिका के उत्तरी कैलिफोर्निया में ब्यूट काउंटी लाइब्रेरी की चिको शाखा में सोमवार शाम हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद भाग रहे संदिग्ध को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गोलीबारी में एक बच्चा भी मामूली रूप से घायल हुआ है। पुलिस प्रमुख बिली एल्ड्रिज ने बताया कि शाम करीब 5 बजे के बाद पुलिस को 911 कॉल मिली, जिसमें लाइब्रेरी के अंदर से गोलियों की आवाज और लोगों की चीखें सुनाई दे रही थीं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के लाइब्रेरी के अंदर प्रवेश करने पर संदिग्ध पीछे के रास्ते से भाग निकला।

आप विधायक समेत 9 को 7-7 साल जेल

अहमदाबाद। गुजरात में नर्मदा जिले की एक कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक चैतर वसावा, उनकी पत्नी और 7 अन्य को 7-7 साल जेल की सजा सुनाई है। इन पर वन-विभाग के अधिकारियों से मारपीट और वसूली का आरोप था। सजा के अलावा विधायक की पत्नी और अन्य पर 96 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। कुल 9 आरोपियों में 4 महिलाएं शामिल हैं। मामला 30 अक्टूबर 2023 का है। आरोप है कि वन विभाग के अधिकारियों ने जंगल की जमीन पर हुए अतिक्रमण हटा दिए थे। इस पर वसावा ने पांच अधिकारियों को अपने घर बुलाया था। प्राथमिकी के मुताबिक, चैतर वसावा और उनके साथियों ने अधिकारियों के साथ मारपीट की और उनसे प्रभावित ग्रामीणों को मुआवजा देने के नाम पर वसूली की थी।

विदेश मंत्रालय ने की पुष्टि

दो भारतीय झंडे वाले जहाज सफलतापूर्वक फारस की खाड़ी में प्रवेश कर चुके

होर्मुज दोनों तरफ से खुला, 11 भारतीय जहाज निकले, 10 कर रहे इंतजार

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में यातायात फिर से दोनों दिशाओं में शुरू हो गया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने पुष्टि की है कि दो भारतीय झंडे वाले जहाज सफलतापूर्वक फारस की खाड़ी में प्रवेश कर चुके हैं, जबकि 10 भारतीय झंडे वाले जहाज अब भी क्षेत्र में इंतजार कर रहे हैं। 17 जून से अब तक 11 भारत आने वाले जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पार कर चुके हैं। यह खबर इसलिए राहत भरी है क्योंकि होर्मुज क्षेत्र में हाल के सुरक्षा तनाव के बावजूद भारत की ऊर्जा आपूर्ति और खाद्य सुरक्षा प्रभावित नहीं हुई है।

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

एमईए के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि भारतीय जहाजों की आवाजाही जारी है। मंत्रालय स्थिति पर नजर रखे हुए है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज मध्य पूर्व का वह संकरा समुद्री मार्ग है जिससे दुनिया का लगभग 20-25 प्रतिशत कच्चा तेल और बहुत बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस गुजरती है। मुख्य रूप से सऊदी अरब, ईरान, इराक, यूएई, कुवैत और कतर जैसे देशों का तेल इसी रास्ते से विश्व बाजार में पहुंचता है। अगर इस रास्ते में कोई रुकावट आए तो वैश्विक तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं। कई देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। भारत अपना 80-85 प्रतिशत तेल इसी रूट से आयात करता है। हाल के दिनों में क्षेत्र में बढ़े तनाव के कारण यातायात प्रभावित हुआ था, लेकिन अब स्थिति सामान्य होने के संकेत मिल रहे हैं।

भारतीय जहाजों की सफल यात्रा

तीन भारतीय ध्वज वाले विशाल क्रूड ऑयल टैंकर - देश वैभव, देश विभोर और सनमार हेराल्ड सफलतापूर्वक होर्मुज पार कर चुके हैं। इनमें कुल 8 लाख 60 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा कच्चा तेल लदा है। इन जहाजों पर 94 भारतीय नाविक सवार हैं। देश वैभव गुजरात के वडिनार बंदरगाह, देश विभोर सिक्का पहुंचने वाला है, जबकि सनमार हेराल्ड 1 जुलाई को ओडिशा के पराद्वीप पहुंचेगा। विदेशी ध्वज वाले एक LPG कैरियर, एक क्रूड ऑयल टैंकर और छह बल्क कैरियर भी भारत के लिए खाद्यान्न और फर्टिलाइजर लेकर आ रहे हैं।

उर्वरक आयात और कृषि सुरक्षा

केवल तेल ही नहीं, भारत की खाद्य सुरक्षा के लिए फर्टिलाइजर आयात भी इसी मार्ग से हो रहा है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने बताया कि चार जहाज यूरिया, DAP और सल्फर लेकर होर्मुज पार कर चुके हैं। ये जहाज आंध्र प्रदेश के कृष्णापट्टनम, काकिनाडा, ओडिशा के पराद्वीप और गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पहुंच रहे हैं। खरीफ सीजन से पहले उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित होना किसानों के लिए बहुत जरूरी है।

इंतजार कर रहे अभी इतने जहाज

होर्मुज में यातायात बहाल होने के बावजूद 10 भारतीय जहाज अभी इंतजार कर रहे। क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति पूरी तरह स्थिर नहीं हुई है, इसलिए सतर्कता बरतनी होगी। भारत को लंबे समय में घरेलू तेल उत्पादन बढ़ाने, नई ऊर्जा को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत है।

पाक पहुंचे ईरानी राष्ट्रपति, समझौते पर तेज हुई कूटनीति

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान मंगलवार को पाकिस्तान पहुंचे। उन्होंने पाकिस्तान के शीर्ष नेताओं और अधिकारियों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा, ईरान-अमेरिका वार्ता और मध्य पूर्व की स्थिति पर अहम बातचीत शुरू की। उनकी यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब ईरान और अमेरिका के बीच लंबे समय से जारी तनाव को समाप्त करने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज हो गए हैं और दोनों देशों की टीमें युद्ध खत्म करने संबंधी संभावित समझौते के अंतिम ड्राफ्ट पर काम कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, 21 जून को स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच उच्चस्तरीय वार्ता हुई थी। इस बैठक में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने अपने-अपने देशों का नेतृत्व किया। वार्ता के बाद तकनीकी विशेषज्ञों की टीमें समझौते की शर्तों और उन्हें लागू करने की प्रक्रिया पर काम कर रही हैं। माना जा रहा है कि यह समझौता मध्य पूर्व में इस साल फरवरी से जारी संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है।

ईरानी हमलों से तंग यूएई भारत से खरीदेगा ब्रह्मोस मिसाइल और आकाशतीर!

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच भारतीय स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के निर्यात पर शुरुआती चर्चा चल रही है। सूत्रों के अनुसार ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और स्वदेशी आकाशतीर एयर डिफेंस कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम शामिल हैं। यह वार्ता शुरुआती चरण में है, लेकिन दोनों देश क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए रक्षा सहयोग बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह सौदा भारत के रक्षा निर्यात को नई ऊंचाई दे सकता है। खाड़ी क्षेत्र में भारत की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा। जब से अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर हमला किया तो ईरान यूएई के सार्वजनिक और मिलिट्री बेस पर मिसाइल और ड्रोन अटैक किए।

ब्रह्मोस की खासियत

ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस ने साथ मिलकर विकसित की है। यह दुनिया की सबसे तेज ऑपरेशनल सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जो 2.8 से 3 मैक स्पीड (ध्वनि की गति से तीन गुना) से उड़ सकती है। इसकी खासियत यह है कि इसे जमीन, समुद्र और हवा तीनों प्लेटफॉर्म से लॉन्च किया जा सकता है। ब्रह्मोस दुश्मन के जहाजों, किलों और महत्वपूर्ण ठिकानों को सटीकता से नष्ट करने में सक्षम है। इसकी रेंज 290 से 450 किलोमीटर तक है और भविष्य में इसे और बढ़ाने की योजना है। अगर यूएई के साथ डील होती है तो यह भारत के लिए ब्रह्मोस का पहला बड़ा खाड़ी देश निर्यात होगा। हालांकि क्योंकि यह संयुक्त विकास है, इसलिए निर्यात के लिए रूस की मंजूरी जरूरी होगी।

आकाशतीर है स्वदेशी एयर डिफेंस का आधुनिक कमांड सिस्टम

आकाशतीर भारत का स्वदेशी एयर डिफेंस कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम है। यह दुश्मन के विमानों, मिसाइलों और ड्रोनों पर नजर रखने, उन्हें ट्रैक करने और उन्हें नष्ट करने के लिए विभिन्न हथियारों को एक साथ ज्वाइंट करता है। यह सिस्टम रडार, सेंसर और कम्युनिकेशन नेटवर्क को जोड़कर रीयल-टाइम जानकारी देता है। आकाशतीर नेटवर्क सेंट्रीक वॉरफेयर का हिस्सा है, जिसमें एक सिस्टम पूरे क्षेत्र की सुरक्षा को नियंत्रित करता है। यूएई की दिलचस्पी इस सिस्टम में इसलिए है क्योंकि यह आधुनिक खतरों जैसे ड्रोन स्वार्म और क्रूज मिसाइल हमलों से निपटने में बेहद प्रभावी है।

एक्स-शोरूम कीमत ₹75,300~
INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply
इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक
HDFC BANK | SBI card क्रेडिट कार्ड Powered by pine labs

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. 'Based on internal testing of 110cc scooters and on the testing report of govt Certified agency. *T&C apply. ~Ex-Showroom Price of Destini 110 VX in Chhattisgarh. ^T&C apply.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलरः बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो, 9289922706, अंबिकापुरः आनंद हीरो, 9289922359, सरगुजा हीरो, 9289923110, कोरबाः शांति हीरो, 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो, 9289923057, रायगढ़ः गोयल हीरो, 9289922373, आदित्य हीरो, 9289923091, जांजगीरः आनंद हीरो, 9289922772, बैकुंठपुरः आर.के. हीरो, 9289922812, जशपुरः आकाश हीरो, 9289922909, एसोशिएट डीलरः खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415, चौराः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सरियाः अग्रवाल ऑटो सेण्टर, 9993121909, गौरेलाः श्री माँ नर्मदा मोटर्स, 7587796622/7587796611, सनावलः सोनी ऑटोमोबाइल्स, 9479235816, रतनपुरः माँ महामाया मोटर्स, 9754240437/8839972027, बलोदाः श्री कमला ऑटो, 9926515216, मरवाहीः राहुल ऑटोमोबाइल्स, 8889467369/8719087320, मुगेलीः महावीर, 9993855199, मनेन्द्रगढ़ः विवेक ट्रेडर्स, 6261178785, कटघोराः श्री शारदा एंटरप्राइज, 9809809925, शिवरीनारायणः सुल्तानिया ऑटो केयर, 9407600319, सक्तीः गोयल ऑटो, 9303571001/7000490324, खरसियाः विजय ऑटो एजेंसी, 9993093829, सीतापुरः श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांवः ज्योति ऑटो, 9406399000, सारंगढ़ः गोपाल ऑटो सेंटर, 9827893203, सूरजपुरः आशा ऑटोमोबाईल्स, 9826440096, अकलतराः श्री ऑटो, 9424174274, कोटाः उर्मिला मोटर्स, 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्स, 6268000180/8718888789, रामानुजगंजः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 8827674000, बाराद्वारः दुर्गा ऑटो एजेंसी, 8319982160, उदयपुरः बंसत ऑटोमोबाईल्स, 9406022927, तपकराः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, प्रतापपुरः तायल ऑटोमोबाईल्स, 9617218005, पटनाः आयुश ऑटोमोबाईल्स, 8839141926, पालीः आनंद ऑटोमोबाईल्स, 7089519999, राजपुरः महामाया एजेंसी, 9516209272/9340726288, मदनपुरः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपतः मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, महापालीः साहू ऑटोमोबाईल्स, 7746028455, लखनपुरः पीएन ऑटोमोबाइल्स, 8839193005, बटौलीः इक्छा ऑटोमोबाइल्स, 8770232677, कुसमीः बोल्बम ऑटो, 8120191597, विश्रामपुरः खुशी ऑटोमोबाइल, 9826775718, झरगांवः ऐबानी मोटर्स, 7849000000, रामानुजनगरः जयसवाल ऑटो, 9926015773, बलंगीः नमो ऑटोमोबाइल्स, 9977876863, भैयाथानः आनंद ऑटोमोबाइल्स, 9977221111, प्रेमनगरः मानस ऑटोमोबाइल्स, 9131301594, लोरमीः महेश मोटर्स, 7974700929, खैरागढ़ः पुष्पक बिक्री, 9425554343, भानपुरीः अपराशा ऑटोमोबाइल्स, 9981009491, ऐडिशनल वर्कशॉपः अम्बिकापुरः आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज, 7771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करेंः अधिकृत स्टॉकिस्टः ओरियन ऑटोव्हील्स, 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कस्ः उरगाः बालाजी सर्विस स्टेशन, 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः बिलासपुर (सकरी): सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पाः आनंद हीरो, 7909901444, कोरबाः शांति हीरो, 7440299000, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुरः सत्या हीरो, 9289922464, खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415.

RS/Hero/12/25

खबर संक्षेप

अकासा एयर के बेड़े में शामिल हुआ 39वां विमान

नई दिल्ली। अकासा एयर ने बोइंग 737 मैक्स को अपने बेड़े में 39वें विमान के रूप में शामिल कर लिया है। एयरलाइन लगभग चार वर्ष से परिचालन कर रही है और इसने वर्ष 2026 में अब तक अपने बेड़े में आठ नए विमान जोड़े हैं। वीटी-वाईबीपी पंजीकरण संख्या वाला बोइंग 737 मैक्स 8-200 विमान सोमवार को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचा। अकासा एयर ने बोइंग 737 मैक्स विमान के 226 ऑर्डर दिए है।

अदाणी मुंद्रा हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ान सेवाएं शुरू

मुंद्रा (गुजरात)। अदाणी मुंद्रा हवाई अड्डे से मंगलवार को गोवा से पहली उड़ान के आगमन के साथ वाणिज्यिक संचालन शुरू हो गया। अदाणी समूह ने बयान में कहा कि

स्टार एयर के साथ रणनीतिक साझेदारी में शुरू की गई यह हवाई सेवा कच्छ क्षेत्र की आर्थिक संभावनाओं को नई गति देगी। इसे एक पूर्णतः एकीकृत बहु-माध्यम लॉजिस्टिक्स और व्यापारिक केंद्र में बदलने में मदद करेगी। स्टार एयर द्वारा मंगलवार से शुरू की गई आठ नई हवाई सेवाएं व्यापार, वाणिज्य, लॉजिस्टिक्स व पर्यटन के लिए यात्रा समय को कम करते हुए एक तेज संपर्क गलियारा तैयार करेंगी।

स्क्वायर यार्ड्स ने जुटाए 900 करोड़ रुपए, बनी 'यूनिकॉर्न'

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की सलाहकार कंपनी स्क्वायर यार्ड्स ने कारोबार विस्तार और कर्ज चुकाने के लिए निवेशकों से 900 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने 900 करोड़ रुपये ऋण और इक्विटी के जरिये जुटाए हैं। निवेश का नेतृत्व ईएएए अल्टरनेटिव्स ने किया, जबकि वैश्विक कॉरपोरेट ऋण प्रबंधक म्यूजिनिक एंड को. ने भी इसमें भागीदारी की। स्क्वायर यार्ड्स ने कहा कि यह इक्विटी कोष उसके पिछले दौर की तुलना में ज्यादा मूल्यांकन पर जुटाया गया।

डीपी वर्ल्ड ने मई में सर्वाधिक मासिक माल ढुलाई दर्ज की

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक्स कंपनी डीपी वर्ल्ड ने कोचीन स्थित उसके इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल (आईसीटीटी) से मई में अब

तक की सर्वाधिक मासिक 77,637 टीईयू माल ढुलाई दर्ज की है। कंपनी ने बयान में कहा कि मई 2026 तक वैश्विक चुनौतियों के बावजूद टर्मिनल के माल ढुलाई प्रबंधन में सालाना आधार पर चार प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि उच्च पुनःलदान मात्रा से समर्थित रही। इसमें अन्य बंदरगाहों से यहां भेजा गया माल भी शामिल है।

रुपया 11 पैसे टूटकर 94.74 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया मंगलवार को 11 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.74 (अस्थायी) पर रहा। डॉलर के मजबूत होने और घरेलू बाजार के कमजोर रहने से रुपये पर

दबाव है। हालांकि, वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में नरमी रही, जिससे रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.73 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.63 से 94.92 के स्तर तक पहुंचा और अंत में 94.74 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले भाव से 11 पैसे की गिरावट है।

देश की दवा आपूर्ति श्रृंखला चीनी आयात पर बहुत अधिक निर्भर

नीति आयोग ने जारी तिमाही रिपोर्ट में किया खुलासा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

नीति आयोग ने मंगलवार को कहा कि भारत की औषधि आपूर्ति श्रृंखला जरूरी रसायन यानी कच्चे माल (एपीआई) और मुख्य शुरुआती सामग्री के लिए चीन से होने वाले आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। आयोग ने व्यापार पर जारी तिमाही रिपोर्ट में यह भी कहा कि पर्यावरण से जुड़े नियमों का पालन करने की बढ़ती जरूरतों के कारण भारत में विनिर्माण और अनुसंधान एवं विकास की लागत काफी बढ़ गई है। लाहिड़ी ने कहा, ''नीति आयोग ने पाया है कि भले ही हम औषधि क्षेत्र में मात्रा के मामले में अच्छा कर रहे हैं, लेकिन हमें मूल्य श्रृंखला में ऊपर जाने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि

प्रमुख रसायन का आयात चीन पर निर्भर

रिपोर्ट में कहा गया, ''भारत की औषधि आपूर्ति श्रृंखला प्रमुख रसायन, मुख्य शुरुआती सामग्री और अन्य जरूरी उत्पादों के लिए चीन से होने वाले आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। इन वस्तुओं के आयात में चीन की 65 प्रतिशत हिस्सेदारी है।'' इसमें कहा गया है कि कमजोर नवोन्मेष और वाणिज्यिक परिवेश ने नवोन्मेषकों और लंबे समय के निवेश के लिए अनिश्चितता पैदा कर दी है। इसमें अधिक मूल्य वाले औषधि खंड में विविधता लाने पर जोर दिया गया।

भारत को दुनिया का दवाखाना माना जाता है

रिपोर्ट में पेटेंट वाणिज्यिकरण, अनुसंधान सहयोग और स्टार्टअप इनक्यूबेशन को तेजी देने के लिए नियामकीय पारदर्शिता बढ़ाने और उद्योग और शिक्षा क्षेत्र के बीच मजबूत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की भी बात कही गई है। रिपोर्ट जारी करते हुए नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने कहा कि भारत को दुनिया का दवाखाना माना जाता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की कुछ साख है और उन्हें कोई कारण नहीं दिखता कि अगर भारतीय औषधि कंपनियां अच्छी गुणवत्ता और सही कीमत वाले ब्रांडेड उत्पाद लाती हैं, तो वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़ी जगह क्यों नहीं बना सकतीं।

भारत जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता

भारत सस्ती जेनेरिक दवाओं (मात्रा के हिसाब से) का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता है, जो अफ्रीका की लगभग 50 प्रतिशत, अमेरिका की 40 प्रतिशत और ब्रिटेन की 25 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की जरूरतें पूरी करता है। बीते वर्ष वैश्विक औषधि बाजार की मांग 1,300 अरब डॉलर थी।

नाफेड की चार पहल की शुरुआत कार्यक्रम में शाह बोले

दलहन-तिलहन सीधे किसानों से खरीदें नाफेड एनसीसीएफ, बिचौलियों की भूमिका हो समाप्त

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) को दालों एवं तिलहनों की खरीद सीधे किसानों से करने का निर्देश दिया, ताकि बिचौलियों की भूमिका खत्म हो और इन वस्तुओं के आयात पर देश की निर्भरता घटाई जा सके।

आयात पर देश की निर्भरता घटाई जा सके

नाफेड की चार पहल की शुरुआत के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शाह ने कहा कि हाल के वर्षों में दालों एवं तिलहनों का उत्पादन बढ़ा है लेकिन न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ किसानों तक पूरा तरह नहीं पहुंच पाने के कारण आत्मनिर्भरता हासिल नहीं हो सकी है।

एमएसपी का लाभ किसानों तक पूरी तरह नहीं पहुंच रहा

किसान सीधे सहकारी संस्थानों को उपज बेच सकेंगे

शाह ने कहा, ''खरीद में बिचौलियों की भूमिका खत्म करने की जरूरत है। अब समय आ गया है कि नाफेड और एनसीसीएफ सीधे किसानों से दाल और तिलहन खरीदें, ताकि लाभ सीधे किसानों को मिल सके।'' शाह ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दो साल की समयसीमा तय करते हुए कहा कि इस अवधि में किसान सीधे इन सहकारी संस्थाओं को अपनी उपज बेच सकेंगे और उन्हें किसी बिचौलिये के बगैर भुगतान मिलेगा।

घरेलू कमी को पूरा करने दाल व खाद्य तेलों का आयात

भारत हर साल अपनी घरेलू कमी को पूरा करने के लिए लगभग 60-70 लाख टन दाल और 1.5-1.6 करोड़ टन खाद्य तेलों का आयात करता है। शाह ने नाफेड की वित्तीय स्थिति में सुधार की सराहना करते हुए कहा कि वर्ष 2013 में यह सहकारी संस्था गंभीर संकट में थी और इसे बचाने के लिए सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा था।

नाफेड की पहुंच 76 लाख किसानों तक

नाफेड का वार्षिक कारोबार 500 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 30,000 करोड़ रुपये हो गया और इसकी पहुंच 76 लाख किसानों तक हो चुकी है। शाह ने नाफेड को अब 50,000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य रखने को कहा।

चार पहल में 'नाफेक्स डॉट इन' शामिल

इस अवसर पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी दालों और तिलहनों में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि सरकार पहले से ही तीन प्रकार की दालों की खरीद लाभकारी कीमतों पर कर रही है। नाफेड की तरफ से शुरू चार पहल में डिजिटल नीलामी मंच 'नाफेक्स डॉट इन' भी शामिल है, जो दालों एवं तिलहनों की पारदर्शी नीलामी सुनिश्चित करेगा।

किसानों के बच्चों के लिए नाफेड कल्याण कोष

चौथी पहल 'नाफेड कल्याण कोष' है, जिसे किसानों के बच्चों के करियर समर्थन के लिए बनाया गया है। नाफेड के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल ने कहा कि ये तीनों प्रौद्योगिकी मंच आपस में जुड़े हुए हैं और इससे पारदर्शिता एवं प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में वीआईटी की बड़ी छलांग

वेल्लोर। वेल्लोर। देश के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल वीआईटी (वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) ने प्रतिष्ठित क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए वैश्विक स्तर पर 597वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्ष की रैंकिंग के मुकाबले 94 स्थानों की प्रभावशाली बढ़त दर्ज की है। पहले वीआईटी 691वें स्थान पर था।

वैश्विक उच्च शिक्षा विश्लेषण संस्था क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा जारी इस रैंकिंग में दुनिया भर के 1,500 से अधिक विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन किया गया। संस्थानों का आकलन रिसर्च एवं डिस्कवरी, लर्निंग एक्सपीरियंस, रोजगार क्षमता, अंतरराष्ट्रीय सहभागिता और सस्टेनेबिलिटी जैसे प्रमुख मानकों के आधार पर किया गया। इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए वीआईटी के चांसलर डॉ. जी. विश्वनाथन ने कहा कि अत्यंत प्रतिस्पर्धी वैश्विक माहौल में रैंकिंग में यह सुधार विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि सस्टेनेबिलिटी श्रेणी में भी वीआईटी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्व स्तर पर 352वां तथा भारत में 7वां स्थान हासिल किया है। इसके अलावा, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग बाय सब्जेक्ट 2026 में इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी क्षेत्र में वीआईटी को वैश्विक स्तर पर 119वां और भारतीय संस्थानों में छठा स्थान प्राप्त हुआ।

सेंसेक्स 893 और निफ्टी 279 अंक लुढ़का

आईटी, धातु शेयरों में बिकवाली से घरेलू बाजार में बड़ी गिरावट

एजेंसी ▸▸ मुंबई

वैश्विक बाजारों में कमजोरी और आईटी एवं धातु कंपनियों के शेयरों में बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को खासी गिरावट आई। सेंसेक्स 893 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी में 279 अंक की गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने भी घरेलू बाजार पर दबाव बनाने का काम किया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 893.39 अंक टूटकर 76,200.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,011.56 अंक तक गिरकर 76,082.51 अंक के निचले स्तर पर आ गया था। इसी तरहनिफ्टी 278.80 अंक गिरकर 23,824.10 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले सेंसेक्स और निफ्टी में 11 जून से छह कारोबारी सत्रों के दौरान चार प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी देखी जा चुकी थी। सेंसेक्स की कंपनियों में इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक और भारतीय स्टेट बैंक भी नुकसान में रहे।

■ विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने भी दबाव बनाया

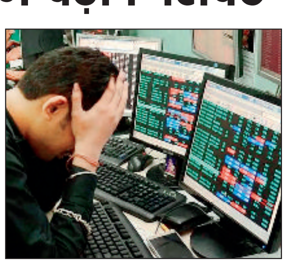

मुनाफावसूली हावी होने से बाजार नीचे आया

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''नकारात्मक वैश्विक संकेतों और निवेशकों के सतर्क रुख के कारण घरेलू बाजार शुरुआती बढ़त को कायम नहीं रख पाए और ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली हावी होने से काफी नीचे आ गए।

एआई आईटी कंपनियों की जगह नहीं लेगा: नीलेकणी

नई दिल्ली। इन्फोसिस के सह-संस्थापक एवं चेयरमैन नंदन नीलेकणी ने मंगलवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) आईटी कंपनियों की जगह नहीं लेगा, बल्कि उन्हें और अधिक सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी 2030 तक 400 अरब डॉलर के एआई-प्रथम सेवाओं के बड़े अवसर का लाभ उठाने के लिए तैयार है।

कंपनी की 45वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए नीलेकणी ने तेजी से हो रहे प्रौद्योगिकी बदलावों के कारण आईटी उद्योग के सामने मौजूद ''अस्तित्व से जुड़े सवाल'' पर चर्चा की।

कंपनी ने अगस्त, 2022 में परिचालन शुरू किया था

अकासा एयर की चार साल के भीतर अपना आईपीओ लाने की योजना

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

एयरलाइन कंपनी आकासा एयर के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) अंकुर गोयल ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन अगले दो से चार साल में अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना बना रही है, जो इसके विभिन्न लक्ष्यों पर निर्भर करेगा। सीएफओ ने कहा कि एयरलाइन का आईपीओ आएगा या नहीं यह कोई सवाल ही नहीं है, क्योंकि यह तय है और सवाल बस यह है कि आईपीओ आएगा कब तक। कंपनी ने अगस्त, 2022 में परिचालन शुरू किया था, जिसके बाद से यह धीरे-धीरे अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। वर्तमान में एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय शहरों के साथ ही कुल 34 गंतव्यों के लिए सेवाएं दे रहीं है।

इस एयरलाइन के पास अभी 39 विमानों का बेड़ा है और 2032 तक इसका लक्ष्य अपने बेड़े में 226 विमानों को शामिल करना है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में गोयल ने कहा कि आईपीओ की समय-सीमा विभिन्न कारोबारी लक्ष्यों की प्राप्ति पर निर्भर करेगी। इनमें कंपनी की कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) के स्तर पर लाभ में आना, नकदी प्रवाह को मजबूत करना और समग्र लाभप्रदता हासिल करना शामिल है। सीएफओ ने

कहा, ''आईपीओ लाना तय है, यह आएगा या नहीं ये सवाल ही नहीं बनता। सवाल यह बनता है कि यह कब तक आएगा, एयरलान सिर्फ आईपीओ लाने के लिए नहीं बनी हैं, बल्कि हमारा मकसद ऐसी कंपनी लाना है जिसका वास्तव में कोई मूल्य हो..।'' घाटा झेल रही एयरलाइन का सितंबर, 2025 से मार्च, 2026 की अवधि में ईबीआईटीडीए सकारात्मक रहा है।

इस साल नुकसान कम रहा

गोयल ने कहा, ''इस साल हमारा नुकसान पिछले साल के मुकाबले कम रहा है, जो यह बताता है कि आय, प्रति इकाई आय, प्रति इकाई लागत, आईबीआईआईटीडीए या नकदी खपत हो सभी हमारी उम्मीद के मुताबिक बेहतर हो रहे हैं।'' गोयल ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में कंपनी की क्षमता में लगभग 30 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य है। अगले चार से पांच वर्षों में क्षमता वृद्धि 30 से 40 प्रतिशत के दायरे में रहने की उम्मीद है।

वोडाफोन आइडिया ने बिडला समूह से 1182 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। कर्ज से जूझ रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने प्रवर्तक आदित्य बिड़ला समूह से वॉरंट जारी कर 1,182 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि निदेशक मंडल ने सोमवार को 11 रुपये प्रति वॉरंट के भाव पर 430 करोड़ वॉरंट आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी सूर्याजा इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित करने को मंजूरी दी। इस प्रस्ताव के तहत कंपनी को निर्गम मूल्य का 25 प्रतिशत यानी 2.75 रुपये प्रति वॉरंट के भाव से 1,182.50 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। प्रत्येक वॉरंट को 18 महीने के भीतर एक पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर में बदला जा सकेगा, जिसके लिए बाकी 75 प्रतिशत राशि का भुगतान करना होगा।

डॉलर में तेजी से सोना 3,000 और चांदी 10,500 रुपए टूटी

सोना टूटकर 1.49 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया चांदी गिरकर 2,35,000 रुपए प्रति किलो हुई

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतें 3,000 रुपये टूटकर 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं, जबकि चांदी 10,500 रुपये लुढ़ककर दो महीने से ज्यादा के निचले स्तर पर आ गई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 3,000 रुपये या दो प्रतिशत घटकर 1,49,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई। सोना आखिरी बार 27 मार्च को इस स्तर के आसपास रहा था, जब इसकी कीमत 1,47,800 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। चांदी पर भी बिकवाली का असर पड़ा और यह 10,500 रुपये या 4.3 प्रतिशत टूटकर 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई, जो दो महीने से ज्यादा समय में इसका सबसे निचला स्तर है। चांदी तीन अप्रैल को 2,37,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, ''मंगलवार को घरेलू बाजारों में सोने की कीमतें कम रहीं क्योंकि मजबूत डॉलर और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीदों को कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है।'' कोटक सिक्योरिटीज में जिंस शोध की एवीपी, कायनात चैनवाला ने कहा, ''सोमवार को कीमती धातुओं में थोड़ी बढ़त देखी गई थी।

वैश्विक बाजार में सोना दो फीसदी टूटा

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 70.33 डॉलर या लगभग दो प्रतिशत टूटकर 4,121.10 डॉलर प्रति औंस रह गया, जबकि चांदी चार प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 62.27 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। विश्लेषकों ने कहा कि मजबूत डॉलर कीमती धातुओं के लिए मुख्य बाधा बनकर उभरा है।

एक्सपीरियन ने उपभोक्ता रुझान पर की रिपोर्ट जारी

स्वर्ण ऋण बाजार में सार्वजनिक बैंकों की हिस्सेदारी घटी

निजी बैंक-एनबीएफसी अपनी पकड़ मजबूत करती जा रही

एजेंसी ▸▸ मुंबई

सोने के बदले कर्ज (स्वर्ण ऋण) के बाजार में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का वर्चस्व धीरे-धीरे घट रहा है, जबकि निजी बैंक एवं गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) अपनी पकड़ मजबूत करती जा रही हैं। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

क्रेडिट डेटा विश्लेषक फर्म एक्सपीरियन की 'स्वर्ण ऋण बाजार के विकास एवं उपभोक्ता रुझान' शीर्षक से जारी रिपोर्ट कहती है कि बेहतर वितरण नेटवर्क, तेज ऋण स्वीकृति और ग्राहकों की बदलती पसंद स्वर्ण ऋण के कारोबार में आए इस बदलाव के प्रमुख कारण हैं।

पीएसयू बैंकों की हिस्सेदारी घटकर 37 फीसदी

रिपोर्ट के अनुसार, स्वर्ण ऋण स्रोत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी मार्च तिमाही 2025-26 में घटकर 37 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 45 प्रतिशत और जुलाई-सितंबर तिमाही 2025-26 में 53 प्रतिशत थी। इसके विपरीत, एनबीएफसी की इस ऋण बाजार में हिस्सेदारी बढ़कर मार्च तिमाही में 44 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 33 प्रतिशत और सितंबर तिमाही 2024 में 22 प्रतिशत थी।

पीएसयू बैंकों की हिस्सेदारी 88 फीसदी रही

मार्च तिमाही में इस खंड में उनकी हिस्सेदारी लगभग 88 प्रतिशत रही, लेकिन सालाना आधार पर इसमें दो प्रतिशत की गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2025-26 में उनके कुल स्वर्ण ऋण स्रोत में पीएसएल का योगदान करीब 42 प्रतिशत रहा।

ग्रामीण क्षेत्रों में गहरी पहुंच

रिपोर्ट के मुताबिक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अपने व्यापक शाखा नेटवर्क और ग्रामीण क्षेत्रों में गहरी पहुंच के कारण इस खंड में अग्रणी बने हुए हैं, जबकि निजी बैंक एवं छोटे वित्त बैंक भी कम जोखिम और बेहतर प्रतिफल वाली सुरक्षित खुदरा ऋण परिसंपत्तियों की ओर रुख कर रहे हैं।

नए ग्राहक जुड़ने से बल मिल रहा

रिपोर्ट के अनुसार, पीएसजीएल अब ऋणदाताओं के लिए एक स्थिर, विस्तार योग्य और नियामकीय रूप से अनुकूल वृद्धि अवसर के रूप में उभर रहा है। ग्रामीण, कस्बा और कम सेवा प्राप्त क्षेत्रों से नए ग्राहकों के जुड़ने से इस खंड में वृद्धि को बल मिल रहा है, जिससे वित्तीय समावेशन की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं।

रात 2 बजे 9 ग्रामीण बतरा बांध में गए थे नाव से मछली पकड़ने

मछली पकड़ने के दौरान बांध में पलटी नाव, तीन ग्रामीण डूबे, दो का शव बरामद

हरिभूमि न्यूज : बिश्रामपुर

करंजी पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम बतरा स्थित सिंचाई बांध में दो नाव से मछली पकड़ने पहुंचे ग्रामीणों की नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में 6 ग्रामीण तैरकर बाहर निकल गए जबकि शेष 3 ग्रामीण बांध में डूब गए। सूचना पर करंजी पुलिस एवं डीडीआरएफ की टीम ने मंगलवार को लापता लोगों को तलाशने पूरे दिन रेस्क्यू अभियान चलाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बतरा बांध में मछली पालन का ठेका ग्रामीणों की सहकारी समिति को प्रदान की गई है। बरसात को देखते हुए प्रशासन द्वारा मछली पकड़ने पर रोक लगा दी गई है। समिति पूर्व में भी बांध की मछली पकड़ने के लिए ग्रामीणों को बुलाती थी। भैयाथान सहित आसपास के 9 ग्रामीण बीती रात 2 बजे नाव लेकर बांध में मछली पकड़ने पहुंचे थे। माना जा रहा है कि प्रशासनिक रोक के बावजूद समिति द्वारा ग्रामीणों को रात में मछली पकड़ने के लिए बुलाया गया था ताकि प्रशासन को इसकी सूचना नहीं मिल सके। बांध में मछली पकड़ने के लिए जाल डालने के बाद दोनो नाव पर सवार ग्रामीण उसे खींच रहे थे। एक नाव पर 5 जबकि दूसरी नाव पर 4 ग्रामीण सवार थे। जाल खींचने के दौरान दबाव बढ़ने से दोनों नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दौरान मछली पकड़ रहे लालजी, विजय प्रसाद, वेद कुमार, कामेश्वर, होल्डर एवं राजकुमार तो तैरकर बाहर निकल गए लेकिन ग्राम राई निवासी समयलाल, जगलाल एवं ग्राम ऊंचडीह निवासी कवलसाय डूब गए। इस दौरान घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें बांध में डूबते हुए देखा भी लेकिन गहरा पानी होने के कारण उन्हें बचाने की हिम्मत नहीं जुटाई। सुबह परिजन पुलिस को सूचना देने के साथ ही घटनास्थल पर पहुंचे। करंजी पुलिस ने स्थिति से डीडीआरएफ को अवगत कराया। पुलिस एवं डीडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची तथा रेस्क्यू अभियान प्रारंभ किया।

दो के मिले शव

कड़ी मशक्कत के बाद डीडीआरएफ की टीम ने पहले समय लाल पिता कवल साय (46वर्ष) का शव निकाला। कुछ देर बार जगलाल पिता सूख पैकरा (45वर्ष) का शव बरामद हुआ। अभी ऊंचडीह निवासी कंवल साय पिता पूवपूजन (50वर्ष) की कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। डीडीआरएफ की टीम लापता कंवलसाय को तलाश रही है।

एक अप्रैल से प्रारंभ होगा नवीन शैक्षणिक सत्र, ऑनलाइन डेटा नहीं होने पर अगले माह से कटेगा वेतन

रायपुर। प्रदेश में अगले वर्ष से शैक्षणिक सत्र की शुरुआत एक अप्रैल से होगी। मंगलवार को हुई विभागीय समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया है। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सभी संभागों के संयुक्त संचालक सहित प्रदेशभर के जिला शिक्षा अधिकारी शामिल हुए। वर्तमान में नवीन सत्र की शुरुआत 16 जून से होती है। इसके स्थान पर एक अप्रैल से ही नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत की जाएगी। एक माह कक्षाएं संचालित किए जाने के बाद एक मई से छात्रों को ग्रीष्मकालीन अवकाश प्रदान किया जाएगा। अप्रैल माह में ही छात्रों को गणवेश और पाठ्य पुस्तक का वितरण कर दिया जाएगा। सभी विषयों की पढ़ाई प्रारंभ अप्रैल माह में प्रारंभ किए जाने के साथ ही छात्रों को ग्रीष्मकाल के लिए गृहकार्य भी प्रदान किया जाएगा, जिससे सिलेबस तय वक्त पर पूर्ण हो सकेगा और छात्रों के प्रदर्शन में भी सुधार होगा।

DAV APPOINTMENT
DAV MUKHYAMANTRI PUBLIC SCHOOL GOBRIPAT (KOTA), DIST. BILASPUR (C.G.)
(Managed by DAV College Managing Committee New Delhi)

Invites Applications for the following Posts: Latest by 26 June 2026.
1. PRT: SST, MATHS, COMPUTER 2. TGT: SCIENCE
3. PGT: ENGLISH, COMPUTER
Minimum Eligibility: PRT: Graduation in concerned subject, **CTET/ CGTET & B. Ed/D.El. Ed.** with 50% marks.
TGT: Graduation/PG in concerned subject, **CTET/ CGTET & B. Ed,** with 50% marks. **PGT:** Post Graduation in concerned subject & B. Ed with 50% marks. **Age as on 01/04/2026 : PRT /TGT: 35 years & PGT: 40 Years.** Interested candidates are required to submit their updated Resume / Bio Data on school **E-mail ID: davmpskota@gmail.com** or directly in school office. School **Contact No. is 7694879285.**
Eligible Candidates will be called for the Written Test/Demo & Interview.
Note: Selected & Employed teachers in any DAV schools in Chhattisgarh need not apply. **PRINCIPAL**

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड
सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018
फोन-0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/मंडी भाटापारा / 13-05/2026-27/1890 रायपुर, दिनांक 22/06/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in

कृषि उपज मंडी समिति भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा क्षेत्रांतर्गत छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारो से प्रपत्र "अ" प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि :- 15.07.2026 **फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि :- 22.07.2026**

क्र.	कार्य का नाम/ स्थल	अनुमानित लागत (लाख में)	एस.ओ.आर. विवरण
1	वि.ख. सिमगा के ग्राम पंचायत मर्राकोना में मावली माता मंदिर से हिंगलाज तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	16.45	लो.नि.वि. सड़क कार्य दिनांक 01.01.2025 से प्रभावशील एस.ओ.आर.पर।
2	वि.ख. सिमगा के ग्राम पंचायत मर्राकोना में मावली माता मंदिर से ओंगरा (नाला) तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	16.07	

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्ते, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखे जा सकते है।

सही/- सचिव कृषि उपज मंडी समिति भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा
सही/- भारसाधक अधिकारी कृषि उपज मंडी समिति भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा
संवाद- 48250

डायल 112 के आरक्षक व चालक पर हमला करने वाले 8 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज : सूरजपुर

सड़क दुर्घटना में घायलों को लेने गई डायल 112 की टीम पर जानलेवा हमला करने और आरक्षक व चालक के साथ मारपीट करने के मामले में आखिरकार पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में कुल आठ आरोपियों को पकड़ा। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों का जुलूस निकाल और पैदल नगर भ्रमण के बाद न्यायालय में पेश किया जिसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

बता दें कि 19 जून की रात 11 बजे प्रतापपुर-सेमरसोत रोड पर ग्राम खजुरी में सड़क दुर्घटना की सूचना डायल 112 की टीम को मिली थी। इस घटना में बाइक सवार चार युवक सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गए थे जिससे उनमें से तीन की मौत हो गई थी जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुआ था। घटना की सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम ने सड़क पर पड़े दो लोगों को पहले अस्पताल पहुंचाया गया था लेकिन जब डायल 112 में पदस्थ आरक्षक निशांत टोप्पो और चालक विजय कुमार पटेल पुनः दो अन्य घायलों को लेने पहुंचे तो ग्राम खजुरी रामपुर मुख्यमार्ग पर मौजूद आठ लोगों ने उन्हें घेर लिया और देर से आने का आरोप लगाकर विवाद शुरू कर दिया। इस दौरान आरक्षक ने उन्हें बताया भी कि इससे पहले उन्होंने दो अन्य घायलों को अस्पताल पहुंचाया लेकिन वे नहीं माने और उन्होंने आरक्षक निशांत टोप्पो आ.पी टोप्पो व चालक विजय कुमार पटेल पर हमला कर लिया।

आरोपियों ने आरक्षक निशांत टोप्पो की वर्दी फाड़ दी और उसके छाती पर बैठकर बेरहमी से पीटा जबकि विजय कुमार पटेल को जमकर पीटा। आरोपियों ने दोनों के साथ लात-मुक्कों से मारपीट की। इस घटना का वीडियो बन गया। वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद हडकंप मच गया। आरक्षक की शिकायत पर प्रतापपुर पुलिस द्वारा बीएनएस की धारा धारा 296, 115(2), 221, 132, 121(1), 191(2), 190 के तहत अपराध दर्ज किया था और आरोपियों की तलाश की जा रही थी।

खनिज विभाग के सैनिक से रेत माफिया ने की मारपीट, जब्त टीपर लूटकर भागे

हरिभूमि न्यूज : अम्बिकापुर

सरगुजा में रेत माफियाओं के हौसले इस कदर बुलंद है कि वे अब खनिज विभाग की टीम पर ही हमला कर रहे है। अवैध उत्खनन के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची केन्द्रीय उडनदस्ता टीम के सैनिक पर माफियाओं ने बीच गांधी चौक पर हमला लिया। माफियाओं ने सैनिक के साथ मारपीट करने के साथ ही जान से मारने की धमकी देकर अवैध रेत लोड टीपर वाहन को लेकर फरार हो गये। इस घटना के बाद विभाग के साथ ही जिलेभर में हड़कंप मच गया है। मारपीट में घायल नगर सैनिक ने घटना की शिकायत गांधीनगर पुलिस से की है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन चालक और क्लीनर पिता-पुत्र को गिरफ्तार करने के साथ ही टीपर वाहन को जब्त कर लिया है।

बता दें कि सरगुजा में प्रतिबंध के बाद भी रेत उत्खनन और परिवहन का कार्य जोर-शोर से चल रहा है। एनजीटी के गाइड लाइन के अनुसार 15 अक्टूबर तक रेत उत्खनन पर रोक है। इसके साथ ही हाल ही में कोरिया जिले में कोरिया जिले में रेत माफियाओं के बीच हुए संघर्ष में तीन लोगों की हत्या कर दी है। तीन हत्याओं का मामला अभी शांत नहीं हुआ है। यही वजह है कि सरगुजा में चल रहे अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई करने के लिए रायपुर खनिज शाखा से केन्द्रीय उड़नदस्ता की टीम जिले में पहुंची हुई थी। टीम ने 22 जून को क्षेत्र के अलग अलग घाटों से चार टीपर को जब्त किया था। इन टीपर से रेत का अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था। जब्त किए गए एक रेत लोड टीपर को लेकर रायपुर खनिज शाखा में पदस्थ नगर सैनिक तिल्दा खरोरा महोदी निवासी तारकेश्वर वर्मा आ. रामाधार वर्मा लेकर वाहन के चालक सोनू टोप्पो व खलासी के साथ लेकर कलेक्टोरेट परिसर जा रहा था ताकि जब्त किए गए वाहनों को सुपुर्द किया जा सके। कलेक्टोरेट जाते समय वाहन चालक ने सैनिक को धमकी दी थी कि मालिक उसे मारकर फेक देगा।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, वृत्त-बिलासपुर

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना
वि.क्र.-28

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल वृत्त - बिलासपुर अन्तर्गत संभाग कोरबा में निक्षेप कार्य के तहत (1) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द उतरदा, ब्लॉक पाली, जिला कोरबा में आवासीय भवन का शेष निर्माण कार्य (2) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रंजना, ब्लॉक कटघोरा, जिला कोरबा में आवासीय भवन का शेष निर्माण कार्य (3) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पसान, ब्लॉक पोड़ी उपरोड़ा, जिला कोरबा में आवासीय भवन का शेष निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित विस्तृत विवरण मण्डल वेबसाईट http://cghb.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग कोरबा के मो.नं. 9907285405 पर संपर्क करें

संवाद-48248 उपायुक्त

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

क्रमांक/2434/स्टोर/2026 **ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम निविदा आमंत्रण सूचना** अम्बिकापुर, दिनांक: 19/6/26

राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) की ओर से वाहन स्टैण्ड संचालन के निविदा हेतु फर्मो/अभिकरणों से राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) में वाहन स्टैण्ड संचालन हेतु ऑनलाईन निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी हेतु वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in में देखा जा सकता है।

क्र.	निविदा का नाम	सी.जी.ई. प्रोक्यो. निविदा क्रमांक	ऑनलाईन जमा करने की प्रारंभिक तिथि एवं समय	ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	भौतिक रूप से जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खुलने की तिथि एवं समय
1	शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, अम्बिकापुर में वाहन स्टैण्ड का संचालन	193826	24.06.2026, 10:00 AM	09.07.2026, 02:00 PM	09.07.2026, 03:00 PM	09.07.2026, 04:00 PM

स्थान :- कार्यालय, संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव,
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय,
अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)
जी-262701662/3

आयुष्मान और वय वंदना हितग्राहियों की सूची होगी अपडेट

रायपुर। आयुष्मान और वय वंदना हितग्राहियों की सूची अपडेट करने का काम शुरू किया गया है। आने वाले दिनों में मृत्यु होने और दूसरे राज्य पलायन करने वालों के नाम इस लिस्ट से हटाए जाएंगे। नए लोगों का कार्ड बनाने के साथ पुराने हितग्राहियों की जानकारी शिविरों और सर्वे के माध्यम से जुटाई जा रही है। रायपुर जिले में पांच लाख और पचास हजार तक निशुल्क इलाज वाले आयुष्मान कार्ड बनाने का काम 92 फीसदी तक पूरा हो चुका है, तो 70 साल से अधिक आयु वालों को व्यक्तिगत रूप से 5 लाख तक का निशुल्क इलाज की सुविधा देने वाले वय वंदना कार्ड बनाने लक्ष्य बढ़ा दिया गया है।

निशुल्क उपचार की सुविधा देने के लिए राज्य में शहीद वीरनारायण सिंह एवं प्रधानमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य सहायता योजना का संचालन किया जा रहा है। योजना का लाभ सभी हितग्राहियों को मिले, इसके लिए स्टेट नोडल एजेंसी के अलावा जिला स्तर पर बनाई गई टीम निगरानी कर रही है। जिले में दोनों स्वास्थ्य योजनाओं की सूची अपडेट करने का काम प्रारंभ किया गया है। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार समय के साथ हितग्राहियों की संख्या बढ़ रही है, वहीं पुरानी सूची में काफी लोगों की मृत्यु हो चुकी, इसके अलावा कई लोगों का पलायन हो चुका है। ऐसे लोगों को सूची से हटाने और नए लोगों को कार्ड बनाकर सूची में शामिल करने का काम किया जा रहा है। इसके लिए कलेक्टर डा. गौरव सिंह के निर्देश पर नगरीय निकाय और जनपद पंचायत के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग की टीम डोर टू डोर सर्वे के साथ शिविर लगाकर अपना काम पूरा कर रही है। रायपुर जिले में आयुष्मान कार्ड बनाने का काम 922 फीसदी पूरा किया जा चुका है। वयो वृद्ध के लिए बनाए जाने वाले वय वंदना कार्ड का 60 फीसदी काम पूरा कर लिया गया था, मगर कुछ समय पहले हितग्राहियों की संख्या बढ़ने के आधार पर लक्ष्य को बढ़ा दिया, जिससे सफलता की दर कम हो गई।

कार्यालय जनपद पंचायत जगदलपुर जिला-बस्तर (छ.ग.)

BOT पद्धति से मिनी यूनीपोल स्थापित करने हेतु निविदा आमंत्रण सूचना पत्र

क्रमांक 1962/ज.पं. / 2026 जगदलपुर, दिनांक 22/06/2026

जनपद पंचायत जगदलपुर अन्तर्गत आने वाले ग्राम पंचायत जो मुख्य सडक से जुडे हुए है उन पंचायतों के चौक चौराहों में बी.ओ.टी. आधार पर मिनी यूनीपोल (साईज 15'x9') लगाने हेतु मोहरबंद निविदा पद्धति में 27.07.2026 दोपहर 3:00 बजे तक स्पीड पोस्ट के माध्यम से जनपद पंचायत जगदलपुर में आमंत्रित की जाती है। संपूर्ण जानकारी एवं निविदा फार्म कार्यालयीन दिवस में निविदा शुल्क जमा करके (कार्यालय जनपद पंचायत जगदलपुर के कक्ष कमांक 05 से) प्राप्त की जा सकती है। प्राप्त निविदायें दिनांक 30.07.2026 को संध्या 4.00 बजे तक उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों एवं क्रय समिति के समक्ष खोली जायेगी।

अधिक जानकारी हेतु कार्यालयीन समय पर स्थापना शाखा तथा जिले के वेब साईट https://bastar.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

क्रमांक	कार्य का नाम	अमानती राशि एफ.डी.आर. के रूप में	निविदा फार्म शुल्क
1	बी.ओ.टी.आधार पर मिनी यूनीपोल (साईज 15'x9')	राशि- 10000.00	राशि-5000.00

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जगदलपुर
संवाद- 48243

CAVEAT NOTICE IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT BILASPUR (CHHATTISGARH)

CAVEATOR Nava Raipur Atal Nagar Vikas Pradhikaran, (NRANVP)
VERSUS
NON-CAVEATOR General Public

CAVEAT UNDER SECTION 148-A OF THE CODE OF CIVIL PROCEDURE, 1908 READ WITH RULE 142 OF THE HIGH COURT OF CHHATTISGARH RULES

The caveator most humbly and respectfully begs to submit as infra:
1. That, tenders have been invitedvide NIT No. 01/TPS/EEC5/CE/NRANVP/2026-27 and System Tender No.: 189626, dated 23/04/2026 titled "Selection of Developer for Development of Infrastructure of the Town Development Scheme (TDS) in Layer-II of Nava Raipur Atal Nagar in Lieu of Development Rights/ Selling Rights of Mixed-Use Land". The caveator, through this tender seeks to appoint a developer for Infrastructure Development of a Town Development Scheme (TDS) sanctioned under Section 50 (8) of the Chhattisgarh Nagar Tatha Gram Nivesh Adhiniyam, 1973 published vide Gazette Notification dated 12/01/2026.
2. That, the caveator apprehends that anyone from the general public, may file a writ petition either challenging the tender or the subsequent developments/actions taken in furtherance of the said tender. Therefore, this instant caveat is being preferred so that in case any such writ petition is filed, then the caveator may kindly be afforded an opportunity to represent and defend himself before any order is passed in the said case.

S.- 48242 CEO (NRANVP)

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़, छत्तीसगढ़ (संगीत, नृत्य एवं ललित कलाओं का विश्वविद्यालय)
Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya Khairagarh, Chhattisgarh (University of Music, Dance and Fine Arts)

क्रमांक/1951/इं.क.सं.वि./स्था.वि./2026/ खैरागढ़, दिनांक 22/6/2026

इश्तिहार
सार्वजनिक सूचना/अंतिम अवसर सूचना

छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश एवं छ.ग. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के प्रावधानों के अंतर्गत। एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग में पदस्थ भृत्य श्री भारत लाल ध्रुव पिता श्री पलट राम ध्रुव, निवास ग्राम बोईरझिटी, पोस्ट- तुलसी (मानपुर) वाया हिरमी, तहसील तिल्दा, जिला-रायपुर (छ.ग.) दिनांक 03.12.2021 से निरंतर बिना किसी सूचना एवं अनुमति के कर्तव्य से अनुपस्थित हैं। विभाग द्वारा कारण बताओ नोटिस/अंतिम सूचना उनके अंतिम ज्ञात पते पर प्रेषित की गई, परंतु डाक वापस हो गई। पड़ोसियों से संपर्क करने पर भी उनका वर्तमान पता ज्ञात नहीं हो सका। अत: उक्त कर्मचारी को निर्देशित किया जाता है कि वे इस विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर कुलसचिव कार्यालय, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ में उपस्थित होकर अनुपस्थिति का कारण स्पष्ट करें। अन्यथा उनके विरुद्ध छ.ग. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के तहत सेवा-व्यवधान मानते हुए "दीर्घशास्ती" की विभागीय जांच प्रारंभ कर एकपक्षीय कार्रवाई कर दी जाएगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी।

कुलसचिव इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
संवाद- 48251

District Education Office Dantewada (C.G.)

S.NO/1800/D.E.O/AWMJ/2026, DANTEWADA/ DATE 22/06/2026

Advertisement for the Post of "School Academic Consultant"

Applications are invited for the position of "School Academic Consultant" at Aastha Vidya Mandir, a residential English-medium school located in Jawanga, Dantewada. The selected consultant will provide support to the school in areas such as academic planning, teacher guidance, innovative teaching-learning methodologies, evaluation systems, and overall school transformation initiatives. Interested candidates possessing the requisite academic qualifications and experience in the education sector may submit their updated Bio-data/ CV and a Statement of Purpose to the following email address: Email: education.dantewada@gmail.com. For the detailed advertisement and information regarding eligibility criteria, please visit the official website: www.dantewada.gov.in

The deadline for submitting the resume and statement of purpose is June 30, 2026.

G.- 262701663/3 DISTRICT EDUCATION OFFICER DIST- S.B. DANTEWADA (C.G.)

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited
(A Goverminent of Chhattisgarh Undertaking) (ISO 9001: 2015 Certified)
1st Floor. Udyog Bhawan, Ring Road No. 1. Telibandha. Raipur(C.G.)-492006
CIN:U45203CT1981SG001853, PAN: AABCM6288N, GST Regn. No. 22AABCM6288N5ZY
Phone: 0771-6621000 Fax 0771-2583794
Website: www.csidc.in. Email address:csidc.cg@nic.in. csidc_raipur@yahoo.com

NOTICE INVITING TENDER
(Through e-Procurement Portal Only)

NIT No. 05/CSIDC/E.E./Division-II/2026-27/ **Raipur, Dated: 22/06/2026**

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Ltd., Raipur (CSIDC), a Government of Chhattisgarh Undertaking constituted under the Companies Act, engaged in Industrial Infrastructure Development & Other Related Activities in the State invites online tender for the following work :-

S. No.	Name of work	Registered Contractor in CGPWD or in appropriate class in other dep't	Probable Amount of Contract (PAC) (INR Crore)	Time allowed (including rainy season)	EMD (INR Lacs)	Cost of Tender Document (Including GST 18%
1	"Infrastructure development of Proposed New Industrial area at village Matiya, Block-Kasdol District Baloda bazar Bhatapara (C.G.)"	Class-B	6.92	09 Months	692000/-	11800/-

The tender document containing detailed terms & conditions, scope of works and other details can be downloaded from the web portal (website) https://eproc.cgstate.gov.in from 22/06/2026 Time 17:01 and shall be submitted online only. Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.
NOTE: The interested tenderers for online submission of tender may contact CG e-Proc Helpdesk. Operated by Mjunction Services Limited, they may reach Helpdesk using 18004199140 (therein press 2 for CG e-Proc) or you can email them at **Helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**

S.-48246 Executive Engineer, Division-II

DIRECTORATE OF TECHNICAL EDUCATION, CHHATTISGARH
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़
विभागाध्यक्ष भवन, ब्लाक-3, तृतीय/चतुर्थ तल, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर, जिला-रायपुर Phone: 0771-2221376, https://dte.cg.gov.in/#/, Email-cgdtecounselling@gmail.com

सत्र 2026-27 में तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन कॉउंसिलिंग की सूचना

छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश ऑनलाइन कॉउंसिलिंग द्वारा होगा। इस हेतु अभ्यर्थी का वेब साइट https://dte.cg.gov.in/#/ एवं https://cgdte.admissions.nic.in/ पर उपलब्ध कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग, की अधिसूचना क्रमांक/एफ-9-5/2023/तक.शि./42 अटल नगर, दिनांक 11 मई 2023 में प्रकाशित निम्न प्रवेश नियम के अनुसार अर्हता होना अनिवार्य है।

छत्तीसगढ़ की संस्थाओं के बैचलर ऑफ़ टेक्नोलॉजी (बी.टेक.) पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश नियम-2023 ऑनलाइन कॉउंसिलिंग की प्रवेश प्रक्रिया का अवलोकन भी उपरोक्त वेब साइट के माध्यम से किया जा सकता है तत्संबंधी तिथियाँ निम्नानुसार है

काउंसिलिंग गतिविधि	पंजीयन (Registration)	मेरिट जारी	दावा आपत्ति	आबंटन/रिजल्ट (Allotment/ Result)	प्रवेश (Admission)
प्रथम चरण हेतु तिथियाँ	30th June 2026 10:00AM से 06th July 2026 11:59PM तक	07th July 2026 05:00PM बजे	08th July 2026 11:59PM तक	10th July 2026 05:00PM बजे	11th July 2026 10:00AM से 15th July 2026 05:30PM तक
द्वितीय चरण हेतु तिथियाँ	17th July 2026 10:00AM से 21st July 2026 11:59PM तक	22nd July 2026 05:00PM बजे	23rd July 2026 11:59PM तक	25th July 2026 05:00PM बजे	26th July 2026 10:00AM से 30th July 2026 05:30PM तक
संस्था स्तर हेतु तिथियाँ	01st August 2026 10:00AM से 06th August 2026 11:59PM तक	09th August 2026 05:00PM बजे	1- मेरिट सूची के अनुसार संस्था स्तर पर आबंटन हेतु अवसर लेने के लिए अभ्यर्थी को संबंधित संस्था में 10th August 2026 प्रात: 10:00AM उपस्थित होना अनिवार्य होगा। 2-संस्था द्वारा आबंटित सीटों पर प्रवेश लेने की कार्यवाही 10th August 2026 01:00PM से 13th August 2026 01:00PM तक की जाएगी। 3-यदि संस्था में सीटें रिक्त रहती हैं तो 13th August 2026 अपराह्न 01:30PM बजे से 14th August 2026 अपराह्न 05:30PM बजे तक निम्नलिखित सभी अभ्यर्थीयों को मेरिट सूची के अनुसार अवसर प्रदान किया जाएगा जो दिनांक 10th August 2026 को (क) उपस्थित नहीं हो पाए (अनुपस्थित)। (ख) उपस्थित हुए लेकिन उन्हें आबंटन नहीं मिला। (ग) seat आवंटित/प्रवेशित है परंतु वे अपने उच्च वरीयता (Higher Preference) विषय/विकल्प का चयन करना चाहते हैं।		

महत्वपूर्ण निर्देश:- 1. विस्तृत नियम, अर्हता, ऑनलाइन आवेदन/काउंसिलिंग प्रक्रिया, एवं आगामी संशोधनों की पूर्ण जानकारी हेतु निरंतर विभागीय वेबसाइट https://dte.cg.gov.in/ एवं https://cgdte.admissions.nic.in/ का अवलोकन करते रहें। 2. प्रत्येक चरण की काउंसिलिंग के लिए अभ्यर्थी को पृथक से ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा। 3. द्वितीय चरण में भाग लेने (रजिस्ट्रेशन करने) पर प्रथम चरण का प्रवेश स्वत: निरस्त हो जावेगा। 4. संस्था स्तर की काउंसिलिंग हेतु आवेदन करने पर, यदि अभ्यर्थी द्वारा किसी संस्था में प्रवेश लिया हुआ है, तो वह तब तक निरस्त नहीं होगा, जब तक की अभ्यर्थी संस्था स्तर की काउंसिलिंग में प्रवेश नहीं लेगा। 5. रविवार एवं शासकीय अवकाश के दिनों में भी प्रवेश संस्थाएं एवं सुविधा केंद्र खुले रहेंगे। 6. किसी भी सहायता के लिए अभ्यर्थी सुविधा केंद्र एवं नियंत्रण कक्ष के दूरभाष क्रमांक 0771-2221376 पर कार्यालयीन समय में संपर्क करें।

अतिरिक्त संचालक तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़
जी-262701677/2

प्रथम पृष्ठ का शेष

थोड़ी रंजिश, थोड़ा...

करते हुए पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि 6 जून को खर्वे गांव के ग्रामीणों ने कसडोल एसडीओपी को आवेदन सौंपा। इसमें फरवरी से 14 मई के बीच गांव में हुई 8 संदिग्ध मौतों की जांच और राम सहाय जायसवाल पर शक जाहिर किया गया था। उक्त मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में 7 मृतकों के शवों को कब्र से बाहर निकलवाया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेकाहारा (रायपुर) भेजा गया, जहां डॉक्टरों की विशेष टीम ने बिसरा और डीएनए सैंपल सुरक्षित किए। एक मृतक (बुधराम जायसवाल) का पहले ही दाह संस्कार हो चुका था। **ऐसे करता था हत्या, किसी को नहीं होता था शक-** पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पहले लोगों के साथ बैठकर शराब पीता था और मौका देखकर शराब में जहर मिला देता था। हैरानी की बात तो यह है कि किसी को उस पर शक न हो, इसलिए वह खुद बीमार पड़े लोगों को अस्पताल ले जाने में मदद करता था और कई मामलों में उनके कफन-दफन और अंतिम संस्कार में भी शामिल होता था। **छोटी- छोटी बातों पर ले ली जान-** पूरे प्रदेश को झकझोर देने वाले इस मामले में आरोपी ने छोटी-छोटी पुरानी रंजिश, प्रतिशोध, मानसिक कुंठा, चारित्रिक संदेह और टोना-टोटका जैसी धारणाओं के चलते अपने ही परिचित 8 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। **पुलिस को भी करता रहा गुमराह-** इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पूछताछ के दौरान आरोपी ने शुरुआत में पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की और खुद को निर्दोष बताया। लेकिन तकनीकी साक्ष्यों, ग्रामीणों के बयान और लगातार पूछताछ के बाद वह टूट गया और एक-एक हत्या की पूरी कहानी कबूल कर ली। **8 हत्या और 1 हत्या के प्रयास का मामला दर्ज-** पुलिस ने आरोपी रामसहाय जायसवाल पिता देवप्रसाद जायसवाल उम्र 46 वर्ष ग्राम खर्वे के खिलाफ 08 हत्या और 01 हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। इस जटिल और बहुचर्चित मामले का खुलासा पुलिस की सूझबूझ, धैर्य और वैज्ञानिक जांच के दम पर संभव हो सका।

एक-एक कर...

29 अप्रैलः चैतुराम साहू – 50 हजार रुपए के कर्ज और ब्याज से छुटकारा पाने के लिए हत्या। **14 मईः महेतरू राम साहू** – चुनावी रंजिश और ताने मारने की बात पर हत्या। इसके अलावा आरोपी ने कार्तिक कुम्हार को भी जहर मिली शराब पिलाई थी, लेकिन समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बच गई।

ग्रामीण परिवारों को...

के तहत जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, ग्रामीण आधारभूत संरचना निर्माण, आजीविकामूलक परिसंपत्तियों के विकास तथा ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। इस योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत आधारित समेकित विकास, विभागीय योजनाओं के अभिसरण तथा पीएम गति शक्ति से समन्वय को बढ़ावा मिलेगा। विकास कार्यों की बेहतर कार्ययोजना एवं निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक और डिजिटल प्रणालियों का उपयोग करते हुए पारदर्शिता, सुशासन एवं जवाबदेही को सुदृढ़ किया जाएगा। इस योजना के क्रियान्वयन में केंद्र एवं राज्य के व्यय का अनुपात 60:40 रहेगा तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य बजट में 4,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

अलका ने छुए...

को पद्मश्री दिया गया है। क्रिकेट में विशेष योगदान के लिए रोहित शर्मा को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश केटी थॉमस को जन-सेवा के लिए और मलयालम पत्रकार पी. नारायणन को साहित्य और शिक्षा में योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने अलका याग्निक, ममूटी, अमेरिकी डॉक्टर दत्तात्रेयडु नोरी, टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज, उद्योगपति एसकेएम माएलानंदन और समाजसेवी व शिक्षाविद वी नटेसन को पद्म भूषण से सम्मानित किया।

ओबीसी सर्वे : पोर्टल...

योजनाओं का लाभ ले रहे हैं, लेकिन उनके बारे में बताया गया है कि वे केवल राशन कार्ड से राशन ही ले रहे हैं। राज्य के पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग ने सर्वे डेटा की ऑनलाइन पोर्टल पर एंट्री के दौरान नगरीय निकायों द्वारा की जा रही गंभीर त्रुटियों को उजागर किया है। आयोग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि गलत डेटा के कारण पूरे सर्वेक्षण का मूल उद्देश्य ही खतरे में पड़ सकता है। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी निगम आयुक्त, सभी पालिकाओं औक नगर पंचायतों के सीएमओ को पत्र जारी कर सही-सही जानकारी पोर्टल में दर्ज करने का आदेश दिया है। **सर्वे की विश्वसनीयता पर खतरा-** आयोग ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि नगरीय निकायों द्वारा सर्वे प्रपत्र (54 बिंदुओं) के आधार पर प्रविष्टि करने के बजाय अनुमान के आधार पर गलत आंकड़े भरे जा रहे हैं। यदि समय रहते इसे नहीं सुधारा गया, तो यह डेटा शासन की विभिन्न एजेंसियों और विभागों के पास मौजूद आंकड़ों के साथ विरोधाभासी स्थिति पैदा करेगा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने निगम आयुक्त सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे तुरंत क्षेत्र स्तर पर जाकर परिवारों से पुनः संपर्क करें, अधूरी जानकारी को पूरा करें और पोर्टल पर केवल वास्तविक डेटा ही अपडेट करें। भविष्य में ओबीसी कल्याण के लिए बनने वाली नीतियां इसी सर्वे पर निर्भर होंगी, इसलिए इसमें बरती गई यह लापरवाही राज्य के एक बड़े वर्ग के भविष्य पर भारी पड़ सकती है।

सरकारी योजनाओं...

वार्षिक आय के कॉलम को या तो पूरी तरह खाली छोड़ दिया जा रहा है या फिर एक ही निकाय के सभी परिवारों के लिए एक समान वार्षिक आय दर्ज की जा रही है, जो सांख्यिकीय रूप से पूरी तरह गलत है।

दरगाह-उर्स में डीजे,...

याचिका सुफी इस्लामिक बोर्ड के संचालक मंडल के सदस्य फिरोज शाह अहमद की ओर से वकील देवेंद्र प्रताप सिंह ने दायर की थी। जिसमें वक्फ बोर्ड के आदेश को चुनौती दी गई थी। वक्फ बोर्ड ने अपने आदेश में प्रदेश के विभिन्न दरगाहों, उर्स और धार्मिक जलसों में डीजे, धूमाल और नाच-गाने के उपयोग पर रोक लगाने के निर्देश दिए थे। साथ ही आदेश का उल्लंघन करने वालों पर 50 हजार रुपए तक जुर्माना लगाने की बात भी कही गई थी। सुनवाई के दौरान वक्फ बोर्ड की ओर से दलील दी गई कि, जिन स्थानों पर यह धार्मिक आयोजन आयोजित होते हैं, वे वक्फ बोर्ड की संपत्तियां हैं। इसी अधिकार के तहत बोर्ड ने यह दिशा-निर्देश जारी किया था।

शादी से पहले प्रेमी...

फरवरी में हुई थी, सिया गोयल और केतन अग्रवाल, लोहागढ़ किले में घूमने के लिए गए थे। वहां से तकरीबन 10:30 या 10:45 बजे के आसपास सिया गोयल ने फोन करके बताया कि केतन अग्रवाल फिसल के गिर गया और उसकी लोहगढ़ किले से नीचे गिरने से मृत्यु हो गई है। पुलिस और परिवारजनों ने इसे हादसा मान लिया था। **भव्यता से होने वाली थी शादी-** केतन अग्रवाल की शादी बहुत ही भव्य तरीके से होने वाली थी। परिवार ने जयपुर में एक पैलेस बुक किया गया था। बताया जा रहा है कि इस शादी के लिए 17 करोड़ से अधिक खर्च होना था। मेहमानों के लिए दो चार्टर प्लेन भी बुक कराए गए थे। इसके साथ स्वागत और ठहरने की व्यवस्था की जा रही थी।

जांच में जुटीं...

की जांच के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों की छह सदस्यीय टीम मंगलवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे घटनास्थल पर पहुंची। टीम का नेतृत्व निदेशक आदर्श कुमार कर रहे हैं। एसआईटी ने भी मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बनाई गई एसआईटी में अपर मुख्य सचिव (पर्यटन) अमृत अभिजात और लखनऊ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) प्रवीण कुमार शामिल हैं। प्रवीण कुमार ने घटनास्थल पर संवाददाताओं से कहा, हम यहां घटना के सभी पहलुओं की जांच करेंगे। हम तय समय में जांच पूरी करेंगे और जरूरी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। एसआईटी टीम के पहुंचने से पहले, सुबह फॉरेंसिक विशेषज्ञों की छह सदस्यीय टीम घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। इस जांच का मकसद आग लगने की वजह का पता लगाना है। पुलिस ने बताया कि एसआईटी टीम में अधिकारियों के साथ करीब 10 लोग जांच के लिए पहुंचे। एसआईटी ने इमारत में लोगों के फंसने, दरवाजे और खिड़कियों के साथ ही वातानुकूलित मशीनों की भी जांच की। एसआईटी ने मौके से कुछ अहम साक्ष्य जुटाए और लोगों से जानकारी भी हासिल की। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया, हमने अलीगंज की उस इमारत को (निर्माण) नियमों के उल्लंघन पर एक बार फिर गिराने का नोटिस जारी किया है, जहां सोमवार को आग लगी थी। कुमार ने बताया, हमने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी जांच शुरू कर दी है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऐसे अधिकारियों की पहचान करने और लापरवाही में उनकी भूमिका का पता लगाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार दोपहर अलीगंज स्थित तीन मंजिला इमारत में आग लग गई थी। इस हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें अधिकांश छात्र थे और नौ अन्य लोग घायल हुए थे। हादसे के एक दिन बाद मंगलवार को अलीगंज के सेक्टर-डी स्थित उषा मेहता मार्ग पर मौजूद इमारत के आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर आवाजाही पर रोक लगा दी।

महासमुंद के बलौदा-...

के विस्तार तथा देश के खनिज क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। भारत सरकार के खान मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की अनुशंसा पर 156.80 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल वाले बालोदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक को खनिज एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 17ए के अंतर्गत एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड के पक्ष में आरक्षित किया गया था। इसके पश्चात जारी प्रोस्पेक्टिंग लाइसेंस के तहत विस्तृत भूवैज्ञानिक एवं खनिज अन्वेषण कार्य किए गए। अन्वेषण कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग, ग्राउंड मैग्नेटिक एवं रेसिस्टिविटी सर्वे, तथा 500 मीटर की लक्षित अन्वेषण ड्रिलिंग शामिल रही। इन अध्ययनों के आधार पर एक संभावित हीराधारी विसंगति की पहचान की गई।

इस क्षेत्र की पुष्टि हेतु लगभग 200 टन खनिज पदार्थ का बल्क सैंपल एकत्र कर वैज्ञानिक प्रसंस्करण किया गया। प्रसंस्करण एवं एसिड वॉश के पश्चात कुल 1.22 कैरेट वजन के 5 प्राकृतिक हीरे प्राप्त हुए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार प्रारंभिक अन्वेषण चरण में हीरों की प्राप्ति किसी क्षेत्र में हीरा जनक प्रणाली की उपस्थिति का अत्यंत महत्वपूर्ण संकेत माना जाता है।

खनिज विशेषज्ञों का मानना है कि विश्व के प्रमुख हीरा उत्पादक देशों जैसे बोत्सवाना, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में भी प्रारंभिक खोज के दौरान सीमित संख्या में हीरों की प्राप्ति हुई थी। बाद में विस्तृत अन्वेषण और संसाधन मूल्यांकन से बड़े हीरा भंडारों की पहचान संभव हुई। बालोदा-बेलमुंडी से प्राप्त परिणाम भी इसी प्रकार के सकारात्मक संकेत प्रदान करते हैं।

छत्तीसगढ़ में हीरा संभावनाओं का नया अध्याय- अब तक छत्तीसगढ़ में मुख्य रूप से मैनपुर क्षेत्र को हीरा संभावनाओं के लिए जाना जाता रहा है। बालोदा-बेलमुंडी क्षेत्र से हीरों की प्राप्ति यह संकेत देती है कि राज्य में हीरा खनिजीकरण का विस्तार पूर्व अनुमान से अधिक व्यापक हो सकता है। इससे भविष्य में नए निवेश, रोजगार के अवसर तथा क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति मिलने की संभावना है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् कुरूद जिला-धमतरी (छ.ग.)

पता-पुराना बाजार चौक कुरूद, ई-मेल आईडी - kurudnp@gmail.com

क्रमांक/1907 / लो.नि.वि. / ऑनलाईन निविदा/2026-27 — **ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना** — कुरूद, दिनांक 23/06/2026

नगर पालिका परिषद् कुरूद क्षेत्रांतर्गत जल आवर्धन योजना एवं अधोसंरचना विकास योजना अंतर्गत विभिन्न निर्माण/उन्नयन कार्य हेतु छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार/ फर्म से Chhattisgarh Government Integrated e-Procurement https://eproc.cgstate.gov.in में ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

01. Bid Submission Start Date - 23/06/2026, सायं 6.30 बजे तक
02. Bid Due Date - 15/07/2026, सायं 5.30 बजे तक
03. Bid Open Date - 21/07/2026, प्रातः 11.30 बजे तक
04. Physical Document Submission End Date - 20/07/2026, सायं 5.30 बजे तक

स. क्र.	कार्य का विवरण	टेण्डर सिस्टम नंबर	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (राशि रू.)	फर्म / ठेकेदार की श्रेणी	कार्य की अवधि माह	निविदा शुल्क	प्रभावशील दर अनुसूची
01	नगर पालिका परिषद कुरूद में जल आवर्धन योजना	193971	952.65	500000.00	"B" and Above	24 माह (वर्षा ऋतु सहित)	10000.00	CG PWD Building S.O.R. 01.01.2015 & CGPHE SOR 01.06.2020 with amendment
02	500 सीटर ऑडिटोरियम निर्माण कार्य	194037	597.23	298650.00	"B" and Above	12 माह (वर्षा ऋतु सहित)	10000.00	C.G. P.W.D. Building S.O.R. 01.01.2015, C.G. P.W.D. Road S.O.R. 01.01.2025, C.G. P.H.E. S.O.R. 01.06.2020, C.G. Electrical S.O.R. 01.06.2020 & Non S.O.R. Items
03	नया मार्केट उन्नयन एवं निर्माण कार्य	193965	196.84	147650.00	"C" and Above	12 माह (वर्षा ऋतु सहित)	10000.00	C.G. P.W.D. Building S.O.R. 01.01.2015, C.G. P.W.D. Electrical S.O.R. 01.06.2020 & C.G. P.W.D. Road S.O.R. 01.01.2025

उपरोक्त कार्यों के निविदा की विस्तृत / सामान्य शर्तें व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय के लोक निर्माण शाखा, विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.in एवं e-Procurement https://eproc.cgstate.gov.in से अवलोकन की जा सकती ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् कुरूद
जिला - धमतरी (छ. ग.)

कार्यालय मुख्य अभियंता (रायगढ़ क्षेत्र)
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी मर्यादित, रायगढ़

विज्ञापन

छ0ग0राज्य विद्युत वितरण कंपनी रायगढ़ के औषधालय हेतु दैनिक वेतन आधार पर 01 वर्ष अथवा कंपनी द्वारा स्थायी चिकित्सक के नियोजन तक एक अनुभवी एम.बी.बी.एस. चिकित्सक की आवश्यकता है, कृपया इच्छुक चिकित्सक 10 दिवस के भीतर अपना आवेदन मय दस्तावेज कार्यालय मुख्य अभियंता (रायगढ़ क्षेत्र) विद्युत वितरण कंपनी में कार्यालयीन समय पर जमा कर सकते है।

नियम एवं शर्तें:- (1) राष्ट्रीय अवकाश व रविवार को छोड़कर सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9.00 से 1.00 बजे तक एवं शाम 4.00 बजे से 6.00 बजे तक तथा शनिवार को सुबह 9.00 बजे से 11.00 बजे तक सेवा देना है। (2) प्रति कार्य दिवस (उपस्थिति दिवस) हेतु रूपये 3700/- मानदेय होगा। (3) प्रतिदिन दोनो पालियों में बायोमेट्रिक अटेन्डेन्स देना अनिवार्य होगा। (4) उम्मीदवार का पंजीयन छ.ग. मेडिकल काउसंलिंग में होना अनिवार्य है।

मुख्य अभियंता (रायगढ़ क्षेत्र)
छ.स्टे.पॉ. डिस्ट्री.कं.लिमि., रायगढ़

संवाद- 48254

कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ.ग.)

OFFICE: Ph. (07765)-233668 NRHM: Ph. (07765) -234140
Website: www.cghealth.nic.in
E-mail: bpmu.pat@gmail.com E-mail :bpm.pat@rediffmail.com

क्र./ 150/ जे.डी.एस./2026 — पत्थलगांव दिनांक 23/06/26

विषय:- वर्ष 2026-27 का जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम एवं अंत:रोगी भर्ती मरीज हेतु आहार निविदा आंमत्रण सूचना।

सिविल अस्पताल/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पत्थलगांव के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रमों हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 में संबंधित मेसर्स/स्व: सहायता समूह से निविदा के माध्यम से जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम एवं अंत:रोगी भर्ती मरीज हेतु चाय नाश्ता/भोजन हेतु पृथक-पृथक निविदा आमंत्रित किया गया है निविदा प्रपत्र अघोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक 24.06.2026 से 01.07.2026 तक कार्यालयीन समयावधि राशि 2000.00 (शब्दों-दो हजार रुपये) का डिमांड ड्राफ्ट जीवनदीप समिति-पत्थलगांव के नाम से जमा कर निविदा प्रपत्र नियम एवं शर्तो का अवलोकन कर प्राप्त किया जा सकता है, निविदा दिनांक 01.07.2026 दोपहर 01:00 बजे तक रजिस्टर डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से स्वीकार किया जावेगा दिनांक 02.07.2026 को सायं 4.00 बजे निविदा खोली जावेगी।

खण्ड चिकित्सा अधिकारी,
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पत्थलगांव
जिला-जशपुर (छ.ग.)

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
Skin Care
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है 94060-21769
नकली माल से सावधान

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- निजी कार चलाने हेतु 5वर्ष अनुभवी नशामुक्त 25वर्ष से 45वर्ष के ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार ड्राइविंग लाइसेंस सहित सम्पर्क करें- Cross Road Business Park Vypaar Vihar Bilaspur 9644644754 (41239)

आवश्यकता है- रिसेप्शनिस्ट (लड़की) वेतन योग्यता अनुसार, रावतपुरा मेडिकल कॉलेज रायपुर में सुपरवाइजर सुरक्षा गार्ड वेतन 10000 से 18000 रहना फ्री। सम्पर्क करें- एक्समैन सिक्योरिटी सर्विस हेमू नगर बिलासपुर 98271 52819, 8349974442, 9754713125 (41237)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। लाइसेन्स, बायोडाटा, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज, नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार 8098797774 (41235)

आवश्यकता है- सुरक्षा एजेन्सी के अन्तर्गत कार शोरुम में इच्छुक गार्ड (आयु 30र्ष से 45वर्ष एवं ऊंचाई 5'-5" हो तथा योग्यता 12वीं पास होना चाहिए। वेतनमान 11500 से शुरु इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक उमा सिक्युरिटी सर्विसेज बहतराई स्टेडियम चौक 9981630084 99816 30042 (41233)

आवश्यकता है- अनुभवी कुक एवं रूम सर्विस हेतु वेटर्स की तुरंत आवश्यकता है संपर्क हॉटल शिवनेरी सीएमडी कॉलेज के सामने लिंक रोड बिलासपुर (41231)

आवश्यकता है- घरेलू सभी कार्य हेतु बाई, नौकर एवं माडर्न एजूकेशनल एकेडमी स्कूल में कार्य करने हेतु आया की अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तुरन्त सम्पर्क करें- 7223890879, 9301275222 (41234)

आवश्यकता है- होटल पर्ल इन सकरी और कोनी में निम्न पदों पर आवश्यकता है। (1) मैनेजर- 2पद (2) रिसेप्शनिस्ट- 6पद (3) रूम सर्विस- 10पद (4) सफाई कर्मचारी- 6पद। सम्पर्क करें- 7509113355 (41232)

आवश्यकता है- शिक्षिकाओं की (इंग्लिश मिडियम (PN to 8th) स्कूल हेतु/ स्पोकन इंग्लिश/ कम्प्यूटर में दक्ष/ ग्रेजुएट/ बीएड को प्राथमिकता। (Resume WhatsApp करें BBVM गोदड़ी धाम रोड, कस्तूरबा नगर बिलासपुर 9300654801, 7489885833 (41238)

आवश्यकता है- होटल में वेटर सप्लायर (युवक, युवतियां) इंडियन कुक, चायनीज कुक, साऊथ इंडियन एवं बिलिंग आपरेटर सिनियर अनुभवी की आवश्यकता है रहने खाने की सुविधा वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7987633348 (41242)

आवश्यकता है- Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (41226)

आवश्यकता है- बिलासपुर 36 मॉल में सिनेमा फूड काउन्टर और फूड कोर्ट मे कार्य करने हेतु 4-4 लड़को एवं लड़कियों कि आवश्यकता है,सैलरी - 8000+रहना +खाना संपर्क करें 9109919456 (41241)

आवश्यकता है- डेंटल क्लिनिक मे काम करने के लिए लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है। पता- पुराना बस स्टैंड के पास सम्पर्क करें-78791 11555 (41216)

आवश्यकता है- नर्सरी से 12वीं तक पढ़ाने हेतु टीचर्स एवं सफाईकर्मी की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सुबह 9बजे से 2बजे संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास, उसलापुर 7440549466, 7024853558 (41224)

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रह कर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए। आयु 18 से 30वर्ष वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 80855 33493 (367)

आवश्यकता है- हरिअमृत मैरिज रिसार्ट में कार्य करने हेतु सुपरवाईजर की आवश्यकता हैं अनुभवी को प्राथमिकता पता- सीपत रोड मोपका बिलासपुर 98271-14005 (सम्पर्क समय- सुबह 10बजे से 1बजे, शाम 4बजे से 6बजे) (41229)

आवश्यकता है- सीए आफिस में चपरासी की आवश्यकता है। सुबह 8.30 से शाम 8.30 बजे, 10वी पास, वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- सीए दिनेश अग्रवाल मेन रोड विद्या नगर बिलासपुर 9300501028, 7440969033 (41240)

आवश्यकता है- रियल एस्टेट में टेली कॉलिंग करने हेतु अनुभवी युवती एवं अनुभवी मार्केटिंग मैनेजर और फ्रैशर लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। फिक्स्ड वेतन सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक बिलासपुर बायोडाटा भेजें 6263077177 (41215)

आवश्यकता है- अग्रवाल बुक डिपो होलसेल दुकान में पैकिंग स्टाफ 10वीं, 12वीं पास 3 पोस्ट पर आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- बिहारी टॉकीज के सामने के सामने बिलासपुर 9711088843 (41210)

आवश्यकता है- मंगला चौक के पास प्रसूति गृह में GNM/ BSC नर्सिंग क्रिश्चन/ अन्य महिला कर्मी की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7693807006, 9826134710 (41112)

आवश्यकता है- बागेश्वर बालाजी कोल एण्ड ट्रान्सपोर्ट में फिल्ड वर्क हेतु लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 8516900999 (41227)

आवश्यकता है- रायगढ़ रेलवे स्टेशन के बाहर स्थित 24×7 कन्विनियंस स्टोर/ फूड स्टॉल पर कार्य करने हेतु युवक, युवतियों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- गौरव सिंह 7879226916 (41220)

आवश्यकता है- नाश्ता बनाने के लिए ऑल राउंडर कुक की आवश्यकता है (जो नशा नहीं करता हो) सम्पर्क करें- पद्मावती नाश्ता एण्ड टिफिन सेन्टर दिल्ली आईएएस अकादमी के पास मंगला बिलासपुर 97556 55055 (41222)

आवश्यकता है- जिला स्तरीय कम्पनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वन पाल, चपरासी, हेतु आवेदन करे 10वी, 12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र सीमा 18 से 42 सैलरी26500 से 45500 आवेदन हेतु मार्क शीट, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो,व्हाट्सएप/ कॉल करे- 8400406891 (091)

आवश्यकता है- ओम रेफ्रिजरेशन में कम्प्यूटर कार्य हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर की शीघ्र आवश्यकता है। पता- तालापारा रोड भारतीय नगर चौक के पास बिलासपुर सम्पर्क करें- 9827469007 7999913098 (41166)

बेचना

बेचना है- बिक्री हेतु फर्स्ट फ्लोर 3BHK फ्लैट, वैष्णवी विहार, श्याम रेजीडेंसी फेज-1, उसलापुर, बिलासपुर 1500 वर्गफीट, रेडी-टू-मूव, कवर्ड पार्किंग, गेटेड कॉलोनी कीमत 31.5लाख नेगोशिएबल सम्पर्क करें-9131948149, 7999461010 (41223)

बेचना है- (साईं आनंदम शादी भवन के पास प्रकृति विहार 50×60 डायवर्टेड प्लॉट बाउंड्रीवॉलयुक्त) (घुरू गोकुलधाम विभिन्न साइज डायवर्टेड प्लॉट) (लोखंडी ऊषाउपवन कॉलोनी के सामने 18000 वर्गफुट जमीन) (चकरभाठा एयरपोर्ट के पास विभिन्न साइज प्लॉट) (मोपका चावला ग्रीन के सामने 25×50 के 3प्लॉट) (आरटीओ कार्यालय के पीछे 2000 वर्गफुट डायवर्टेड प्लॉट) (शांति नगर मकान) (ग्राम बहतराई (सकरी) 1एकड़ 60 डिसमिल जमीन) (मुंगेली नाका 13×75 प्लॉट) (कोनी विभिन्न साइज प्लॉट) सम्पर्क 7035244444 (41221)

बेचना है- बिलासपुर में वार्ड क्रमांक 15 मंगला ठाकुरपारा में मेहबूब मंजिल के सामने, डायवर्टेड प्लॉट साइज 23×63= 1744 वर्गफिट अतिशीघ्र बेचना है खरीददार सम्पर्क करें- 9755150869 (41212)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

किराया

किराया- सिरगिट्टी गुरुद्वारा से 1.5Km, मेन रोड पर श्याम फेब्रिकेशन के बगल में 985 वर्गफुट प्लॉट 11 माह के एग्रीमेंट के साथ किराए पर देना है सम्पर्क करें- 62671 51972 (41236)

फायनेंस

फायनेंस- बन्धना फाइनेन्स द्वारा दुकानदार, होलसेल, कृषि लोन, ग्रुप लोन, बिजनेस लोन 2% ब्याज में। 25000 से 30लाख तक लोन वीकली या मंथली आसान किश्तों में। सम्पर्क करें- 9770833099 (4282)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

MedicareSpecialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले
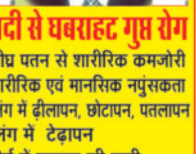
शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

आज के मुकाबले

इंग्लैंड बनाम घना (1:30 एएम)

दिन की शुरुआत इंग्लैंड और घाना के मुकाबले से होगी, जो भारतीय समयानुसार रात 1:30 बजे खेला जाएगा। यह मैच काफी रोमांचक माना जा रहा है क्योंकि इंग्लैंड की मजबूत टीम एक्शन में नजर आने वाली है।

पनामा बनाम क्रोशिया (4:30 एएम)

इसके बाद दूसरा मुकाबला पनामा और क्रोएशिया के बीच सुबह 4:30 बजे खेला जाएगा। दोनों ही टीमें अपना पहला मैच हारने के बाद एक दूसरे से टक्कर लेंगी। ऐसे में यहां से जो जीतेगा उसके लिए नॉक आउट मुकाबलों का दरवाजा खुल सकता है।

कोलम्बिया - डीआर कोंगो (7:30 एएम)

दिन का तीसरा और अंतिम मुकाबला कोलंबिया और डीआर कांगो के बीच भारतीय समय के अनुसार सुबह 7:30 बजे होगा। इस मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद की जा सकती है।

सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने मेस्सी

अर्लिंगटन। अर्जेंटीना के सुपरस्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी आसट्रिया के खिलाफ विश्व कप मैच में पेनल्टी चूक गए लेकिन उसके बाद दो गोल करके टूर्नामेंट के इतिहास में सर्वाधिक 18 गोल अपने नाम कर लिए। फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में से एक मेस्सी ने आसट्रिया पर 2-0 से मिली जीत में दोनों गोल दागे। वह नौवे मिनट में पेनल्टी चूक गए थे लेकिन इसकी बखूबी भरपाई कर ली। अपना छठा विश्व कप खेल रहे मेस्सी के अब कुल 18 गोल हो गए हैं। पहले मैच में अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाकर उन्होंने जर्मनी के स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोसे के विश्व कप में 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। फ्रांस के काइलियान एमबाप्पे ने भी ईराक पर 3-0 से मिली जीत में दो गोल दागे और अब वह क्लोसे के 16 गोल की बराबरी करके संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

100वां मैच : अब सिर्फ मेस्सी से पीछे एमबाप्पे

एजेंसी ▶▶| फिलाडेल्फिया

फ्रांस के काइलियान एमबाप्पे ईराक के खिलाफ दो गोल करके कुल 16 गोलों के साथ विश्व कप फुटबॉल के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के बाद दूसरे स्थान पर आ गए। तीसरा विश्व कप खेल रहे 27 वर्ष के एमबाप्पे ने ईराक के खिलाफ 14वें मिनट में पहला गोल किया। यह उनके कैरियर का 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच भी था। बारिश के कारण दो घंटे के विलंब के बाद खेल बहाल होने पर उन्होंने 54वें मिनट में एक और गोल करके जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोसे के 16 गोल की बराबरी कर ली। यह विश्व कप शुरू होने से पहले रिकॉर्ड क्लोसे के ही नाम था। एमबाप्पे ने सेनेगल के खिलाफ पहले मैच में भी दो गोल किए थे। उनके अब 59 अंतरराष्ट्रीय गोल हो गए हैं, जो फ्रांस के लिए सर्वाधिक हैं। इस विश्व कप में अब तक वह चार गोल कर चुके हैं जबकि 2022 में 8 और 2018 में 4 गोल किए थे। उन्हें 2022 में सर्वाधिक गोल के लिए गोल्डन बूट भी मिला था।

ईराक को 3-0 से हराकर नॉकआउट में फ्रांस

फिलाडेल्फिया। फ्रांस ने ईराक को 3-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में जगह बना ली। एमबाप्पे ने 14वें और 54वें मिनट में गोल दागे। उनके पहले गोल पर फ्रांस ने हाफटाइम तक 1-0 की बढत बना ली जब भारी बारिश और तूफान के कारण मैच दो घंटे से अधिक समय के लिए रोकना पड़ा। एमबाप्पे फ्रांस की 2018 विश्व कप जीत और 2022 में फाइनल तक पहुंचाने में सूत्रधार रहे थे। इस बार उनके डेम्बेले और डिजायर डू के रहते फ्रांस खिताब के प्रबल दावेदारों में से है। फ्रांस का सामना 4 जुलाई को यहां जर्मनी से हो सकता है। ईराक के स्ट्राइकर ऐमन हुसैन को चोट के कारण 26वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा, जिनकी जगह अली अल हमादी ने ली। हुसैन ने नॉर्वे के खिलाफ पहले मैच में गोल किया था। ईराक 1986 में पदार्पण के बाद दूसरी बार विश्व कप खेल रहा है।

अल्जीरिया ने खत्म किया 12 साल का सूखा, पहली बार टूर्नामेंट में मिली जीत

सांता क्लारा। दूसरे हाफ में पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल करके अल्जीरिया ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जोर्डन को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें पुख्ता कर लीं। दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी नादिर बेनबुआली ने 69वें मिनट में हेडर लगाया जबकि अमीने गोरी ने 82वें मिनट में विजयी गोल दागा। विश्व कप में 2014 के बाद अल्जीरिया की यह पहली जीत है। जोर्डन के लिए पहले हाफ में निजार अल राशदान ने गोल दागा था। अल्जीरिया को पहले मैच में अर्जेंटीना ने 3-0 से हराया था लेकिन दूसरे मैच में आसट्रिया को हराकर उसने ग्रुप जे में दूसरा स्थान हासिल कर लिया।

नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराया 'वाइकिंग रो' कर मनाया जश्न

ईस्ट रदरफोर्ड। एर्लिंग हालैंड के दो गोल की मदद से नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 32 में जगह बना ली। मार्कस पेडरसन ने 43वें मिनट में गोल किया जबकि हालैंड ने 48वें और 58वें मिनट में गोल दागे। उनके विश्व कप में अब चार गोल हो गए हैं। पेडरसन ने जूलियन रायरसन के चोटिल होने के कारण 13वें मिनट में विश्व कप में पदार्पण किया और गोल कर दिया। वहीं हालैंड ने मार्टिन ओडेगार्ड के पास पर बाए पैर से शॉट लगाया और सेनेगल के गोलकीपर एडुअर्ड मेंडी बायीं ओर डाइव लगाकर भी गोल नहीं बचा सके। इसके बाद उन्होंने सेनेगल के डिफेंस को भेदते हुए पैट्रिक बर्ग के पास पर गोल किया। जीत के बाद कप्तान मार्टिन ओडेगार्ड की अगुआई में खिलाड़ियों ने फैंस के साथ मिलकर पारंपरिक वाइकिंग रो सेलिब्रेशन किया। टूर्नामेंट के दौरान नॉर्वे के फैंस के बीच वाइकिंग रो एक लोकप्रिय परंपरा बन गई है। फैंस वाइकिंग लॉन्गबोट जैसी बनावट में बैठते हैं और ड्रम की थाप पर नाव चलाने जैसा एक्शन करते हैं। इसकी तुलना यूरो 2016 में आइसलैंड के मशहूर वाइकिंग क्लैप से की जाती है।

हालैंड ने दागे शानदार दो गोल, अंतिम 32 में बनाई जगह

खबर संक्षेप

अर्जन सिंह स्मृति हॉकी टूर्नामेंट: वायुसेना ने दक्षिणी कमान सेना को हराया

जालहल्ली। भारतीय वायुसेना के वायुसेना मार्शल अर्जन सिंह स्मृति हॉकी टूर्नामेंट के सातवें सत्र के पहले मैच में भारतीय सेना (दक्षिणी कमान) को 2-0 से हरा दिया। टूर्नामेंट का आयोजन वायुसेना खेल नियंत्रण बोर्ड कर रहा है। अग्निवीर विनायक संतोष हांडे को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। टूर्नामेंट में कुल 16 टीम हिस्सा ले रही हैं। उद्घाटन समारोह में एयर मार्शल एस शिवकुमार ने हिस्सा लिया और टूर्नामेंट की शुरुआत की घोषणा की।मुख्य अतिथि ने हांडे को 25 हजार रुपए का चेक सौंपा।

तिलक की तूफानी पारी 56 गेंद में बनाए 136 रन

हैदराबाद। तिलक वर्मा ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 श्रृंखला की तैयारी पुख्ता करते हुए टीजी20 में 56 गेंद में नाबाद 136 रन बनाकर वारंगल वारियर्स के खिलाफ मेडक फाल्कंस को तीन विकेट से जीत दिलाई। जीत के लिए 259 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए तिलक ने आक्रामक शुरुआत की। उनकी टीम ने चौथे ही ओवर में 50 रन बना लिए। तिलक ने 22 गेंद में अर्धशतक पूरा करके अपनी टीम को आठवें ओवर में सौ रन के पार पहुंचा दिया। आखिरी पांच ओवर में उन्हें 65 रन की जरूरत थी। तिलक ने 42 गेंद में शतक पूरा किया और विक्रम के साथ 58 रन की साझेदारी की। विक्रम (27) 19वें ओवर में आउट हुए जब दो ओवर में 20 रन की जरूरत थी। तिलक ने अपनी पारी में 14 चौके और आठ छक्के लगाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

भारत की जर्सी मिलते ही इमोशनल हुए वैभव, कहा- सपना पूरा हुआ

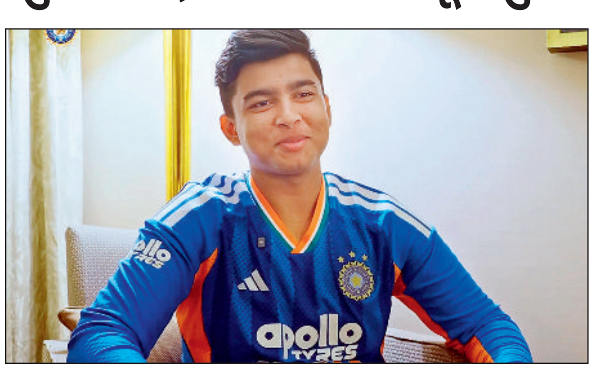

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि भारतीय टी20 टीम में चयन होना उनके कैरियर का सबसे बड़ा कदम है और उनके पास अपने जज्बात बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं।

पंद्रह वर्ष के सूर्यवंशी को 26 जून से शुरू हो रहे आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। सूर्यवंशी ने कहा,' शब्दों में बयां नहीं कर सकता। मैंने इसी के लिए पहले दिन बल्ला उठाया था और अभ्यास के लिए क्रिकेट के मैदान पर उतरा था।

वह सपना आज पूरा हो गया है।' उन्होंने कहा,' यह मेरे सफर का सबसे बड़ा कदम है। मैं इन भावनाओं को शब्दों में अभिव्यक्त नहीं कर सकता।' उन्होंने कहा ,' यह सपना सच होने जैसा है। जैसे ही मैंने टीशर्ट देखा, मेरी मुस्कान नहीं रूक रही है।'

समस्तीपुर से हुई कैरियर की शुरुआत

बिहार के समस्तीपुर से अपने कैरियर की शुरुआत करने वाले सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक जमाया था। 28 अप्रैल 2025 को गुजरात के खिलाफ 38 गेंद में 101 रन बनाकर वह 14 वर्ष 32 दिन की उम्र में टी20 क्रिकेट में शतक जमाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे।

आईसीसी रैंकिंग : 'नंबर-1' गेंदबाज बनीं श्रीचरणी, लिंसी स्मिथ को पछाड़ा

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत की बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी पहली बार आईसीसी विमेंस टी20 बॉलिंग रैंकिंग में टॉप पर पहुंच गई हैं। श्रीचरणी को आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है, जिन्होंने इस संस्करण के 3 मुकाबलों में अब तक 10 विकेट हासिल किए हैं। 21 वर्षीय चरणी फिलहाल टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। इंग्लैंड की लिंसी स्मिथ वर्ल्ड कप में धीमी शुरुआत के बाद दो स्थान खिसककर तीसरे नंबर पर आ गई हैं। साथी चार्ली डीन दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। इस बीच कई प्रमुख गेंदबाजों की रैंकिंग में भी बड़े बदलाव दिखे। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 सोफी एक्लेस्टोन चार स्थान ऊपर चढ़कर चौथे नंबर पर पहुंच गईं, जबकि वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज 9 स्थान ऊपर चढ़कर 11वें पायदान पर आ गईं।

छठे स्थान पर पहुंची शेफाली : बेहतर प्रदर्शन करने वाली बल्लेबाजों में भारत की शेफाली वर्मा शामिल हैं, जो छठे स्थान पर पहुंच गईं।

12 करोड़ के घाटे के साथ डीसी में लौटे पंत

एलएससी की जर्सी में दिखेंगे कुलदीप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान के तौर पर दो खराब सत्र के बाद ऋषभ पंत की वेतन में 12 करोड़ रुपए की भारी कटौती के साथ दिल्ली कैपिटल्स की टीम में वापसी हो रही है।

दिल्ली कैपिटल्स के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव के साथ हुई एक 'हाई-प्रोफाइल ट्रेड (बड़े खिलाड़ियों की अदला-बदली)' में पंत 15 करोड़ रुपए में अपनी पुरानी फ्रेंजाइजी में वापस आ गए हैं। एलएसजी ने आईपीएल 2025 से पहले हुई बड़ी नीलामी में उन्हें 27 करोड़ रुपए की भारी-भरकम रकम में खरीदा था, जो लीग के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी रकम थी।

13.50 करोड़ रुपए की फीस पर सुपर जायंट्स में कुलदीप

लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने उस समय पंत के साथ लंबे समय तक जुड़े रहने की बात कही थी। लगातार दो कमजोर सत्र के बाद फ्रेंचाइजी प्रबंधन ने जस्टिन लैंगर और टॉम मूडी की मौजूदगी वाली ऑस्ट्रेलियाई कोचिंग टीम की सलाह पर पंत को रिलीज करने का फैसला किया। उम्मीद के मुताबिक हुए इस ट्रेड में बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव 13.50 करोड़ रुपए की मौजूदा फीस पर दिल्ली कैपिटल्स से लखनऊ सुपर जायंट्स में चले गए।

पंत के लिए ट्रेड घर वापसी जैसी : पंत के लिए यह ट्रेड घर वापसी जैसी है। उन्होंने 2016 से 2024 के बीच दिल्ली कैपिटल्स के लिए 111 मैच खेले थे। नीलामी में जाने से पहले तक वह इसी टीम का हिस्सा थे।

टी20 महिला विश्व कप : न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को 6 विकेट से हराया

ब्रिस्टल। कप्तान मेली केर के फिरकी के जादू के बाद इजी शार्प के अर्धशतक से गत चैंपियन न्यूजीलैंड ने आईसीसी टी20 महिला विश्व कप के करो या मरो के ग्रुप दो मुकाबले में स्कॉटलैंड को 6 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। श्रीलंका और वेस्टइंडीज के खिलाफ हार के बाद टूर्नामेंट से जल्द बाहर होने का खतरा झेल रहे न्यूजीलैंड ने 132 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 26 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे। शार्प ने हालांकि अर्धशतक जड़ने के अलावा ब्रूक हैलीडे के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी करके 18.2 ओवर में टीम का स्कोर चार विकेट पर 132 रन तक पहुंचाकर उसे जीत दिलाई। इस जीत से न्यूजीलैंड की टीम चार मैच में दो जीत और दो हार से चार अंक के साथ अंक तालिका में इंग्लैंड (06 अंक) और वेस्टइंडीज (06) के बाद तीसरे स्थान पर है।

ACB (India) Limited

NOTICE INVITING TENDER

Ref. No: ACBIL/BIOMASS/2026-27/June-01

Description :
We, ACB (India) Limited Inviting bids from interested Suppliers and Agencies to supply Biomass Pellets for Co-Firing with Coal in our 2x135 MW Thermal Power Plant.
The scope of work under this package shall include Supply, Loading, Transporting and Delivery of **Agro Residue Based Biomass Pellets** at ACBIL, 2x135 MW TPP, Kasaipali site. The pellets supplied shall adhere to the technical specification given in tender document.
Interested Agency/Bidder may collect Detailed Tender Document from below mentioned address & submit their bid in sealed envelope on or before closing time and date:
Tender available from : 24-June-2026 at 11.00 Hrs. to 29-June-2026 at 12.00 hrs.
Last date of Bid submission : 30 -June-2026 at 16.00 Hrs.
Address:
ACB (India) Limited, 2x135 MW TPP, Village-Kasaipali, PO- Jawali, Tehsil- Katghora, District- Korba(CG), PIN-495445
Contact Person : Rajesh Kr.Sonkar- 79789 32970/ Kundan Singh – 7697217179
E-Mail : Rajesh.Sonkar@acbindia.com / environment.270MW@cg.acbindia.com
-S/D-
ACB (India) Limited

HDFC BANK **HDFC Bank Ltd.**
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001
Tel: 0771-4243149/149 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

ई-नीलामी विक्रय सूचना
नीलामी की तिथि एवं समय :– 16-जुलाई-2026, सुबह 10.30 बजे से सुबह 11.00 बजे
(बिक्री समाप्त होने तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी–मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) बिक्री के लिए ई–नीलामी बिक्री नोटिस जारी करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और सुरक्षाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की संख्या, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के प्रावधानों के साथ पठित।
एतद द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को कॉलम (ए) में इंगित किया गया है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति (बंध) कॉलम (सी) में वर्णित है जो सुरक्षित व्यक्ति को गिरवी रखी गई है। लेनदार, जिसका भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (डी) में वर्णित सुरक्षित लेनदार द्वारा लिया गया है, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है' पर बेचा जाएगा। क्या है', और 'जो कुछ भी है' नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:
एतद्द्वारा, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के परन्तुक के अंतर्गत कॉलम (ए) में दर्शाए गए संबंधित उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं) और समनुदेशितियों को, जैसा भी मामला हो, सूचना दी जाती है।
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.hdfcbank.com में दिए गए लिंक को देखें।

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)	(F) (G)
स. क्रं.	ऋणी(यों) का नाम	वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)*	अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति का विवरण (1 वर्गमीटर 10.76 वर्गफुट के बराबर है)	कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य (रु.)	ब्याना जमा राशि (रु.) / बोली वृद्धि राशि (रु.)
1.	**श्री खरे त्रिलोक,** मकान नं. एफ–1, साई मंदिर के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001. **श्री खरे त्रिलोक,** डी–403, श्रीजी हाइट्स, बिचौली, मर्दाना, इंदौर–452016. **श्रीमती मृणाल खरे** मकान नं. एफ–1 साई मंदिर के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001. **श्रीमती मृणाल खरे** डी–403, श्रीजी हाइट्स, बिचौली, मर्दाना, इंदौर–452016.	₹ 17,12,985/- 31 मई 2020 की स्थिति में	फ्लैट नंबर सी–2(203), साई विहार, खसरा नं. 673/6, 683/1, प.ह.नं. 109, ग्राम दलदल सिवनी, मोवा, रायपुर, कुल सुपर बिल्टअप एरिया =823.65 वर्गफीट, कारपेट एरिया -650 वर्गफीट, **लेटिट्यूड–21.276429, लांगिट्यूड–81.673825.**	भौतिक	₹16,20,000/-	₹1,62,000/- / ₹ 5,000/-
2.	**श्रीमती तिवारी आरती,** वार्ड क्रमांक 58, एरिना पब्लिक स्कूल, लोधी पारा, दुर्ग – छत्तीसगढ़, पिन – 491001 – भारत। **श्रीमती तिवारी आरती,** मै. मो. नाजिम कंस्ट्रक्शन, वार्ड नंबर 47, लोधीपारा, उरला, दुर्ग छत्तीसगढ़ 491001. **श्री नाज़िम मोहम्मद,** वार्ड नंबर 58, एरिना पब्लिक स्कूल, लोधी पारा, उरला, दुर्ग, छत्तीसगढ़, पिन – 491001 – भारत।	₹ 16,37,301/- 31 अगस्त 2025* की स्थिति में	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की प्लॉट खसरा 586/4/2, प.ह.न. 16, मौजा उरला, वार्ड नंबर 58, उरला, ईस्ट वार्ड, ओम नगर रानिमं : सिकोला, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़, कुल क्षेत्रफल– (868 वर्ग फुट + 868 वर्गफुट) 1736 वर्गफुट, **लेटिट्यूड–21.209572, लांगिट्यूड–81.277418.**	भौतिक	₹14,25,000/-	₹1,42,500/- / ₹ 5,000/-

सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय :– 30-जून-2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे
बोली की अंतिम तिथि :–14-जुलाई-2026, शाम 5.00 बजे के पहले

* साथ में अतिरिक्त ब्याज, जैसा लागू हो, भुगतान की तारीख और/या उसकी प्राप्ति तक किए गए आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।
ऋणभार/दावों का खुलासा: एचडीएफसी के अधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, अचल संपत्तियों/सुरक्षित परिसंपत्तियों के संबंध में कोई भार नहीं है।
संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, या ई–नीलामी बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी श्री लोकेश माहोरे से टेलीफोन नंबर 871800900 या श्री अंशुल अग्रवाल से टेलीफोन नंबर 9713436260 या मेसर्स वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करें; ई–मेल: Auction.Manager@BidDeal.in ; संपर्क नंबर: +919266604643.
सावधानी नोट: बड़े पैमाने पर ई–बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और उसके अधिकृत अधिकारी नीलामी बिक्री नोटिस में उल्लिखित अचल संपत्ति के संबंध में नकद लेनदेन नहीं करते हैं। नाम और अचल संपत्ति की बिक्री से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा अधिकृत एजेंसी/दलाल, यदि कोई हो, का संपर्क विवरण केवल ऊपर उल्लिखित पते पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

दिनांक: 24 जून, 2026
स्थान: रायपुर, दुर्ग
रजिस्टर्ड पता–एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई–400013
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
प्राधिकृत अधिकारी
ASA

सेक्रेटरी बर्ड को देखते ही कांपने लगते हैं सांप, पंजे से वार कर ले लेती है जान

एजेंसी ⏭ इथोपियिया

आपने नेवले और सांप की लड़ाई के कई किस्से सुने होंगे लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा पक्षी भी है जो सांपों के लिए मौत का पर्याय है? इसका नाम है सेक्रेटरी बर्ड। यह पक्षी अफ्रीका के विशाल सवाना क्षेत्रों में रहता है और जहरीले सांपों का सबसे बड़ा दुश्मन माना जाता है। सेक्रेटरी बर्ड लंबी टांगों वाला, गरुड़ जैसा दिखने वाला शिकारी पक्षी है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह उड़ने की बजाय ज्यादातर जमीन पर चलकर शिकार करता है। जब इसे सांप दिखता है तो यह पंख फैलाकर सांप को भड़काता है। सांप जैसे ही फन फैलाता है, सेक्रेटरी बर्ड अपनी तेज और ताकतवर लात से हमला कर देता है।

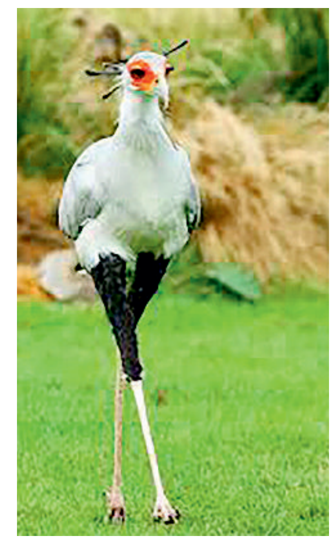

एक लात में काम तमाम

इसकी लात इतनी शक्तिशाली होती है कि सांप का सिर एक ही वार में कुचल जाता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार इसकी लात का दबाव 5 गुना ज्यादा होता है ,जितना जरूरी होता है सांप के खोपड़ी को तोड़ने के लिए। यह इतना सटीक और तेज हमला करता है कि सांप को फन फैलाने या काटने का मौका ही नहीं मिलता। सेक्रेटरी बर्ड मुख्य रूप से जहरीले सांपों को ही निशाना बनाता है। कोबरा, वाइपर और अन्य जहरीले सांप इसके पसंदीदा शिकार हैं।

क्यों मिला सेक्रेटरी नाम?

इस पक्षी का नाम 'सेक्रेटरी'इसलिए पड़ा, क्योंकि इसके सिर पर पंखों का गुच्छा होता है जो पुराने जमाने के सेक्रेटरी के सिर पर लगने वाले पेन की तरह दिखता है। यह लंबा-चौड़ा, करीब 1.3 मीटर ऊंचा और 4 किलो तक वजन वाला होता है। इसकी टांगें इतनी मजबूत होती हैं कि यह छोटे जानवरों और सांपों को आसानी से मार सकता है। सांप के शिकार करने के लिए ये खास ट्रिक अपनाता है।

रोचक खबरें

जेब से पैसे लगा नदी की करवाई सफाई तारीफ की जगह मिली दो साल की जेल!

लंदन। एक तरफ दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण को लेकर जागरुकता फैलाई जा रही है, वहीं दूसरी तरफ यूके में एक पर्यावरण प्रेमी वकील के साथ ऐसा मामला हुआ है, जिसे पढ़कर किसी का भी गुस्सा आ सकता है। पॉल पॉवलेस्लैंड नाम के एक बैरिस्टर (वकील) ने नदी को साफ करने के लिए अपनी जेब से पैसे खर्च किए। सैकड़ों थैली कचरा निकाला, लेकिन इसके एवज में उन्हें 2 साल की जेल की सजा का खतरा मोल लेना पड़ रहा है। पॉल पॉवलेस्लैंड 'रिवर रोडिंग ट्रस्ट'नामक संगठन चलाते हैं। पूर्वी लंदन के बार्किंग इलाके में अल्डर्स ब्रुक नदी (रिवर रोडिंग की सहायक नदी) सालों से भारी प्रदूषण का शिकार थी। कचरा, सिल्ट, प्लास्टिक, सुईयां, घरेलू सामान और यहां तक कि हथियार भी नदी में फेंके जा रहे थे। नदी लगभग मर चुकी थी। पॉल ने बार-बार एनवायरनमेंट एजेंसी (सरकारी पर्यावरण एजेंसी) से सफाई की मांग की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। आखिरकार उन्होंने इसकी सफाई खुद करने का फैसला लिया। लेकिन, उन्हें तारीफ की जगह सजा दे दी गई। फरवरी-मार्च 2026 में उन्होंने 10 दिनों तक वॉलंटियर्स की टीम के साथ नदी की सफाई का अभियान चलाया. अपनी जेब से डिगर मशीन के लिए 1000 पाउंड (करीब एक लाख 24 हजार रुपए) खर्च किए। टीम ने 200 थैली से ज्यादा कचरा, खर-पतवार और सिल्ट निकाला। करीब 250 मीटर लंबे हिस्से में पानी फिर से बहने लगा।

भारत के इस गांव में पैदा होते हैं जुड़वां बच्चे, हर गली में दिखते हैं एक जैसे चेहरे

नई दिल्ली। दुनिया में कई ऐसे रहस्यमयी जगह हैं, जिनके बारे में जानकर लोग हैरान रह जाते है। कहीं लोग बेहद लंबी उम्र तक जीते हैं, तो कहीं अजीब परंपराएं देखने को मिलती है। लेकिन, आज हम एक ऐसे गांव के बारे में बात करने जा रहे हैं, जहां सबसे ज्यादा चर्चा जुड़वा बच्चों को लेकर होती है। इस गांव में लगभग हर घर में जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं। यही वजह है कि इसा गांव को ही 'जुड़वा बच्चों का गांव' या 'ट्विन्स विलेज' कहा जाता है। हम जिस गांव की बात कर रहे हैं, उसका नाम कोडिन्ही गांव की, जो केरल के मलप्पुरम जिले में स्थित है। यह गांव दुनियाभर में अपनी अनोखी पहचान बना चुका है। यहां अब तक 400 से ज्यादा जुड़वा बच्चे पैदा हो चुके है। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि जहां दुनिया में हर 1000 बच्चों में लगभग 9 जुड़वा बच्चे जन्म लेते हैं, वहीं इस गांव में हर 1000 बच्चों में करीब 45 जुड़वा बच्चे पैदा होते है। यही वजह है कि यह गांव वैज्ञानिकों और रिसर्चर्स के लिए भी एक बड़ा रहस्य बना हुआ है।

वैज्ञानिक भी नहीं खोज पाए कारण

इस रहस्य को समझने के लिए भारत ही नहीं, बल्कि लंदन और जर्मनी के वैज्ञानिकों ने भी रिसर्च की। साल 2016 में रिसर्चर्स की एक टीम गांव पहुंची और लोगों के डीएनए, बाल और स्लाइवा के सैंपल लिए गए। हालांकि, इतनी रिसर्च के बाद भी वैज्ञानिक यह पता नहीं लगा पाए कि आखिर इस गांव में इतने ज्यादा जुड़वा बच्चे क्यों पैदा होते है। कई बड़े-बड़े डॉक्टर कई सालों से इस विषय पर रिसर्च कर रहे है। उनका मानना है कि यह सिलसिला लगभग 60 से 70 साल पहले शुरू हुआ था और पिछले कुछ सालों में जुड़वा बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

गांव में हर तरफ दिखते हैं हमशक्ल लोग

अगर आप इस गांव में जाएंगे, तो आपको हर गली और हर स्कूल में जुड़वा बच्चे नजर आ जाएंगे। कई बार लोग एक-दूसरे को पहचानने में भी गलती कर बैठते है। गांव के बाहर लगे बोर्ड पर लिखा है- 'भगवान के जुड़वां गांव में आपका स्वागत है।' साल 2008 में पहली बार इस गांव की चर्चा दुनियाभर में हुई थी, जब यहां करीब 280 जुड़वा बच्चों की सूची सामने आई थी। इसके बाद हर साल जुड़वा बच्चों की संख्या बढ़ती चली गई।

स्कूल की दो बहनों ने खोला राज

दिलचस्प बात यह है कि गांव वालों को खुद भी लंबे समय तक इस अनोखी घटना का एहसास नहीं था। कुछ साल पहले गांव की दो जुड़वा बहनों समीरा और फेमिना ने अपने स्कूल में देखा कि उनकी क्लास में कई जुड़वा बच्चे है। जब उन्होंने बाकी क्लासों पर ध्यान दिया, तो पता चला कि पूरे स्कूल में कई जुड़वा जोड़े मौजूद है। इसके बाद उन्होंने अपने स्कूल प्रोजेक्ट में इसी विषय पर काम किया और तभी गांव के इस अनोखे रहस्य की चर्चा शुरू हुई। आज कोडिन्ही गांव को 'ट्विन टाउन' के नाम से भी जाना जाता है। यहां जुड़वा बच्चों और उनके परिवारों की मदद के लिए 'ट्विन्स एंड किन एसोसिएशन' नाम की संस्था भी बनाई गई है। यह संस्था परिवारों को सहायता देने के साथ-साथ लोगों को जागरूक करने का काम भी करती है। आज यह गांव सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा रहस्य और आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

अपने थूक से सोने से भी कीमती चीज बनाता है ये परिंदा!

नई दिल्ली। दुनिया में कई ऐसी चीजें हैं, जिनकी कीमत सुनकर लोग हैरान रह जाते हैं। सोना, हीरा और दुर्लभ धातुओं के बारे में तो हम अक्सर सुनते हैं, लेकिन क्या आपने कभी किसी पक्षी के घोंसले के बारे में सुना है, जिसकी कीमत लाखों रुपए तक पहुंच जाती है? सुनने में यह अजीब लग सकता है,

लेकिन यह बिल्कुल सच है। स्विफ्टलेट नाम का एक छोटा सा पक्षी ऐसा घोंसला बनाता है, जिसे दुनिया के सबसे महंगे प्राकृतिक उत्पादों में गिना जाता है। स्विफ्टलेट आम तौर पर दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ देशों में पाया जाता है। देखने में यह कोई बहुत खास पक्षी नहीं लगता, लेकिन इसकी एक अनोखी आदत इसे बाकी पक्षियों से अलग बनाती है। जहां अधिकतर पक्षी अपने घोंसले बनाने के लिए सूखी टहनियां, घास, पत्तियां या दूसरे प्राकृतिक पदार्थों का इस्तेमाल करते हैं, वहीं स्विफ्टलेट अपना घोंसला अपनी ही लार से तैयार करता है। जब घोंसला बनाने का समय आता है, तब यह पक्षी अपनी लार को बार-बार चट्टानों या गुफाओं की दीवारों पर छोड़ता है। धीरे-धीरे यह लार हवा के संपर्क में आकर सख्त होने लगती है और कई दिनों की मेहनत के बाद एक कटोरे जैसी आकृति का घोंसला तैयार हो जाता है। यही घोंसला बाद में दुनिया भर में काफी ऊंची कीमत पर बेचा जाता है। इन घोंसलों को इकट्ठा करना भी कोई आसान काम नहीं होता। स्विफ्टलेट अक्सर गहरी, अंधेरी और खतरनाक गुफाओं में अपने घोंसले बनाता है। कई बार ये घोंसले ऊंची चट्टानों या ऐसी जगहों पर होते हैं, जहां पहुंचना बेहद मुश्किल होता है। इन्हें निकालने वाले लोग रस्सियों और लकड़ी की सीढ़ियों की मदद से सैकड़ों फीट ऊंचाई तक चढ़ते हैं। जरा सी गलती उनकी जान के लिए खतरा बन सकती है। यही वजह है कि इन घोंसलों को जुटाने का काम काफी जोखिम भरा माना जाता है।1

अल नीनो ने बढ़ाई चिंता तो एथेनॉल ने बढ़ाया दबाव, गन्ने पर मंडराया संकट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दुनिया भर में इन दिनों अल नीनो का खतरा मंडरा रहा है, और वैज्ञानिक लगातार इसके असर पर नजर बनाए हुए है। मौसम में होने वाले इस बदलाव ने पहले ही कई देशों में तापमान, बारिश और और खेती को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। अब एक नई चिंता सामने आई है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि एल नीनो आने के कारण से गन्ने की पैदावार बड़ी मात्रा में प्रभावित हो सकती है, जिससे आने वाले महीनों में चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। अगर यह आशंका सच साबित होती है, तो इसका बड़ा असर देखने को मिल सकता है। प्रशांत महासागर में लगातार मजबूत हो रहे अल नीनो ने भारत की चिंताएं बढ़ा दी है। ट्रेडर्स और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर अल नीनो के कारण देश में गन्ने के उत्पादन पर असर पड़ता है, तो भारत आने वाले कई सालों तक ग्लोबल शुगर एक्सपोर्ट मार्केट से पूरी तरह बाहर हो सकता है। बता दें कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी निर्यातक देश है।

कम बारिश से गन्ने की खेती होगी प्रभावित

अल नीनो एक ऐसी मौसमी घटना है जिसमें प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से ज्यादा गर्म उठता है। भले ही यह हलचल भारत से दूर होता है, लेकिन इसका सीधा असर भारत के दक्षिण-पश्चिम मानसून पर देखने को मिलता है। भारत में होने वाली कुल सालाना बारिश का करीब 75% हिस्सा इसी मानसून से आता है। गन्ने की फसल को पूरे सीजन में बहुत ज्यादा पानी की आवश्यकता होती है। अगर बारिश कम होती है, तो इससे गन्ने के पैदावार पर बड़ा असर देखने को मिल सकता है, जिससे देश का कुल चीनी उत्पादन कम हो जाएगा।

घरेलू मांग से भी कम हो सकता है उत्पादन!

इंडस्ट्री के अनुमानों के अनुसार, इस सीजन में भारत का चीनी उत्पादन घरेलू मांग से भी कम रहने की आशंका है। इस साल चीनी का उत्पादन लगभग 2.79 करोड़ मीट्रिक टन रहने का अनुमान है, वहीं देश में हर साल करीब 2.85 करोड़ मीट्रिक टन चीनी की खपत होती है। चीनी उत्पादन में यह कमी ऐसे समय में आ रही है जब भारत सरकार ने घरेलू बाजार में महंगाई को कंट्रोल में रखने के लिए चीनी एक्सपोर्ट पर 30 सितंबर 2026 तक पहले ही रोक लगा रखी है।

फ्रिज की सिगरेट बनती जा रही है डाइट कोक!

नई दिल्ली। आजकल फिटनेस के प्रति जागरूक लोग नॉर्मल कोल्ड ड्रिंक की जगह डाइट कोक को तरजीह देते हैं। लोगों को लगता है कि इसमें जीरो शुगर और जीरो कैलोरी है, तो यह सेहत को नुकसान नहीं पहुंचाएगी। लेकिन,क्या आपने कभी सोचा है कि बिना चीनी के भी लोग इसके इस कदर दीवाने क्यों हो जाते हैं? कई लोग तो दिन में कई बार इसे पीते हैं और चाहकर भी इसे छोड़ नहीं पाते हैं। हालिया रिसर्च से पता चला है कि यह सिर्फ आपके स्वाद की बात नहीं है, बल्कि आपका दिमाग आपके साथ एक बहुत बड़ा खेल खेल रहा है।

जब हम कोई मीठी चीज खाते हैं तो हमारे शरीर को कैलोरी यानी एनर्जी मिलती है। लेकिन, डाइट कोक के मामले में ऐसा नहीं होता है। जब आप इसे पीते हैं तो आपकी जीभ को मीठा स्वाद तो मिलता है, लेकिन शरीर को कोई कैलोरी नहीं मिलती। इस वजह से दिमाग का रिवॉर्ड सिस्टम भ्रमित हो जाता है।

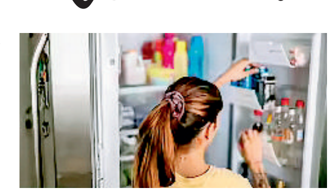

क्या है इसका 'फ्रिज सिगरेट' इफेक्ट

इंटरनेट पर आजकल डाइट कोक के लिए 'फ्रिज सिगरेट' शब्द का इस्तेमाल खूब हो रहा है। इसका मतलब यह नहीं है कि यह सिगरेट जितनी जानलेवा है, बल्कि दोनों की आदत का तरीका एक जैसा है। जैसे सिगरेट पीने वाले लोग तनाव होने पर ब्रेक लेते हैं, वैसे ही डाइट कोक के शौकीन बार-बार बिना सोचे फ्रिज खोलते हैं। वे तनाव या खाली समय में इसे पीकर एक संतुष्टि महसूस करते हैं, जो उनके व्यवहार में शामिल हो जाती है।

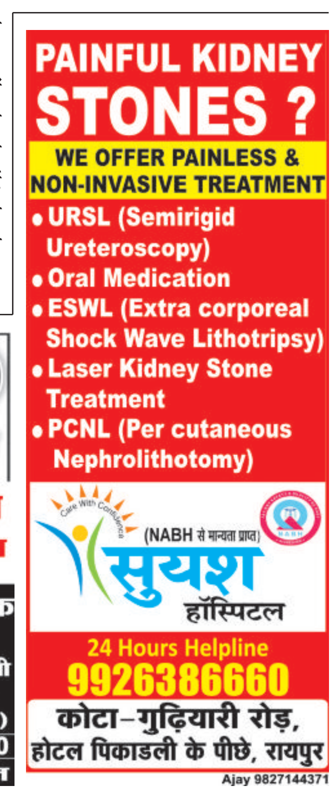

दुनिया का सबसे अनोखा देश, बसा है दूसरे देश के 'पेट' में

मासेरू। अफ्रीका महाद्वीप में स्थित लेसोथो दुनिया के उन गिने-चुने देशों में से एक है ,जो पूरी तरह से दूसरे देश के घेराव में बसा हुआ है। इसे इन्क्लेव्ड कंट्री भी कहते हैं। दक्षिण अफ्रीका के अंदर बसे लेसोथो को चारों तरफ से दक्षिण अफ्रीकी क्षेत्र घेरे हुए हैं। फिर भी यह एक स्वतंत्र संप्रभु राष्ट्र है। इस देश की अपनी अलग सरकार, राष्ट्रपति, संसद, झंडा, राष्ट्रीय गान, मुद्रा (लोती) और कानून व्यवस्था है। लेसोथो को 'द किंगडम इन द स्काई'भी कहा जाता है, क्योंकि यह पूरी तरह से 1400 मीटर से ज्यादा ऊंचाई पर बसा है।

लेसोथो का इतिहास 19वीं शताब्दी से जुड़ा है। उस समय बासोथो जनजाति के राजा मोशोशो प्रथम ने क्षेत्रीय युद्धों और यूरोपीय उपनिवेशवाद से बचने के लिए ब्रिटिश साम्राज्य की मदद ली थी। 1966 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिलने के बाद लेसोथो एक स्वतंत्र देश बना था। भले ही यह भौगोलिक रूप से दक्षिण अफ्रीका के अंदर है, लेकिन राजनीतिक रूप से पूरी तरह

स्वतंत्र है। लेसोथो के अलावा दुनिया में सिर्फ दो और पूर्ण रूप से दूसरे देश से घिरे हैं। इनमें से एक है वेटिकन सिटी जो इटली के अंदर है और दूसरा है सान मारिनो, जो भी इटली के ही अंदर है। लेसोथो इनमें सबसे बड़ा है। लेसोथो की सबसे खास बात है इसकी ऊंचाई। यहां की औसत ऊंचाई इतनी ज्यादा है कि इसे 'अफ्रीका का स्विट्जरलैंड'भी कहा जाता है। यहां के ज्यादातर लोग घोड़े पर सवार होकर घूमते हैं। सड़कें कम और पहाड़ी रास्ते ज्यादा हैं। बासोथो संस्कृति बहुत समृद्ध है। लोग पारंपरिक कंबल ओढ़ते हैं और मोहोले नामक अनोखी टोपी पहनते हैं। दक्षिण अफ्रीका का रैंड यहां भी चलता है, लेकिन आधिकारिक मुद्रा 'लोती'है। यहां के अपने पासपोर्ट, वीजा नियम और कानून हैं। लेसोथो के नागरिक दक्षिण अफ्रीका में बिना वीजा के घूम सकते हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच सीमा चौकियां हैं। बात अगर आर्थिक स्थिति की करें तो लेसोथो मुख्य रूप से कृषि, पशुपालन और डायमंड माइनिंग पर निर्भर है। यहां पानी बहुतायत में है, जिसे दक्षिण अफ्रीका को बेचा जाता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com